RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:321। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 12 जुलाई 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

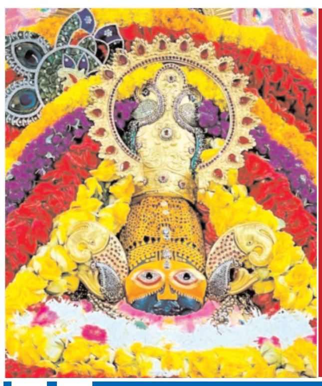

भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक करेंगे उन्नयन

2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 35 हजार करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य

एजेंसी

मेलबर्न। नई दिल्ली, 11 जुलाई (हि.स.)। भारत और न्यूज़ीलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने की घोषणा की। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 7 अरब न्यूज़ीलैंड डॉलर (लगभग 35,000 हजार करोड़) तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन के साथ ऑकलैंड में आयोजित शिखर वार्ता में 'रोडमैप टू 2030' का अनुमोदन किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार यह अगले चार वर्षों में द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा देने और साझेदारी को मजबूत करने के लिए साझा कार्ययोजना का आधार बनेगा। दोनों देशों के प्रधानमंत्री वार्ता के बाद समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान के साक्षी बने। इसके बाद विदेश

मंत्रालय की ओर से घोषणाओं और समझौते की जानकारी दी गई।

मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए समुद्री सुरक्षा संवाद शुरू किया जाएगा। न्यूज़ीलैंड ने इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव के समुद्री सुरक्षा स्तंभ में शामिल होगा। न्यूज़ीलैंड ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस में भी शामिल होगा। कृषि सहयोग के तहत कीवीफ्रूट एक्शन प्लान शुरू किया जाएगा और नागालैंड तथा उत्तराखंड में कीवी फल के दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा, राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा और कैंटरबरी विश्वविद्यालय के बीच अंटार्कटिक अनुसंधान पर सहयोग तथा निफ्टेम-कुंडली और मैसी विश्वविद्यालय के बीच खाद्य प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, छात्र आदान-प्रदान और शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता किया गया। दोनों देशों के नेताओं की बीच आज हुई वार्ता के दौरान कुल 18 समझौतों और व्यवस्थाओं पर सहमति बनी। इनमें रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े चार प्रमुख समझौते शामिल हैं, जिनमें समुद्री सहयोग, हाइड्रोग्राफी एवं नौटिकल कार्टोग्राफी, भारतीय नौसेना और न्यूज़ीलैंड रक्षा बल के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक सहायता तथा आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह की स्थापना शामिल है। एक समझौता आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हुआ, जबकि एक-एक समझौता पशुपालन एवं डेयरी, पर्यटन तथा सांस्कृतिक सहयोग से संबंधित है। खेल क्षेत्र में भारत-न्यूज़ीलैंड संयुक्त कार्य योजना को अपनाया गया। इसके अलावा, गुजरात के लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के विकास के लिए न्यूज़ीलैंड मैरीटाइम म्यूज़ियम के साथ एक व्यवस्था की गई। साथ ही कला, विरासत और सांस्कृतिक पहलों के आदान-प्रदान के ज़रिए सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यवस्था बनी।

गुजरात के जूनागढ़ जिले में बनासकांठा के परिवार की कार ट्रक में घुसी, *4 की मौत*

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले के मजेवड़ी गांव के पास शनिवार तड़के एक जबरदस्त सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत ज्यादा गंभीर है। बनासकांठा का एक परिवार अपने एक परिजन की अस्थियों के विसर्जन के लिए कार से सोमनाथ जा रहा था। इसी दौरान जूनागढ़ जिले के मजेवड़ी गांव के पास फोर लेन रोड पर उनकी कार हाइवे पर खड़े एक ट्रक से टकरा गयी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कार सवार चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और 108 एंबुलेंस की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को तत्काल जूनागढ़ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार घायलों में से दो की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है और उन्हें आईसीयू में गहन उपचार दिया जा रहा है। अन्य दो घायलों का भी इलाज जारी है।

नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी युद्धपोत महेन्द्रगिरी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में एक और एडवांस्ड स्टील्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी को आज शामिल कर लिया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में महेन्द्रगिरी को ऐसे समय में शामिल किया है, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। महेन्द्रगिरी के नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में काफी बढ़ोतरी होगी। इस फ्रिगेट को नौसेना के पूर्वी बेड़े में रखा जाएगा। प्रोजेक्ट 17ए वर्ग का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट 'महेन्द्रगिरी' केवल एक जहाज नहीं है, बल्कि यह 'मेक इन इंडिया' की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का 6,670 टन का अवतार है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में इन-हाउस डिजाइन और मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित यह फ्रिगेट पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ी की छलांग है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ यह जहाज घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को उजागर करता है, जो अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में फैला हुआ है। संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्र से संचालित महेन्द्रगिरी को 'उच्च गति-उच्च धीरज' बहुमुखी प्रतिभा और बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए डिजाइन किया गया है।

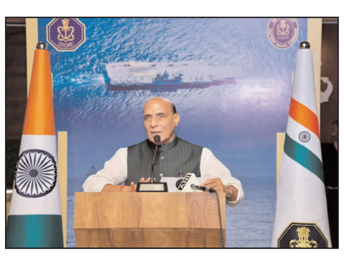

परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे की पुण्यतिथि पर राष्ट्र ने किया नमन, नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। परमवीर चक्र से सम्मानित सेकंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे की पुण्यतिथि पर शनिवार को देशभर में उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अनेक नेताओं ने उनके अद्वितीय साहस, वीरता और राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे ने 1947-48 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अदम्य साहस और असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया। उन्होंने दुश्मन की भीषण गोलाबारी और अनेक बाधाओं के बावजूद लगातार अपने साथियों के लिए रास्ता साफ किया, जिससे भारतीय सेना की अग्रिम बढ़त सुनिश्चित हो सकी। बिरला ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी राणे का कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण और वीरता सैन्य अभियान की सफलता का आधार बना। उनका शौर्य भारतीय सशस्त्र बलों के इतिहास का स्वर्णिम और प्रेरणादायी अध्याय है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी सेकंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान, अदम्य साहस और अतुलनीय देशभक्ति का सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि राणे का जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संदेश में कहा कि वर्ष 1947-48 के भारत-पाक युद्ध में अपने अद्वितीय शौर्य और पराक्रम से शत्रु सेना को परास्त करने वाले परमवीर चक्र से सम्मानित सेकंड लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे की गौरवगाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

बारिश का कहर जारी

• यूपी में कार-पुल डूबे, 3 दिन में 15 मौतें

उत्तराखंड-हिमाचल में 438 सड़कें बंद, मिजोरम में 4 दिन से टूरिस्ट फंसे

एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित देश के 10 राज्यों में अगले 5 दिन कम बारिश होने की संभावना है। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश के पश्चिमी हिस्से से बादल गायब हो गए हैं।

नई सैटेलाइट तस्वीरों में बादल पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे- उत्तराखंड, यूपी, बिहार, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा की तरफ चले गए हैं। यही वजह है कि इन राज्यों में भारी बारिश हो रही है। यूपी के हापुड़ में तेज बारिश से अंडरपास में पानी भर गया। थार कार डूब गई। बिजनौर में गंगा और उसकी सहायक मालन नदी उफान पर है। कई छोटे पुल डूब गए हैं, प्रदेश में 3 दिन में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में देर रात भारी बारिश के कारण चलती पिकअप पर पहाड़ का एक हिस्सा गिर गया। मलबे और बोल्डरों की चपेट में आने से गाड़ी पूरी तरह पिचक गई। मिजोरम के लुंगलेई जिले में बारिश के बाद नदी का जलस्तर बढ़ गया।

80 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राज्य में 29 जगह लैंडस्लाइड हुई। लुंगलेई जिले के बुआल्ते गांव के पास नेशनल हाईवे 54 बंद हो गया है, जहां पिछले चार दिनों से कई पर्यटक फंसे हुए हैं।

मानसून ने 36 दिन में पूरा देश कवर किया

मानसून आमतौर पर 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है, लेकिन इस बार यह एक दिन देरी से पहुंचा। सामान्य तौर पर मानसून को पूरा देश कवर करने में 38 दिन लगते हैं। इस बार यह 36 दिन में पूरे देश में पहुंच गया। लगातार पांचवां साल है, जब मानसून ने 38 दिन से कम समय में पूरे देश को कवर किया है।

वर्ष 2047 तक अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य : शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन क्षेत्र का योगदान वर्तमान में 6 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अल्पकालिक लक्ष्य के रूप में वर्ष 2030 तक इसे 7 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में केंद्र सरकार तेजी से कार्य कर रही है। शनिवार को अपने जोधपुर निज निवास पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान लगातार मजबूत हुई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पर्यटन क्षेत्र पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहीं घरेलू पर्यटन में भी अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन एक विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम है, जिससे विकास का लाभ सीधे स्थानीय लोगों तक पहुंचता है। पर्यटन से होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, खान-पान, स्थानीय उत्पादों और अन्य अनेक क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि

कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार सृजित करने की क्षमता पर्यटन क्षेत्र में है और सरकार इसी दृष्टि से पर्यटन अवसंरचना एवं सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दे रही है।

गरीबी रेखा से बाहर आए 25 करोड़ से अधिक लोग

शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के परिणामस्वरूप 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 की तुलना में देश की अर्थव्यवस्था दोगुने से अधिक आकार की हो चुकी है।

वडोदरा जिला पंचायत से लेकर बड़ौदा डेयरी तक भ्रष्टाचार का बोलबाला

सफेदपोश नेताओं की भूख के आगे पूरा तंत्र लाचार

'महानगर मेट्रो' का सीधा सवाल- गुनहगार जेल कब जाएंगे?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा/करजण। गुजरात सरकार भले ही गांधीनगर की गद्दी पर बैठकर भ्रष्टाचार मुक्त शासन के बड़े-बड़े दावे करती हो, लेकिन हकीकत यह है कि वडोदरा जिले में सत्ताधारी दल के कुछ नेताओं ने कानून, व्यवस्था और नैतिकता की सरेआम धज्जियां उड़ा दी हैं। जिले में सरपंच की कुर्सी से लेकर जिला पंचायत के अध्यक्ष तक भ्रष्टाचार का ऐसा दलदल बन चुका है, जहां करोड़ों रुपये का काला खेल खुलेआम चल रहा है। वडोदरा जिला पंचायत की अध्यक्ष ज्योत्सनाबेन वसंतभाई रबारी के पति वसंत रबारी के खिलाफ अवैध रेत खनन, रंगदारी और करोड़ों की रॉयल्टी चोरी के जो आरोप सबूतों के साथ सामने आए हैं, उसने पूरे जिले की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। जनता के वोट लेकर बैठे इन सफेदपोश लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में स्थानीय प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह से नाकाम साबित हुआ है।

सूत्रों से मिली अत्यंत सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, नारेश्वर से पालेज की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग पर बिना किसी सरकारी मंजूरी या रॉयल्टी पास के अवैध रेत का भारी जखीरा जमा कर दिया गया है। पवित्र नर्मदा नदी का सीना चीरकर, रात-दिन जेसीबी और डंपर दौड़ाकर प्राकृतिक संपदा की अंधी लूट मचाई जा रही है। सत्ता के रसूख के दम पर ये खनन माफिया नर्मदा नदी के अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं। सबसे बड़ा और शर्मनाक सवाल यह है कि इतना बड़ा घोटाला सड़क पर सरेआम दिखने के बावजूद, करजण के एसडीएम शिवम बारिया, वडोदरा कलेक्टर, जिला पुलिस कप्तान (SP), स्थानीय तहसीलदार और खान-खनिज विभाग के अधिकारी आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं? करोड़ों

रुपये के हफ्ते आखिर किन-किन दफ्तरों में पहुंच रहे हैं कि पूरा तंत्र इन माफियाओं के आगे लाचार बना बैठा है? यह कैसा शासन है जहां कानून सिर्फ आम जनता के लिए है और नेताओं के लिए रेड कार्पेट? दूसरी तरफ, इन पदाधिकारियों की भूख इस कदर बढ़ गई है कि वे पशुपालकों और गरीब दूध उत्पादकों को भी बख्शने के लिए तैयार नहीं हैं। बड़ौदा डेयरी की आधिकारिक ऑडिट रिपोर्ट में एक ऐसा भयानक खुलासा हुआ है जिसने सहकारी क्षेत्र की नींव हिला दी है।

डेयरी के सबडोल गांव में स्थित चिलिंग सेंटर में करीब 50 से 60 लाख रुपये का बड़ा वित्तीय घोटाला किए जाने की बात सरकारी कागजों में साबित हो चुकी है। गरीब किसानों के पसीने की कमाई को अपने निजी स्वार्थ के लिए उड़ाने वाले इन कथित नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज करने की हिम्मत डेयरी प्रबंधन क्यों नहीं दिखा पा रहा है? सरपंच से लेकर जिला पंचायत तक फैली भ्रष्टाचार की यह पूरी कड़ी वडोदरा जिले को दीमक की तरह चाट रही है। इस मामले में वडोदरा भाजपा जिला अध्यक्ष या स्थानीय विधायक की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? ऐसा लग रहा है कि पूरा तंत्र खनन माफियाओं और भ्रष्टाचारियों के हाथों बिक चुका है। इस पूरी लूटपाट और भ्रष्टाचार के खिलाफ खुद राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को तमाम सबूतों और दस्तावेजों के साथ लिखित शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से अब तक कोई सख्त आदेश जारी नहीं हुआ है।

नारेश्वर-पालेज हाईवे पर बिना रॉयल्टी रेत के पहाड़ खड़े हुए, करजण के एसडीएम, तहसीलदार और जिला पुलिस कप्तान आखिर मौन क्यों? बड़ौदा डेयरी के सबडोल चिलिंग सेंटर में 60 लाख का बड़ा घोटाला ऑडिट में साबित, फिर भी मामला दर्ज करने में किसकी घिग्घी बंध रही है? मुख्यमंत्री तक सबूतों के साथ लिखित शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं; भ्रष्ट नेताओं पर सरकार का बुल्डोजर कब चलेगा?

वडोदरा का पूरा प्रशासनिक और पुलिस महकमा या तो सत्ता के दबाव में दबा हुआ है या फिर अरबों रुपये के इस खेल में भागीदार बन चुका है। ऐसे तत्वों की वजह से पूरी सरकार की छवि धूमिल हो रही है। 'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर सीधे सवाल पूछता है कि, स्वच्छ छवि का दावा करने वाले मुख्यमंत्री अपने ही दल के इन भ्रष्ट नेताओं और घोटालेबाजों पर कानूनी हथौड़ा कब चलाएंगे? क्या करजण तालुका में यह रेत और मिट्टी का अवैध खनन ऐसे ही चलता रहेगा, या फिर मुख्यमंत्री तुरंत जांच बैठाकर दूध का दूध और पानी का पानी करेंगे?

सूरत में बाढ़ से परेशान महिलाओं का गुस्सा फूटा: BJP विधायक मनु पटेल को घेरा, लोगों ने जमकर खरी-खोटी सुनाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। भारी बारिश के बाद आई बाढ़ के हालात के बीच अब लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। इस गुस्से की आग में सत्ताधारी पार्टी के नेता बुरी तरह घिर गए हैं। सूरत के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे BJP विधायक मनु पटेल को स्थानीय महिलाओं के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। महिलाओं ने विधायक को घेर लिया और ऐसे तीखे सवाल पूछे कि नेताजी भी शर्मिंदा हो गए।

'चुनाव के समय तो हाथ जोड़कर कहते थे- 'भाइयों, वोट दो', अब कहां चले गए?'

बाढ़ के पानी में डूबे और मुश्किलों का सामना कर रहे स्थानीय लोगों, खासकर महिलाओं का गुस्सा सातवें आसमान पर था। जैसे ही विधायक मनु पटेल दौरा करने पहुंचे, महिलाओं ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया।

एक गुस्साई महिला ने विधायक से कहा, 'जब चुनाव होते थे, तब आप हाथ जोड़कर आते थे और कहते थे, 'बहन, मुझे वोट दो!' अब जब हम मुसीबत में हैं, हमारे घर बाढ़ में डूबे हैं, खाने को कुछ नहीं है, तो आप कहां गायब हो गए? अब आकर हाथ क्यों नहीं जोड़ते? महिलाओं के इस विरोध के सामने विधायक बचाव की मुद्रा में दिखे। माहौल इतना गरमा गया था कि नेताजी के लिए वहां खड़ा होना भी मुश्किल हो गया।

विधायक मनु पटेल का बचाव: 'हमारा काम सेवा करना है, हम वही कर रहे हैं'

जनता के इन तीखे सवालों और घेराव के बीच विधायक मनु पटेल ने अपना बचाव करने की कोशिश की। उन्होंने पत्रकारों और गुस्साई जनता से कहा, 'हमारा काम सेवा करना है और हम लगातार वही काम कर रहे हैं। बाढ़ के समय भी हम लोगों की मदद कर रहे हैं।' हालांकि, जनता विधायक के इस बयान से संतुष्ट नहीं थी। लोगों का कहना है कि नेता सिर्फ फोटो खिंचवाने और चुनाव के समय ही दिखाई देते हैं, वरना जब जनता मुसीबत में होती है, तो सिस्टम और नेता दोनों गायब हो जाते हैं। जब चुनाव के समय वोट के लिए हाथ जोड़कर घूमने वाले नेता बाढ़ जैसी आपदा के समय जनता को मुश्किल में छोड़ देते हैं, तो जनता का ऐसा गुस्सा पूरी तरह जायज है। सूरत की इन महिलाओं ने नेताजी को जो आईना दिखाया है, वह एक चेतावनी (रेड लाइट) की तरह है। अब यह देखना बाकी है कि क्या इस आक्रोश के बाद सिस्टम और नेता अपनी आँखें खोलते हैं या फिर हमेशा की तरह जनता को ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा!

एक मासूम किसान को फंसाकर दुल्हन 2.31 लाख रुपये, चांदी की पायल और मोबाइल लेकर भाग गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। गोविंद गुरु लिमडी तालुका में एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक गिरोह ने शादी का लालच देकर झालोद के हितेश पांचाल नाम के युवक से लाखों रुपये की ठगी की थी। इससे पहले, झालोद में कृष्णकांत पटेल, बाबूलाल पाटीदार और तरुण सावले की तिकड़ी पर शादी के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप लगा था। अब, उसी गिरोह ने गोविंद गुरु लिमडी तालुका के वीरेंद्र वाजेसिंह सोलंकी को अपना शिकार बनाया और 2.31 लाख रुपये की धोखाधड़ी की, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस शिकायत के अनुसार, रनियार इनाम गांव के किसान वीरेंद्र सोलंकी का परिवार दूसरी कम्युनिटी में भी लड़की की तलाश कर रहा था। उस समय, गांव के कृष्णकांत पटेल ने उन्हें मध्य प्रदेश में एक लड़की दिखाने का वादा करके संपर्क करने के लिए राजी किया। इसके बाद, बाबूलाल पाटीदार और तरुण सावले उन्हें मध्य प्रदेश के मोरानी गांव ले गए और 'निर्मला' नाम की लड़की से मिलवाया। लड़की पसंद आने पर शादी के नाम पर 2,31,000 रुपये की मांग की गई। परिवार ने उन पर भरोसा किया और 'फूल रस्म' (सगाई जैसी रस्म) के बाद नकद भुगतान करके लड़की को घर ले आए। शादी के कुछ दिनों बाद, लड़की ने कहा कि उसके भाई की सगाई है और वह अपने पिता के पास जा रही है। वीरेंद्र द्वारा उसे मध्य प्रदेश छोड़ने के बाद, शुरू में उसे दो-तीन दिनों में लौटने का भरोसा दिया गया था। फिर, उसने परिवार के किसी सदस्य की मौत का हवाला देते हुए और समय मांगा, और बाद में अपना मोबाइल फोन पूरी तरह बंद कर लिया। जब परिवार ने तरुण सावले और कृष्णकांत पटेल से संपर्क किया, तो वे टालमटोल वाले जवाब देते रहे। जब लड़की एक महीने तक वापस नहीं लौटी, तो परिवार को पता चला कि उनके साथ धोखा हुआ है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने न सिर्फ़ 2.31 लाख रुपये नकद लिए, बल्कि लड़की को दी गई लगभग 15 हज़ार रुपये की कीमत की चांदी की पायल और 11 हज़ार रुपये का मोबाइल फ़ोन भी ले गए और उनके भरोसे को तोड़ा।

खाद के लिए 'महाभारत': बेबस होती धरती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। बारिश के मौसम में खेती का सबसे अहम समय चल रहा है, लेकिन आज धरती का पेट भरने वाले किसानों को अपने खेतों के लिए ज़रूरी खाद पाने के लिए 'महाभारत' लड़ना पड़ रहा है। पिछले छह-सात दिनों से किसान सुबह-सुबह लंबी लाइनों में लग रहे हैं और खाद पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे हैं। घंटों इंतज़ार करने और भूखे-प्यासे रहने के बावजूद, कई किसान निराश होकर खाली हाथ घर लौट रहे हैं। हालांकि झालोद शहर में खाद के करीब 12 लाइसेंस प्राप्त डीलर हैं, लेकिन सिर्फ़ तीन-चार डीलरों को ही खाद मिल रही है, जिससे बाकी केंद्र ऐसे लग रहे हैं जैसे उन पर ताला लगा हो। नतीजतन, हज़ारों किसान कुछ ही केंद्रों पर उमड़ रहे हैं, जिससे भारी अफरा-तफरी मच रही है। किसान सूरज उगने से पहले ही लाइन में लग जाते हैं, लेकिन शाम तक इंतज़ार करने के बाद भी कई किसानों को खाद नहीं मिल पाती। किसानों में भारी असंतोष है क्योंकि उन्हें ज़रूरत से बहुत कम खाद मिल रही है। धक्का-मुक्की, हाथापाई और हिंसक झगड़ों के दृश्यों से माहौल तनावपूर्ण हो गया है। दूर-दराज़ के गांवों से ट्रैक्टर, बाइक, रिक्शा और निजी वाहनों का किराया देकर आने वाले किसानों को खाद न मिलने पर खाली हाथ लौटना पड़ता है; उन्हें न केवल समय का नुकसान उठाना पड़ता है, बल्कि यात्रा, दिहाड़ी मज़दूरी और खेती के अन्य कामों का खर्च भी उठाना पड़ता है। एक तरफ खाद के लिए जद्दोजहद और दूसरी तरफ अतिरिक्त आर्थिक बोझ - दोनों ही किसानों पर मार कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि यह समय बुवाई और फसल की बढ़त के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर खाद न मिलने का सीधा असर फसल पर पड़ता है, और पैदावार कम होने व आमदनी में भारी नुकसान का डर बना रहता है। किसानों के अनुसार, खाद के लिए लाइन में एक दिन बिताने का मतलब है पूरे दिन का खेती का काम रुक जाना। चर्चा भी हो रही है कि अगर सभी लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों को खाद की किसान एक जगह पर जमा नहीं होंगे और मौजूदा अफरा-तफरी वाली स्थिति पैदा नहीं होगी।

करजण में खाकी और बूटलेगरों का गठजोड़

जेल रिटर्न कारिंदे के इशारे पर नाच रही पुलिस, गृहमंत्री हर्ष संघवी के अभियान को ठेंगा दिखाकर चल रहा करोड़ों का हफ्ता राज

स्टेट मॉनिटरिंग सेल की छापेमारी से पहले ही वडोदरा एलसीबी द्वारा लोकेशन लीक करने का सनसनीखेज आरोप, मीडिया के फोन उठाना बंद

एसपी सुशील अग्रवाल और पीआई पटेल के मौन के पीछे क्या है बड़ा राज? गांव-गांव धधक रही शराब की भट्टियों और जुआ अड्डों का लोकेशन के साथ भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

काली कमाई से पुलिस के चहेते कारिंदे ने खड़ी की करोड़ों की बेनामी संपत्ति

'महानगर मेट्रो' का सीधा सवाल अगर जिला फिर किसी लट्ठाकांड से दहला, तो जिम्मेदार कौन?

करजण/वडोदरा। गुजरात सरकार भले ही गांधीनगर से राज्य में सख्त शराबबंदी के ऊंचे-ऊंचे दावे करती हो, लेकिन वडोदरा जिले के करजण तालुका से जो जमीनी हकीकत सामने आई है, उसने आला अधिकारियों की नींद उड़ा दी है। करजण में कानून और व्यवस्था की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। पूरा इलाका जैसे बूटलेगरों और जुआरियों के लिए महफूज ठिकाना बन चुका है। सरकारी नियमों को ताक पर रखकर करजण पुलिस थाने की नाक के नीचे ही अरबों रुपये का अवैध नेटवर्क फल-फूल रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे काले साम्राज्य की कमान संभालने वाला कोई और नहीं, बल्कि खुद पुलिस का ही एक चहेता कारिंदा (वहीवटदार) है, जो पहले शराब के ही एक बड़े मामले में जेल की हवा खा चुका है। सूत्रों से मिली अत्यंत सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, करजण पुलिस स्टेशन से महज 2 किलोमीटर दूर स्थित करमडी गांव में करीब 15 से ज्यादा देसी शराब की भट्टियां बिना किसी डर के धड़ल्ले से चल रही हैं, जहां से पूरे इलाके में शराब की सप्लाई होती है। इसके अलावा, कुलारी गांव में नई नगरी पानी की टंकी के पास नगीन नाम का बूटलेगर खुलेआम वरली-मटका का जुआ खिला रहा है। सापा गांव की नई वसाहत में भी यह सट्टा जोरों पर है। इतना ही नहीं, राणपुर गांव का सरपंच और बीजेपी युवा मोर्चा का अध्यक्ष पार्थ शाह खुद पूरे करजण तालुका में विदेशी शराब का बड़ा धंधा चला रहा है। सीमडी से राणपुर जाने वाले रास्ते पर शराब का भारी जखीरा छिपाकर रखे जाने के पक्के सबूत मिले हैं। वहीं कंडारी गांव में टावर के पास अमित वसावा नाम का तस्कर अंग्रेजी शराब बेच रहा है, और बारियावास इलाके में परेश चूनावाड़ा नाम का शख्स सरेआम विदेशी शराब की बिक्री कर रहा है। इस पूरे अवैध कारोबार के पीछे करजण पुलिस स्टेशन के पीआई पटेल का सबसे लाडला और खास कारिंदा हनुभा कामडिया उर्फ हनु बूटलेगर मुख्य सूत्रधार बताया जा रहा है। यह हनुभा पहले शराब के बड़े केस में पकड़ा जा चुका है, पुलिस से सस्पेंड हुआ था और जेल भी जा चुका है। ऐसे शातिर दिमाग शख्स ने आज पूरे करजण तालुका की पुलिस को कथित तौर पर अपनी उंगलियों पर नचा रखा है। शराब और जुए के अड्डों से होने वाली करोड़ों रुपये की काली कमाई के दम पर इस कारिंदे ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए करोड़ों की बेनामी संपत्ति खड़ी कर ली है। वडोदरा जिले के पुलिस कप्तान सुशील अग्रवाल, वडोदरा एलसीबी और करजण पुलिस के अधिकारियों की इस मामले में पूरी तरह साधी गई चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। इस मामले में सबसे बड़ा विस्फोट यह हुआ है कि जब भी कोई जागरूक नागरिक स्टेट मॉनिटरिंग सेल में इन अड्डों की ऑनलाइन शिकायत करता है, तो गांधीनगर से टीम के पहुंचने से पहले ही वडोदरा एलसीबी के कुछ कथित भ्रष्ट कर्मी कारिंदे और करजण पुलिस को व्हाट्सएप पर लोकेशन शेयर कर अलर्ट कर देते हैं कि 'गाड़ी निकल चुकी है, अड्डे बंद कर दो!'। वडोदरा एलसीबी पीआई का सीधा कनेक्शन करजण के इसी कथित कारिंदे हनुभा कामडिया के साथ होने की चर्चा है, जहां रोजाना लाखों रुपये का लेनदेन होता है। इस मामले में उनका पक्ष जानने के लिए जब 'महानगर मेट्रो' न्यूज़ द्वारा एलसीबी पीआई से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन उठाना ही बंद कर दिया। यह रवैया साफ करता है कि कार्रवाई करने की जगह सिर्फ हफ्ता बढ़ा दिया गया है। जिले के पुलिस कप्तान इस पूरी भ्रष्ट व्यवस्था के सामने आंखें मूंदकर बैठे हैं। यह भ्रष्ट टोली राज्य के मुख्यमंत्री की स्वच्छ छवि को धूमिल कर रही है और गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के ड्रग्स और शराब मुक्त गुजरात के अभियान को खुली चुनौती दे रही है।

'महानगर मेट्रो' न्यूज़ पेपर सीधे सरकार से सवाल पूछता है

बूटलेगरों के दम पर चलने वाले ऐसे भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ गांधीनगर का चाबुक कब चलेगा? अगर वडोदरा जिले में कोई बड़ा लट्ठाकांड होता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा क्या करजण की जनता को इस अभिशाप से कभी मुक्ति मिलेगी?

महमूदाबाद में बाल विवाह का चौंकाने वाला खुलासा: सांसद देवुसिंह चौहान का बड़ा बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। खेड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसद देवुसिंह चौहान ने महमूदाबाद में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में समाज की सच्चाई को उजागर करते हुए एक चौंकाने वाला और बड़ा बयान दिया है। महमूदाबाद में टीबी-मुक्त अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में, सांसद ने सरकारी स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए ग्रामीण इलाकों में अभी भी फैली बाल विवाह की कुप्रथा और सोच पर कड़ा प्रहार किया। इस खुलासे के बाद पूरे खेड़ा जिले के सामाजिक और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए सांसद देवुसिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में फैली कुछ बुरी प्रथाओं, पुरानी मान्यताओं और अज्ञानता के कारण आज भी कम उम्र में लड़कियों की शादी कर दी जाती है। इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार करते हुए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किए। यह पता चला है कि 17 साल की कम उम्र में ही 18 लड़कियां गर्भवती हो गई हैं।

48 लड़कियां कानूनी उम्र 18 साल पूरी करने से पहले ही मां बन चुकी हैं। देवुसिंह चौहान ने चिंता जताते हुए कहा कि यह कोई मामूली आंकड़ा नहीं है, बल्कि एक गंभीर सामाजिक बुराई का सबूत है। कम उम्र में शादी और उसके बाद गर्भावस्था के कारण इन लड़कियों का शरीर पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता है, जिससे वे गंभीर एनीमिया (खून की कमी), टीबी और कुपोषण जैसी जानलेवा बीमारियों का शिकार हो जाती हैं। यह कुप्रथा न केवल लड़की की सेहत, बल्कि अजन्मे बच्चे के भविष्य को भी अंधकार में डाल देती है। सांसद के इस बयान ने सरकारी तंत्र और सामाजिक संगठनों के कामकाज पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं कि डिजिटल युग में भी इतनी बड़ी संख्या में बाल विवाह कैसे हो रहे हैं? देवूसिंह चौहान ने ग्रामीण समाज के नेताओं, परिवारों और प्रशासन से अपील की है

कुदरती आपदा के बाद इंसानियत की मिसाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। पुलिस स्टेशन, बनासकांठा रेंज, पालनपुर की पुलिस अधीक्षक परीक्षित राठौड़ और इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस, बनासकांठा रेंज-पालनपुर की देखरेख में, पुलिस ने इलाके से फॉर्च्यूनर गाड़ी से 9,35,861 रुपये की भारतीय विदेशी शराब और 24,35,861 रुपये का अन्य सामान ज़ब्त किया। बनासकांठा रेंज के ज़िलों में विदेशी शराब की तस्करी या बिक्री में शामिल लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करने के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस, बनासकांठा रेंज-पालनपुर के निर्देशों और S.J. परमार, पुलिस सब-इंस्पेक्टर, बनासकांठा रेंज के मार्गदर्शन में, बनासकांठा रेंज ऑफ़िस के पुलिस स्टाफ़ ने मिली जानकारी के आधार पर कामाक्षी श्री रोड के पास निगरानी शुरू की। जब वही फॉर्च्यूनर गाड़ी आई, तो पुलिस ने ड्राइवर को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह गाड़ी भगा ले गया और यू-टर्न लेकर वापस अंबाजी की ओर चल दिया। भागते समय खोड़ीवाडली सर्कल के पास फॉर्च्यूनर गाड़ी का टायर फट गया और ड्राइवर व उसके साथ मौजूद व्यक्ति अंधेरे का फ़ायदा उठाकर गाड़ी छोड़कर भाग गए। गाड़ी के अंदर देखने पर अलग-अलग ब्रांड की शराब/बीयर की 3028 बोतलें (कीमत 9,35,861 रुपये) और फॉर्च्यूनर गाड़ी मिलीं, जिनकी कुल कीमत 24,35,861 रुपये थी। फॉर्च्यूनर गाड़ी की तकनीकी जांच से पता चला कि उसका रजिस्ट्रेशन नंबर ग़लत था। विक्रमभाई, हेड कांस्टेबल बनासकांठा रेंज। धरमपालसिंह पो.कंसस., बनासकांठा रेंज घनश्यामसिंह, पो.कंसस., बनासकांठा रेंज ईश्वरभाई, पो.कंसस., बनासकांठा रेंज पारसकुमार, पो.कंसस., बनासकांठा रेंज

बन्धु बेलड़ी पियूषविजयजी व रजतविजयजी के सानिध्य में अंजन शलाका प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

थांदला। श्री केसरियानाथ मंदिर के नाम से प्रसिद्ध नगर के अति प्राचीन श्री आदिनाथ ऋषभ नरसिंह भगवान एवं दादा गुरुदेव श्रीमद विजय राजेंद्रसूरीश्वरजी म.सा. के मंदिर का जीर्णोद्धार मोहनखेड़ा तीर्थ प्रणेता ज्योतिषाचार्य पूज्य श्री ऋषभचन्द्र सूरीश्वर जी म.सा. के दिव्य सपनों को साकार करते हुए उनके ही शिष्य बन्धु बेलड़ी सरकार पूज्य गुरुभगवन्त पूज्य श्री पियूषचन्द्रविजयजी एवं व्याख्यान प्रभावक पूज्य श्री रजतचन्द्रविजयजी म.सा. की पावन निश्रा में अपनी पूर्णता कि ओर है। इस भव्य संगमरमर से निर्मित नवीन मंदिर का आगामी वर्ष में भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न होना है जिसको लेकर विभिन्न चढावों कि बोली के लिए अंजन शलाका प्राण-प्रतिष्ठा महा महोत्सव का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए संघ अध्यक्ष कमलेश जैन, प्रतिष्ठा महोत्सव समिति अध्यक्ष मयूर तलेरा, सचिव संजय फुलफगर व अर्पित लुणावत ने बताया कि सकल जैन व सनातन समाज का सपना साकार रूप ले चुका है जिसको लेकर आगामी दिनों में पाँच दिवसीय भव्य महोत्सव करते हुए बन्धु बेलडी प.पु. मुनिराज श्री पियुषचन्द्र विजयजी म.सा. एवं प.पू. मुनिराज श्री रजतचन्द्र विजयजी म.सा. व अन्य संतों की पावन निश्रा में पूर्ण विधि विधान के साथ सभी मूल नायक भगवान व गुरु परिवार की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न की जाएगी। इस महोत्सव के विभिन्न आयोजन सम्बन्धी चढावों की बोली का आयोजन आषाढ वदि तेरस, रविवार को किया जा रहा है जिसके लाभार्थी दानदाताओं के नाम महोत्सव पत्रिका में अंकित किये जायेंगें। महोत्सव को लेकर उत्साहित श्री संघ ने देशभर के संघ को आमंत्रित करते हुए तन, मन के साथ अपने द्रव्य रूपी धन का सदुपयोग कर पुण्यार्जन करने का निवेदन किया है। परिवार व अनोखीलाल, मनोहरलाल, रविन्द्र कुमार मोदी परिवार ने लिया है।

मुख्य रास्ते पर स्थित डभोई वेगा चौकड़ी पर सोलर लाइटें पिछले 10 दिनों से ज़मीन पर गिरी पड़ी हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। नर्मदा के किनारे बनी दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति, 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' को जोड़ने वाली मुख्य सड़क और वडोदरा-बोदेली-डभोई को जोड़ने वाली बेहद अहम वेगा चौकड़ी अब अंधेरे और प्रशासन की बेरुखी का शिकार हो गई है। इस व्यस्त चौराहे पर लाखों की लागत से लगाई गई कुछ हाई-टेक सोलर लाइटें पिछले 10 दिनों में टूटकर गिर गई हैं, फिर भी प्रशासन पर कोई असर नहीं हो रहा है। वाहन चालकों को भारी परेशानी और दुर्घटना का बड़ा खतरा: वेगा चौकड़ी एक ऐसा चौराहा है जहाँ स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटक और भारी वाहन भी लगातार आते-जाते रहते हैं। स्ट्रीट लाइट बंद होने और खंभों के गिरे होने के कारण रात में यहाँ से गुज़रने वाले हज़ारों वाहन चालकों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण किसी बड़े हादसे की पूरी आशंका है। सोलर लाइटें पिछले 10 दिनों से गिरी पड़ी हैं। यहाँ से हर दिन सैकड़ों वाहन और यहाँ तक कि स्टेट हाईवे के बड़े अधिकारी भी अपनी सरकारी गाड़ियों से गुज़रते हैं। उन्हें यह कड़वी सच्चाई क्यों समझ नहीं आ रही है? क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा है स्टेट हाईवे के अधिकारियों की रोज़ाना आवाजाही के बावजूद यह समस्या क्यों हल नहीं हो रही है 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रास्ते को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की ऐसी खस्ता हालत पर्यटकों के सामने कैसी छवि पेश करती है जनता के टैक्स के पैसे से लगाई गई सोलर लाइटों के टूटने का नुकसान कौन उठाएगा अब देखना यह है कि क्या इस रिपोर्ट के बाद सोया हुआ प्रशासन जागेगा गिरी हुई सोलर लाइटें कब दोबारा लगाई जाएँगी और वाहन चालकों को अंधेरे से कब मुक्ति मिलेगी?

डभोई-सिरोला नई सड़क बनी 'मौत का कुआं': सथोड गांव के पास नाले पर रेलिंग नहीं, करोड़ों की लागत से बनी सड़क पर वाहन चालकों की जान खतरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोला। करोड़ों रुपये की लागत से नई सड़क और नाला बनाने का काम हाल ही में पूरा हुआ है। भले ही सरकार और नेता करोड़ों की लागत से सड़क बनाने के लिए अपनी पीठ थपथपा रहे हों, लेकिन ठेकेदारों और सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत और भारी लापरवाही के कारण करोड़ों की यह सड़क अब वाहन चालकों के लिए मौत का जाल साबित हो रही है। मुख्य समस्या डभोई तालुका के सथोड गांव के पास पैदा हुई है। सथोड गांव के पास सड़क के ठीक बगल में एक बड़ी और गहरी झील है। नई सड़क इसी झील के किनारे से गुजरती है और वहां एक बड़ा नाला (गटर) बनाया गया है। सरकारी नियमों में स्पष्ट कहा गया है कि जहां झील, नदी या गहरी घाटी जैसा खतरनाक हिस्सा हो, वहां सड़क के दोनों ओर मजबूत सुरक्षा दीवार या लोहे की सुरक्षा रेलिंग (क्रैश बैरियर) बनाना अनिवार्य है। लेकिन यहां भ्रष्टाचार की बू ऐसी है कि ठेकेदार ने नाले के आगे-पीछे या झील के किनारे किसी भी तरह की रेलिंग नहीं लगाई है। ठेकेदार ने सड़क को खुला छोड़कर और बिल पास करवाकर मनमानी की है। स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। रात में इस सड़क से गुजरना मौत के मुंह में जाने जैसा है। सड़क पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइटिंग नहीं है और अंधेरे में झील या नाले का किनारा बिल्कुल दिखाई नहीं देता। नतीजतन, नई सड़क बनने के बाद से कई मोटरसाइकिल सवार बिना किसी चेतावनी के सीधे झील में गिर चुके हैं। गनीमत है कि अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है, लेकिन कई युवा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। क्या किसी की मौत होने पर ही सिस्टम जागेगा? सथोड गाँव के लोग पूछ रहे हैं, 'हम नई सड़क बनने से खुश थे, लेकिन बिना रेलिंग वाली यह नाली कभी भी किसी की जान ले सकती है। रात में यहाँ से गुज़रना डरावना होता है। क्या सिस्टम किसी बड़े हादसे या किसी बेगुनाह नागरिक की मौत का इंतज़ार कर रहा है? अगर

भविष्य में यहाँ कोई बड़ा हादसा होता है और किसी का परिवार बर्बाद हो जाता है, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार होगा? AC केबिन में कुंभकर्ण की तरह सो रहे सरकारी अधिकारी या वह भ्रष्ट ठेकेदार जिसने सारा पैसा डकार लिया रोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क लोगों की भलाई के लिए होनी चाहिए, न कि उनकी मौत का कारण बनने के लिए। सथोड गाँव के पास सुरक्षा नियमों को जिस तरह से नज़रअंदाज़ किया गया है, वह एक अक्षम्य अपराध है।

संक्षिप्त न्यूज

चांदीपुरा वायरस का कहर: गुजरात में 3 बच्चों की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। चांदीपुरा वायरस के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। अब तक 3 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि मेहसाणा के वडनगर सिविल अस्पताल में एक और संक्रमित बच्चा भर्ती किया गया है। प्रशासन ने 61 हॉटस्पॉट क्षेत्रों में सर्वे, फॉगिंग और दवा छिड़काव शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से बच्चों को मच्छरों व सैंडफ्लाई से बचाने, साफ-सफाई रखने और लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल ले जाने की अपील की है।

250 करोड़ के इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। गुजरात साइबर क्राइम और गांधीनगर ष्ठद्बष्ठ ने संयुक्त कार्रवाई में 250 करोड़ रुपये के अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का खुलासा किया है। इस मामले में 5 शहरों से छात्र समेत 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि गिरोह का संचालन दुबई से किया जा रहा था और फर्जी बैंक खातों के जरिए ठगी की रकम विदेश भेजी जाती थी। कार्रवाई के दौरान 21 राज्यों में दर्ज 146 साइबर अपराध मामलों का भी खुलासा हुआ, जबकि आरोपियों से मोबाइल, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और लैपटॉप समेत कई सामान बरामद किए गए।

लक्ष्मीपुरा चौराहे के पास हादसा कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लक्ष्मीपुरा। चौराहे के पास हादसा, इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत। खेड़ब्रह्मा में लक्ष्मीपुरा चौराहे के पास 4 जुलाई 2026 को हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई। कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार ने 8 जुलाई को दम तोड़ दिया; इस मामले में कार चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को रात करीब 8:30 बजे विष्णुनाथ (मोटरसाइकिल नंबर GJ-09-CT-7168) और शिकायतकर्ता दो मुर्गियों के साथ चाडा गांव से खेड़ब्रह्मा बाज़ार लौट रहे थे। लक्ष्मीपुरा चौराहे के पास सड़क पार करते समय, बस स्टैंड की तरफ से तेज़ रफ़्तार में आ रही एक सफ़ेद रंग की मारुति अर्टिगा कार ने मोटरसाइकिल के अगले टायर में टक्कर मार दी।

LRD लिखित परीक्षा की फ़ाइनल आंसर की जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। पुलिस भर्ती बोर्ड ने लोक रक्षक कैडर के कुल 12,733 पदों के लिए चल रही भर्ती प्रक्रिया में एक अहम और बड़ी जानकारी दी है। भर्ती बोर्ड के आधिकारिक विज्ञापन नंबर GPRB/202526/1 के तहत, 14 जून 2026 को पूरे राज्य में हुई लिखित परीक्षा की फ़ाइनल आंसर की 8 जुलाई 2026 को जारी की गई थी, जिसके बाद बोर्ड ने अब आगे की ज़रूरी कार्रवाई की है। गुजरात पुलिस भर्ती बोर्ड ने लिखित परीक्षा में शामिल सभी उम्मीदवारों के मार्क्स और रीचेकिंग (दोबारा जांच) से जुड़ी जानकारी अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड (उपलब्ध) कर दी है।

अहमदाबाद: चांदखेड़ा के अर्थ स्कूल में टीचर ने छात्र को पीटा, हाथ पर लाल निशान पड़ गए आरोप है

हाथ की सूजन कम होने तक उसे घर नहीं जाने दिया गया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। चांदखेड़ा इलाके के अर्थ स्कूल में एक टीचर द्वारा छात्र की पिटाई के बाद विवाद खड़ा हो गया है। टीचर ने अर्थ स्कूल में 11वीं क्लास में पढ़ने वाले छात्र के हाथ पर मारा, जिससे छात्र के हाथ पर लाल निशान पड़ गए। जब ??छात्र ने घर जाकर अपने माता-पिता को बताया, तो वे बहुत नाराज़ हुए। माता-पिता ने गंभीर आरोप लगाया है कि मामले को छिपाने के लिए टीचर ने सूजन कम होने तक उसे घर नहीं जाने दिया।

दो दिन पहले, माता-पिता स्कूल गए थे और माफ़ीनामा लिखा था

दो दिन पहले, माता-पिता को बताया गया कि छात्र क्लास में नहीं आ रहा है। माता-पिता ने यह भी आरोप लगाया कि छात्र को स्कूल से निकालने की धमकी दी गई थी, इसलिए छात्र की शिकायत मिलने के बाद वे स्कूल पहुँचे। इसके बाद माता-पिता ने एक माफ़ीनामा लिखा जिसमें कहा गया कि छात्र समय पर क्लास में आएगा। उन्होंने टीचरों के सामने छात्र को डांटा भी और उसे रेगुलर क्लास में आने के लिए कहा।

'पिटाई के बाद छात्र का हाथ सूज गया, और कोई दवा नहीं दी गई'

हालाँकि, इसके बाद कल जब छात्र स्कूल पहुँचा, तो टीचर ने सुबह करीब 8 बजे उसके हाथ पर मारा। पिटाई के कारण छात्र का हाथ सूज गया और लाल निशान पड़ गए, लेकिन माता-पिता ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल ने उसे कोई दवा नहीं दी। माता-पिता का यह भी आरोप है कि सूजन कम होने तक छात्र को दोपहर 1 बजे तक स्कूल में ही रखा गया। बेटे ने रोते हुए माता-पिता को घटना के बारे में बताया, स्कूल ने कोई

जवाब नहीं दिया एक बजे के बाद भी छात्र के हाथ की सूजन कम नहीं हुई, इसलिए उसे घर भेज दिया गया। साथ ही, घर आने के बाद जब छात्र रो रहा था और कुछ खा नहीं रहा था, तो माँ ने कारण पूछा। इसके बाद छात्र ने रोते हुए बताया कि टीचर द्वारा पीटे जाने के कारण सूजन आ गई थी। तब माता-पिता ने पूछा कि छात्र को क्यों पीटा गया और हाथ क्यों सूज गया, और उन्हें क्यों नहीं बताया गया? अभिभावक का आरोप है कि जवाब मांगने पर स्कूल ने कोई जवाब नहीं दिया। साथ ही, अभिभावक इस बात से बहुत नाराज़ हैं कि छात्र को बुरी तरह पीटा गया। अभिभावक ने बताया कि जब उनका बच्चा सुबह स्कूल गया, तो टीचर ने उसके हाथ पर मारा, जिससे उसका हाथ सूज गया। इसके बावजूद, बच्चे को दवा नहीं दी गई। साथ ही, स्कूल ने हमें कोई जानकारी भी नहीं दी। हालांकि स्कूल की छुट्टी 12:30 बजे होती है, लेकिन सूजन कम होने तक उसे दोपहर 1 बजे तक बिठाए रखा गया। इसके बाद मेरा बेटा घर आया, रोने लगा, उदास हो गया और खाना भी नहीं खा रहा था। जब हमने उससे बात की, तो पता चला कि टीचर ने उसे पीटा था। जब हमने स्कूल में फ़ोन किया, तो उन्होंने कहा कि उसे इसलिए पीटा गया क्योंकि वह दूसरे छात्र के साथ खड़ा था। इसलिए हम स्कूल प्रिंसिपल से टीचर के खिलाफ़ शिकायत करेंगे। 'टीचर ने ज़ोर से मारा था छात्र के अभिभावक ने प्रिंसिपल से टीचर के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

अहमदाबाद में शर्मनाक घटना: मेघानीनगर में पड़ोसी बुज़ुर्ग ने 5 साल की मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ की; वेफ़र देने के बहाने उसे बुलाया और घिनौनी हरकत की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के मेघानीनगर इलाके से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जो इंसानियत को शर्मसार करती है और सभी माता-पिता की आँखें खोल देती है। एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें पड़ोस में रहने वाले एक बुज़ुर्ग ने बेटी जैसी 5 साल की मासूम बच्ची पर बुरी नज़र डाली और उसके साथ छेड़छाड़ की। मेघानीनगर पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की और उस बुज़ुर्ग को हिरासत में ले लिया। वेफ़र देने के बहाने बच्ची को अपने घर बुलाया मिली जानकारी के अनुसार, यह दिल दहला देने वाली घटना मेघानीनगर पुलिस स्टेशन के इलाके में हुई है। नंदलाल हसवानी नाम के एक बुज़ुर्ग ने, जो पड़ोस में रहता था, बच्ची को अकेला देखकर उसे वेफ़र देने का लालच दिया। वेफ़र देने के बहाने इस विकृत सोच वाले बुज़ुर्ग ने बच्ची को अपने घर बुलाया और वहाँ उसके साथ शारीरिक शोषण किया। बच्ची ने परिवार से दर्द की शिकायत की, जिससे हड़कंप मच गया इस घिनौनी हरकत के बाद डरी-सहमी बच्ची अपने घर चली गई। दर्द की शिकायत: कल बच्ची ने परिवार से शिकायत की कि उसे शरीर में असहनीय दर्द हो रहा है, जिससे परिवार वाले परेशान हो गए।

आज सुबह खुलासा: आज सुबह जब परिवार ने शांति से बच्ची से पूछा, तो मासूम ने डरते-डरते पड़ोसी बुज़ुर्ग नंदलाल की सभी बुरी करतूतों के बारे में परिवार को बताया। बच्ची की बात सुनकर परिवार वालों के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। परिवार ने बिना देर किए सीधे पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल चेक-अप कराया, आरोपी नंदलाल हसवानी गिरफ्तार जैसे ही यह गंभीर मामला सामने आया, मेघानीनगर पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने तुरंत सरकारी अस्पताल में बच्ची का मेडिकल चेक-अप कराया और परिवार की शिकायत के आधार पर कानूनी मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी नंदलाल हसवानी को कुछ ही घंटों में गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया और उसके खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की है। कुछ बुज़ुर्गों की ऐसी विकृत मानसिकता–जिनकी समझदारी उम्र के साथ परिपक्व होनी चाहिए–समाज के लिए एक खतरे की घंटी है। अब हम पड़ोस में रहने वाले ऐसे अपराधियों पर कैसे भरोसा कर सकते हैं?

इस मामले में लड़की के परिवार ने जो जागरूकता दिखाई है, वह तारीफ़ के काबिल है। 'पक्को गुजरात न्यूज़' सभी माता-पिता से अपील करता है कि वे अपने बच्चों के व्यवहार में आए छोटे-मोटे बदलावों या दर्द की उनकी शिकायतों को कभी नज़रअंदाज़ न करें।

बात कड़वी है पर सच है... हर बेटी अपने पिता जैसा पति तो चाहती है, लेकिन अपनी माँ जैसी हालत नहीं झेलना चाहती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आज के मॉडर्न ज़माने में जितनी तेज़ी से रिश्ते बनते हैं, उतनी ही तेज़ी से टूट भी जाते हैं। कोर्ट तक पहुँचने वाले तलाक के मामलों में एक नया ट्रेंड और सामाजिक सोच देखने को मिल रही है। ऊपर से देखने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन अगर गहराई से सोचें तो यह एक कड़वा सच है जिसे आज के फैमिली काउंसलर भी मानते हैं: 'हर लड़की ऐसा पति चाहती है जो पिता की तरह प्यार और आराम दे, लेकिन घर-परिवार के लिए अपनी माँ जैसी हालत नहीं झेलना चाहती।

1. पिता का साया और पति से उम्मीदें

बेटी के लिए उसके पिता हमेशा 'सुपरहीरो' होते हैं। पिता ने बेटी की छोटी-बड़ी हर ज़िद पूरी की होती है और उसे कभी किसी परेशानी का सामना नहीं करने दिया होता। जब बेटी बड़ी होकर ससुराल जाती है, तो वह अनजाने में ही अपने पति में उसी 'पिता' की झलक ढूंढने लगती है। वह चाहती है कि उसका पति हर बात पर उस पर भरोसा करे, पिता की तरह लाड़-प्यार करे और उसकी गलतियों को माफ़ कर दे। लेकिन वह यह भूल जाती है कि पिता और बेटी का रिश्ता खून और निस्वार्थ भाव का होता है, जिसमें पिता सालों के अनुभव के बाद उस मुकाम पर पहुँचे होते हैं। पति के साथ रिश्ता नया और बराबरी का होता है। पति भी एक आम इंसान होता है जो अपने करियर की उम्मीदों और सामाजिक ज़िम्मेदारियों के बीच जूझ रहा होता है, कोई सुपरहीरो नहीं।

2. माँ की हालत और आज का नज़रिया

हमारी माताओं ने अपनी पूरी ज़िंदगी परिवार की देखभाल में बिता दी। उनके मन में यह डर होता है कि, 'मैं अपनी माँ की तरह अन्याय या बंधन बर्दाश्त नहीं करूँगी।' यह सोच गलत नहीं है, आत्म-सम्मान होना ही चाहिए, लेकिन जब आत्म-सम्मान अहंकार में बदल जाता है, तो समस्या शुरू हो जाती है। आज की पीढ़ी में त्याग, समर्पण और थोड़ा झुकने (समझौता करने) की भावना कम होती जा रही है। छोटी-मोटी अनबन या ससुराल वालों की आम उम्मीदों को भी 'टॉर्चर' (उत्पीड़न) माना जाता है और मामला सीधे तलाक तक पहुँच जाता है। 3. रिश्ते टूटने के तीन मुख्य कारण सहनशक्ति की कमी: मायके में कभी कोई कड़वी बात न सुनने के कारण, ससुराल वालों की छोटी-मोटी डांट-फटकार भी बर्दाश्त नहीं होती।

सूरत के अल्पेशभाई देसाई की बाढ़ के पानी में डूबने से हुई दुखद मौत के बाद सिस्टम पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। बाढ़ की भयावह स्थिति ने एक और खुशहाल परिवार को उजाड़ दिया है। वराछा इलाके में रहने वाले अल्पेशभाई देसाई खाड़ी के तेज़ बहाव वाले पानी में डूबने से काल का ग्रास बन गए। इस दुखद घटना ने पूरे सूरत और गुजरात में शोक की लहर दौड़ा दी है, लेकिन शोक के साथ-साथ सिस्टम, भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश भी पनप रहा है। प्रभावित लोग अब सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तीखे सवाल पूछ रहे हैं कि लोगों की यह बलि कब तक चलती रहेगी? अल्पेशभाई की अचानक और दुखद मौत से परेशान नागरिकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक, जनता सीधे पीएम मोदी से अपील और सवाल कर रही है 'अगर प्राइवेट कंपनियों में छोटी सी गलती या लापरवाही के लिए जेल का प्रावधान हो सकता है, तो सरकारी बाबुओं (अधिकारियों) और नेताओं के लिए कानून नरम क्यों है, जो सैलरी और भ्रष्टाचार के पैसे से करोड़ों रुपये कमा रहे हैं? मोदी साहब, आप सत्ता में हैं, आपके लिए यह नया नियम बनाना कौन सी बड़ी बात है? ' आज, जब सूरत के लोग सिस्टम की गलतियों के कारण अपने परिजनों को खो रहे हैं, तो जनता की मांग अब बेहद सख्त और निर्णायक हो गई है सीधे जेल भेजो: उन्हें नौकरी से सस्पेंड या बर्खास्त करने से कुछ नहीं होगा। जिन अधिकारियों की लापरवाही से बाढ़ आई या लोगों की मौत हुई, उनके लिए 10 से 20 साल की जेल का सख्त नियम बनाया जाए। ट्रांसफर सजा नहीं, सैलरी और पेंशन काटो: मॉनसून-पूर्व कार्यों की जिम्मेदारी लेने वाले अधिकारियों का सिर्फ ट्रांसफर करके मामला न रफा-दफा करें। सबक सिखाने के लिए, तत्काल प्रभाव से उनकी सैलरी में 25' की कटौती करें और भविष्य की पेंशन हमेशा के लिए बंद कर दें, तभी इन सरकारी बाबुओं को सही सजा मिल पाएगी। सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के भ्रष्ट प्रशासन और सरकारी सिस्टम की भारी लापरवाही से हुई 'हत्या' है!

अहमदाबाद के टैक्स देने वालों के लिए बड़ा झटका: जनता गड्ढें और बाढ़ से परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक तरफ, अहमदाबाद के नागरिक खराब सड़कों, ट्रैफिक और मॉनसून की मुसीबतों से परेशान हैं, तो दूसरी तरफ, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पार्षदों और अधिकारियों के लिए सरकारी खर्च पर मौज-मस्ती करने की एक नई योजना सामने आई है। स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में लिए गए इस फैसले से जनता के टैक्स का पैसा बर्बाद होगा, जिससे टैक्स देने वालों में काफी नाराजगी है। इस मामले पर की खास रिपोर्ट... AMC स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कमलेशभाई पटेल ने घोषणा की है कि पार्षदों और अधिकारियों के लिए मोबाइल और लैपटॉप खरीदने की सीमा (बजट) में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। पहले मोबाइल खरीदने की सीमा 12,000 थी, जिसे अब बढ़ाकर 17,000 कर दिया गया है। इसका मतलब है कि नेताजी अब महंगे स्मार्टफोन इस्तेमाल कर सकेंगे। इन डिजिटल उपकरणों को खरीदने की सीमा भी 10,000 बढ़ा दी गई है। जनता सवाल उठा रही है कि जो सिस्टम सार्वजनिक कार्यों के लिए बजट की कमी का रोना रोता है, वह अपने नेताओं और अधिकारियों को खुश रखने के लिए इतना उदार कैसे हो जाता है? जहां एक तरफ खरीद का बजट बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ कागजों पर 'अच्छा प्रशासन' दिखाने के लिए, स्ह्ल ने दावा किया है कि मॉनसून और भारी बारिश को देखते हुए अहमदाबाद में 150 से ज़्यादा संभावित धंसाव वाली जगहों (सड़कों पर बैठने/धंसने वाली जगहें) की लगातार निगरानी की जा रही है। ऐसी खबरें हैं कि प्रशासन इन इलाकों में भरने और पानी डालने का काम कर रहा है। लेकिन सच्चाई यह है कि हर साल मॉनसून में अहमदाबाद की सड़कें बह जाती हैं जहां आम अहमदाबादवासी अपने टैक्स के बदले अच्छी सड़कें, साफ़ पानी और बाढ़ से राहत जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए गुहार लगा रहा है, वहीं शासक अपनी सुख-सुविधाएं बढ़ाने में लगे हैं। अगर सरकारी अधिकारियों और पार्षदों को महंगे मोबाइल फ़ोन और लैपटॉप देने का मकसद ज़मीनी स्तर पर काम में सुधार लाना होता, तो जनता खुश होती; लेकिन यहां तो 'पैसा जनता का और मज़ा पार्टी नेताओं का' वाला पैटर्न बन गया है।

सूरत में बाढ़ के हालात पर हर्ष संघवी एक्शन मोड में: देर रात हाई-लेवल मीटिंग हुई, 9,100 परिवारों का सर्वे पूरा और नुकसान का मुआवज़देना शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। बाढ़ से बने गंभीर हालात के बाद प्रशासन और सरकार अब एक्शन मोड में आ गए हैं। बाढ़ का पानी उतरते ही लोगों को तुरंत राहत पहुंचाने के लिए राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने देर रात एक हाई-लेवल मीटिंग की। इस मीटिंग में बाढ़ प्रभावित इलाकों के हालात और चल रहे राहत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। सरकार ने दावा किया है कि प्रभावित लोगों की मदद के लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। 9,100 परिवारों का घर-घर जाकर सर्वे पूरा, नकद मदद का वितरण शुरू मीटिंग में सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, प्रशासन की टीमों ने अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों में 9,100 परिवारों का रिकॉर्ड-तोड़ घर-घर जाकर सर्वे पूरा कर लिया है। इस सर्वे का मुख्य मकसद बाढ़ से लोगों के घरों को हुए नुकसान का सही अंदाज़ा लगाना है, ताकि कोई भी पीड़ित मदद से वंचित न रहे। इस सर्वे के आधार पर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की है और अब तक 800 से ज़्यादा परिवारों को घरेलू नुकसान और नकद सहायता के तौर पर 6,800 रुपये की नकद मदद दी जा चुकी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बाकी परिवारों को भी जल्द से जल्द मदद पहुंचाई जाए। राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने सूरत के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आधी रात तक मीटिंग की और सफाई, बीमारी फैलने से रोकने के लिए दवाइयों का छिड़काव जल्द से जल्द बहाल करने का रोडमैप तैयार किया।

वडोदरा में काली गाड़ियों का कहर: दिल दहला देने वाली हिट-एंड-रन घटना, डंपर ने महिला को कुचला; डंपर का पीछा कर उसे पकड़ने वाले युवक ने अपनी ही माँ का शव देखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। दो अलग-अलग भयानक हादसे सामने आए हैं, जिन्होंने कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा दी हैं। इन हादसों ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया है। एक तरफ, दिल दहला देने वाली हिट-एंड-रन घटना सामने आई है, जिसमें एक युवक ने दुर्घटना के बाद भाग रहे डंपर का पीछा किया, लेकिन जब उसने डंपर को पकड़कर घटनास्थल पर वापसी की, तो पता चला कि डंपर के नीचे कुचली गई महिला कोई और नहीं, बल्कि उसकी अपनी माँ थी! वहीं दूसरी घटना में, देर रात सड़क पर नशे में धुत ड्राइवर ने कोहराम मचाते हुए तीन लोगों की जान ले ली। वडोदरा में हुई यह घटना किसी भी पत्थर दिल इंसान की आँखों में आँसू लाने के लिए काफी है। सड़क से गुजर रही एक महिला को तेज रफ्तार काले डंपर ने टक्कर मारी और कुचल दिया। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद डंपर ड्राइवर गाड़ी लेकर भागने लगा। यह मंजर देखकर, वहाँ से गुजर रहे एक अनजान युवक ने इंसानियत और दोषी को पकड़ने के इरादे से फिल्मी अंदाज में बाइक से उसका पीछा किया। युवक ने हिम्मत दिखाई और सड़क पर डंपर ड्राइवर को रोककर उसे पकड़ लिया और घटनास्थल पर वापस ले आया। लेकिन जैसे ही युवक दुर्घटना स्थल पर पहुँचा और खून से लथपथ शव को देखा, डंपर के नीचे कुचली गई महिला कोई और नहीं, बल्कि उसी युवक की सगी माँ थी।

साबरकांठा-मेहसाणा बॉर्डर पर पुलिस और मिनरल माफ़िया के बीच ज़बरदस्त भिड़ंत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। यह किसी हॉलीवुड या बॉलीवुड एक्शन फ़िल्म की शूटिंग नहीं है, बल्कि साबरमती नदी के तल में खुलेआम प्राकृतिक संसाधनों की लूट करने वाले आदतन मिनरल माफ़िया को पकड़ने के लिए खेला गया मौत का असली खेल है! साबरकांठा और मेहसाणा ज़िलों की सीमा पर अवैध रेत खनन में शामिल माफ़िया को पकड़ने के लिए प्रशासन और पुलिस द्वारा चलाए गए इस ज़बरदस्त ऑपरेशन के दृश्यों ने सभी को दहला दिया है। दिल की धड़कनें बढ़ा देने वाले इस पीछा करने के दौरान, पूरे इलाके में भारी तनाव और डर का माहौल फैल गया। मिली जानकारी के अनुसार, साबरमती नदी के प्रतिबंधित इलाकों से रात के अंधेरे और दिन के उजाले में करोड़ों रुपये की रेत चोरी करने का काला धंधा लंबे समय से चल रहा था। जब टीम जानकारी मिलने पर इन माफ़ियाओं को पकड़ने के लिए मौके पर पहुँची, तो सरेंडर करने के बजाय माफ़ियाओं ने अपने भारी वाहनों और डंपरों को पूरी रफ़्तार से चलाना शुरू कर दिया। अपने वाहन नदी के तल में ही खड़े कर दिए थे। आमतौर पर, माफ़िया दो ज़िलों के बीच की सीमा का फ़ायदा उठाते हैं

अमीरगढ़ बॉर्डर पर एक लग्जरी बस को रोका गया और उस बेरहम महिला को पकड़ लिया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। पालनपुर लोकल क्राइम ब्रांच पुलिस ने 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत बड़ी कामयाबी हासिल की है और एक मासूम बच्ची की जान बचाई है। अहमदाबाद शहर के कोटडा इलाके से अगवा की गई 5 साल की बच्ची को झारखंड ले जाने की कोशिश कर रही एक महिला को पुलिस ने अमीरगढ़ के कालीमाटी चेक पोस्ट से फिल्मी अंदाज में पकड़ा। बच्ची को सुरक्षित छुड़ाकर पुलिस ने इंसानियत की बेहतरीन मिसाल पेश की है।

बहन के साथ दुश्मनी में 5 साल की मासूम का अपहरण

इस पूरी घटना की जानकारी यह है कि मूल रूप से बिहार की रहने वाली सिकंदर नट परिवार की एक महिला, जो अहमदाबाद में सारासपुर पत्रावली मस्जिद के पास रहती थी और भीख मांगने व शहद बेचने का काम करती थी, उसकी अपनी बहन साहिबाखातून (मूल रूप से झारखंड की रहने वाली) के साथ बड़ी लड़ाई हो गई थी। इसी लड़ाई की दुश्मनी के चलते, साहिबाखातून ने अपनी भाभी की 5 साल की मासूम बेटी का बेरहमी से अपहरण कर लिया। इस संबंध में अहमदाबाद के कोटडा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

आदतन अपराधी सिद्दीक उर्फ कन्या मंसूरी को नारोल से खतरनाक हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को अहमदाबाद शहर में अपराध रोकने और अवैध हथियारों की तस्करी पर लगाम लगाने में बड़ी कामयाबी मिली है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, अहमदाबाद के नारोल इलाके में स्ह्लत्र की टीम ने छापेमारी की और एक युवक को भारी मात्रा में खतरनाक हथियारों के साथ रंगे हाथों पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी के पास से विदेशी पिस्तौल और देसी पिस्तौल मिलने से पुलिस भी हैरान है। मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद स्ह्लत्र टीम को खास सूचना मिली थी कि नारोल इलाके में एक व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ घूम रहा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। इस जानकारी के आधार पर, SOG टीम ने नारोल में फिल्मी अंदाज़ में जाल बिछाया और संदिग्ध हालत में घूम रहे सिद्दीक उर्फ कन्या मंसूरी नाम के युवक को घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। जब पुलिस ने आरोपी सिद्दीक उर्फ कन्या मंसूरी से सख्ती से पूछताछ की और उसकी तलाशी ली, तो उसके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद हुए। पुलिस ने उससे निम्नलिखित खतरनाक हथियार ज़ब्त किए हैं लोडेड बंदूकें और कारतूस लेकर घूम रहे इस बेखौफ व्यक्ति को गिरफ्तार करके, पुलिस ने शहर में होने वाली किसी बड़ी आपराधिक घटना को होने से पहले ही रोक दिया है। उसे आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया है।

आज का राशिफ़ल

12 जुलाई 2026, ररिवार

आपका दिन शुभ और मंगलमय हो

मेष (21 मार्च - 19 अप्रैल)
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार का सहयोग रहेगा।

वृषभ (20 अप्रैल - 20 मई)
आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं। धैर्य से काम लें, जल्दबाजी से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन (21 मई - 20 जून)
करियर में नई संभावनाएं बनेंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। शुभ समाचार मिल सकता हैं।

कर्क (21 यून - 22 जुलाई)
कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। मानसिक शांति बनी रहेगी।

सिंह (23 जुलाई - 22 अगस्त)
भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

कन्या (23 अगस्त - 22 सितंबर)
किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। स्वास्थ्य और खानपान पर विशेष ध्यान दें। विवादों से दूर रहें।

तुला (23 सितंबर - 22 अक्टूबर)
दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। नई योजनाओं पर काम शुरु कर सकते हैं। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक (23 अक्टूबर - 21 नवंबर)
विरोधियों पर विजय मिलेगी। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आर्थिक लाभ के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु (22 नवंबर - 21 दिसंबर)
विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों के लिए दिन शुभ रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। निवेश सोच-समझकर करें।

मकर (22 दिसंबर - 19 जनवरी)
घर-परिवार से जुड़ी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। संपत्ति संबंधी मामलों में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ (20 जनवरी - 18 फरवरी)
आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। छोटे सफर के योग बन सकते हैं। भार्ई-बहनों का सहयोग मिलेगा। नई योजनाओं में सफलता मिलेगी।

मीन (19 फरवरी - 20 मार्च)
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। भगवान विष्णु की आराधना करना शुभ रहेगा।

भगवान की कृपा आप और आपके परिवार पर बनी रहे।

स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन से होगी हरित रेल क्रांति का आगाज

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के परीक्षण हरियाणा के जींद- सोनीपत रेलखंड से आरम्भ हुए थे। अब दिल्ली-जींद रेलखंड तक परीक्षण का सफल विस्तार इस तकनीक की परिपक्वता और भारतीय रेल की तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है।परीक्षण के दौरान इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस,ट्रैक्शन प्रणाली,ऑसिलेशन, सुरक्षा मानकों तथा परिचालन स्थिरता की विस्तृत जाँच की गई।

हरियाणा के जींद-दिल्ली रेलखंड से स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर तकनीक और विकसित भारत की तेज रफ्तार दोड़ने को है तैयार...

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनरेखा भी है।लगभग डेढ़ शताब्दी पहले भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा आज अत्याधुनिक तकनीकों के नए युग में प्रवेश कर चुकी है।वंदे भारत, अमृत भारत,समर्पित माल गलियारे,'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली और व्यापक विद्युतीकरण के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ी है। विगत दिनों दिल्ली-जींद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस बात का संकेत है कि भारत हरित,आत्मनिर्भर और भविष्य उन्मुख रेल व्यवस्था की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार भारतीय रेल की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ अगले सप्ताह प्रस्तावित है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा से इसे हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित कर सकते हैं।यद्यपि कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा अभी शेष है, लेकिन सफल परीक्षण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय रेल हरित ऊर्जा आधारित परिवहन के नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है।यह केवल एक नई ट्रेन का शुभारंभ नहीं होगा,बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में एक नए अध्याय का उद्घोष भी होगा।आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती से जूझ रही है।परिवहन क्षेत्र को प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोतों में माना जाता है।ऐसे समय में स्वच्छ ऊर्जा आधारित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं,बल्कि आर्थिक और रणनीतिक आवश्यकता भी बन चुकी है।भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है।इस लक्ष्य की प्राप्ति में भारतीय रेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।यही कारण है कि रेलवे अब पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रही है।भारतीय रेल का नेटवर्क लगभग 68,500 रूट किलोमीटर में फैला हुआ है।प्रतिदिन लगभग 2.3 करोड़ यात्री तथा 30 लाख टन से अधिक माल का परिवहन इसी नेटवर्क के माध्यम से होता है। पिछले कुछ वर्षों में रेलवे ने अपने अधिकांश ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण कर लिया है,फिर भी अनेक ऐसे रेलखंड हैं ,जहाँ ओवरहेड विद्युत लाइन बिछाना आर्थिक अथवा भौगोलिक दृष्टि से व्यवहारिक नहीं है।ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोजन आधारित ट्रेनें डीजल इंजनों का स्वच्छ,टिकाऊ और प्रभावी विकल्प बन सकती हैं।

हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना के परीक्षण हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड से आरम्भ हुए थे। अब दिल्ली-जींद रेलखंड तक परीक्षण का सफल विस्तार इस तकनीक की परिपक्वता और भारतीय रेल की तैयारी का प्रमाण माना जा रहा है।परीक्षण के दौरान इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस,ट्रैक्शन प्रणाली,ऑसिलेशन,सुरक्षा मानकों तथा परिचालन स्थिरता की विस्तृत जाँच की गई।किसी भी नई रेल तकनीक को नियमित संचालन में शामिल करने से पहले ऐसे परीक्षण

अनिवार्य होते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।इन परीक्षणों की सफलता भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की तकनीकी दक्षता का भी परिचायक है।भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में किया गया है, जबकि हरियाणा के जींद में हाइड्रोजन उत्पादन तथा री-फ्यूलिंग की आधारभूत संरचना विकसित की गई है।यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल उन्नत तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उनका स्वदेशी निमार्ता बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा इस परियोजना में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है।हाइड्रोजन ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका पर्यावरण-अनुकूल होना है।इसमें पारंपरिक डीजल इंजन नहीं होता। फ्यूल-सेल में हाइड्रोजन और वातावरण की ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रैक्शन मोटर संचालित होती है।इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड,धुआँ अथवा अन्य प्रदूषक गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है।यही कारण है कि हाइड्रोजन ट्रेन को भविष्य के सबसे स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन साधनों में शामिल किया जा रहा है।

यदि हाइड्रोजन का उत्पादन सौर, पवन अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से किया जाए तो उसे 'ग्रीन हाइड्रोजन' कहा जाता है। भारत सरकार का राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन इसी सोच का परिणाम है।भारतीय रेल में हाइड्रोजन तकनीक का प्रयोग इस मिशन को व्यवहारिक आधार प्रदान करता है और देश को स्वच्छ ऊर्जा आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का मजबूत माध्यम बन सकता है।विश्व स्तर पर अभी बहुत कम देशों ने हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक को व्यावहारिक रूप से अपनाया है।जर्मनी ने इस क्षेत्र में अग्रणी पहल की,जबकि जापान, चीन, फ्रांस और इटली सहित कुछ अन्य देश भी इस तकनीक के विकास एवं परीक्षण पर कार्य कर रहे हैं।ऐसे देशों की श्रेणी में भारत का शामिल होना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं,बल्कि वैश्विक हरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उसकी बढ़ती क्षमता का भी प्रमाण है।यदि यह परियोजना सफलतापूर्वक व्यावसायिक संचालन तक पहुँचती है,तो भारत एशिया में हाइड्रोजन रेल तकनीक का अग्रणी देश बनने की दिशा में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर सकता है।आर्थिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है।भारत प्रतिवर्ष कच्चे तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा व्यय करता है। डीजल आधारित रेल संचालन में कमी आने से ऊर्जा सुरक्षा सुदृढ़ होगी और आयात बिल पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।इसके साथ ही इलेक्ट्रोलाइजर,फ्यूल- सेल,उच्च-दाब हाइड्रोजन टैंक, विशेष वाल्व,पाइपलाइन तथा अन्य अत्याधुनिक उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार होगा और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

हालाँकि इस उपलब्धि का मूल्यांकन केवल उत्साह के आधार पर नहीं, बल्कि यथार्थ की कसौटी पर भी किया जाना चाहिए।वर्तमान में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन अपेक्षाकृत महँगा है।इसके सुरक्षित उत्पादन, संपीड़न, भंडारण और परिवहन के लिए अत्याधुनिक अवसंरचना की आवश्यकता होती है।फ्यूल-सेल प्रणाली की लागत भी अभी पारंपरिक डीजल तकनीक की तुलना में अधिक है।प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन, विशेष रखरखाव प्रणाली और देशभर में री-फ्यूलिंग स्टेशनों का सुदृढ़ नेटवर्क विकसित करना भी इस परियोजना की सफलता के लिए अनिवार्य होगा।यहाँएक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि हाइड्रोजन वास्तव में कितनी 'हरित' होगी।यदि उसका उत्पादन कोयला अथवा प्राकृतिक गैस आधारित प्रक्रियाओं से किया जाएगा, तो पर्यावरणीय लाभ सीमित रह जाएंगे।वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी,जब ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर, पवन,जल अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से बड़े पैमाने पर और प्रतिस्पर्धी लागत पर होने लगे।इसलिए हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना की सफलता राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति से भी सीधे जुड़ी हुई है।इतिहास बताता है कि प्रत्येक नई तकनीक प्रारम्भ में महँगी और सीमित होती है।सौर ऊर्जा,एलईडी प्रकाश व्यवस्था,मोबाइल संचार और इलेक्ट्रिक वाहन भी कभी अत्यधिक महँगे माने जाते थे,किंतु अनुसंधान,नवाचार और बड़े पैमाने पर उत्पादन के कारण उनकी लागत में उल्लेखनीय कमी आई। यही संभावना हाइड्रोजन तकनीक के साथ भी दिखाई देती है।यदि भारत अनुसंधान,स्वदेशी विनिर्माण और अवसंरचना विकास में निरंतर निवेश करता रहा,तो आने वाले वर्षों में इसकी लागत भी व्यवहारिक स्तर तक लाई जा सकेगी।

भारतीय रेल का लक्ष्य केवल नई ट्रेन चलाना नहीं,बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुरक्षित, स्वच्छ, ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करना है।वंदे भारत,अमृत भारत, 'कवच',समर्पित माल गलियारे, स्टेशन पुनर्विकास और व्यापक विद्युतीकरण जैसे परिवर्तन उसी दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा हैं। हाइड्रोजन ट्रेन इस परिवर्तन की अगली महत्वपूर्ण कड़ी है,जो यह दशार्ती है कि भारतीय रेल आने वाले दशकों की चुनौतियों को ध्यान में रखकर अपनी विकास रणनीति तैयार कर रही है।दिल्ली-जींद रेलखंड पर सफल परीक्षण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वास का भी प्रतीक है जिसके बल पर भारत अंतरिक्ष,डिजिटल भुगतान,वैक्सीन निर्माण,रक्षा उत्पादन, सेमीकंडक्टर,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक पहचान बना रहा है।हाइड्रोजन रेल तकनीक उसी परिवर्तनकारी यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।यह भारत की वैज्ञानिक क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल और स्वदेशी अनुसंधान की बढ़ती शक्ति को भी रेखांकित करती है।देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन की शुभारम्भ भारतीय रेल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण होगा।यह संदेश केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए होगा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं तथा भारत भविष्य की स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नियमित व्यावसायिक संचालन से पहले अभी कुछ तकनीकी परीक्षण, सुरक्षा स्वीकृतियाँ और परिचालन संबंधी औपचारिकताएँ पूरी होनी शेष हैं।इसलिए उत्साह के साथ धैर्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी आवश्यक है।किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि दिल्ली-जींद रेलखंड पर हुए सफल परीक्षण ने यह विश्वास मजबूत कर दिया है कि भारत हरित रेल क्रांति की दिशा में निर्णायक कदम उठा चुका है।

हाइड्रोजन ट्रेन केवल पटरियों पर दौड़ने वाली एक नई रेल नहीं होगी, बल्कि विकसित भारत की उस नई सोच का सशक्त प्रतीक बनेगी जिसमें विकास और पर्यावरण परस्पर विरोधी नहीं,बल्कि एक- दूसरे के पूरक हैं।यदि अगले सप्ताह इसका प्रस्तावित शुभारंभ होता है, तो भारतीय रेल एक ऐसे नए युग में प्रवेश करेगी जहाँ स्वदेशी तकनीक, हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भरता विकास की नई गति निर्धारित करेंगे। विज्ञान,नवाचार और सतत विकास के समन्वय से भारतीय रेल विश्व के सबसे आधुनिक,सबसे हरित और सबसे विश्वसनीय रेल नेटवर्कों में अग्रणी बनने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ा चुकी है।यही इस ऐतिहासिक ट्रायल का सबसे बड़ा संदेश,सबसे बड़ी उपलब्धि और विकसित भारत के उज्ज्वल भविष्य का सबसे सशक्त व शुभ संकेत है।

संपादकीय

दवा न बने दारू

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चिय ही स्वागत योग्य कदम है।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है

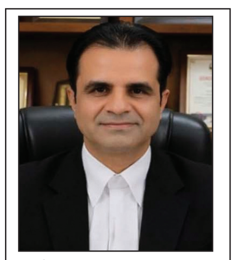

किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता,आर्थिक विकास दर अथवातकनीकी उपलब्धियों से नहीं आँकी जाएगी,बल्कि इस बात से भी निर्धारित होगी कि वह जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती के सामने अपने नागरिकों,संसाधनों और विकास की निरंतरता को कितनी प्रभावी ढंग से सुरक्षित रख पाता है।प्राकृतिक आपदाएँ अब अपवाद नहीं रहीं; वे जलवायु परिवर्तन के कारण एक नई वैश्विक वास्तविकता बनती जा रही हैं। इसलिए भारत के लिए यह समय केवल परिस्थितियों का सामना करने का नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसी राष्ट्रीय रणनीति विकसित करने का है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक सुरक्षित,सक्षम और पर्यावरण- अनुकूल भारत प्रदान कर सके।इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह समय की माँग है कि जलवायु परिवर्तन को केवल राज्य व केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का विषय न मानकर राष्ट्रीय नीति और विकास रणनीति के केंद्र में रखा जाए।सरकार को चाहिए कि आपदा प्रबंधन को केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित न रखकर उसे राष्ट्रीय विकास नीति का अनिवार्य अंग बनाया जाए।प्रत्येक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अवसंरचना परियोजना चाहे वह राजमार्ग हो,रेलवे,स्मार्ट सिटी, औद्योगिक गलियारा, बंदरगाह या आवासीय परियोजना उसका जलवायु जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य किया जाना चाहिए। यदि विकास परियोजनाएँ संभावित प्राकृतिक जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाई जाएँगी, तो भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।यह दृष्टिकोण अल्पकालिक खर्च अवश्य बढ़ाएगा,परंतु दीर्घकाल में राष्ट्र को कहीं अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से सटीकता से सक्षम बनाएगा। साथियों,वर्तमान मानसून 7 जुलाई 2026 शाम 6 बजे तक ने देश के अनेक राज्यों को प्रभावित किया है। महाराष्ट्र केरल,कर्नाटक,उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश,असम तथा पूर्वोत्तर के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा, जलभराव, भूस्खलन और नदी तंत्र के उफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। विशेष रूप से महानगरों में कुछ घंटों की वर्षा भी यातायात,स्वास्थ्य सेवाओं,बिजली आपूर्ति और आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर देती है।वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएँ यह दशार्ती हैं कि अनियोजित निर्माण, वनों की कटाई और बदलते वर्षा पैटर्न ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का परिणाम भी है।जहाँ पहले कई दिनों तक सामान्य वर्षा होती थी, वहीं अब कुछ ही घंटों में अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इससे शहरी जलनिकासी व्यवस्था,नदी तंत्र और पहाड़ी ढलानों पर अचानक दबाव बढ़ता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक देशों में फ्लैश फ्लड,बादल फटना, समुद्री तूफान और भीषण गर्मी जैसी घटनाएँ पहले की तुलना में अधिक तीव्र और अधिक बार दिखाई दे रही हैं। भारत भी इस वैश्विक परिवर्तन से अछूता नहीं है। साथियों,जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के उस वर्ग पर पड़ता है जिसकी आजीविका सीधे प्रकृति पर निर्भर है। भारत की बड़ी आबादी कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है।

दया की भी एक सीमा होती है न्याय की जीत से मिला घावों को मरहम

कांतिलाल मांडोत

26 जुलाई 2008 की वह शाम भारतीय इतिहास के सबसे दर्दनाक दिनों में हमेशा दर्ज रहेगी। महज 70 मिनट के भीतर गुजरात के अहमदाबाद शहर में 21 सिलसिलेवार बम धमाकों ने सामान्य जीवन को चीख-पुकार और अफरातफरी में बदल दिया था। बाजारों, सड़कों और अस्पतालों तक को निशाना बनाया गया। जिन अस्पतालों में घायल लोगों का इलाज चल रहा था, वहीं भी विस्फोट किए गए ताकि मौत और भय का दायरा और बढ़ सके। इस निर्मम हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 246 से अधिक लोग घायल हुए। उस दिन केवल अहमदाबाद ही नहीं, बल्कि पूरा देश गहरे सदमे में था। हर भारतीय के मन में एक ही प्रश्न था कि आखिर निर्दोष लोगों का क्या अपराध था?

उस भयावह घटना को अठारह वर्ष बीत चुके हैं। समय के साथ शहर ने अपने घावों पर मरहम लगाया, जीवन फिर सामान्य हुआ, लेकिन जिन परिवारों ने अपने बेटे, बेटियां, माता-पिता, पति या पत्नी खो दिए, उनके लिए वह दिन कभी बीता ही नहीं। उनके घरों में आज भी 26 जुलाई की तारीख आते ही दर्द की वही लहर लौट आती है। न्यायालय के हालिया निर्णय ने उन परिवारों को यह भरोसा अवश्य दिया है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन यदि साक्ष्य मजबूत हों और कानून अपना काम करे तो अपराध अंततः दंड तक पहुंचता है।

गुजरात हाईकोर्ट ने विशेष अदालत द्वारा 38 दोषियों को दी गई फांसी की सजा को बरकरार रखते हुए और 11 दोषियों की उम्रकैद की सजा को भी कायम रखकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि समाज के विरुद्ध किए गए संगठित और जघन्य अपराधों को कानून अत्यंत गंभीरता से देखता है। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज करते हुए यह भी निर्देश दिया कि मृतकों के परिजनों और घायलों को उचित मुआवजा दिया जाए। यह निर्णय केवल कानूनी प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव नहीं है, बल्कि उन परिवारों की वर्षों की प्रतीक्षा का भी उत्तर है, जिन्होंने न्याय की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी।

यह मामला केवल सजा का नहीं है, बल्कि न्याय और दया के बीच संतुलन का भी है। किसी भी सभ्य समाज में दया एक महान मानवीय गुण मानी जाती है। दया मनुष्य को संवेदनशील बनाती है, समाज को मानवीय बनाती है और कानून को भी सुधार का अवसर देती है। लेकिन दया का अर्थ यह नहीं कि ऐसे अपराधों को भी उसी दृष्टि से देखा जाए, जिनका उद्देश्य केवल अधिक से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या करना और पूरे समाज में भय फैलाना हो। जब कोई अपराध सुनियोजित तरीके से मासूमों की जान लेने के लिए किया जाता है, तब दया का प्रश्न स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है।

न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधी को दंड देना नहीं होता, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखना भी होता है। यदि ऐसे मामलों में अपराध की गंभीरता के अनुरूप दंड नहीं मिले, तो पीड़ित परिवारों के मन में यह भावना जन्म ले सकती है कि उनकी पीड़ा का उचित मूल्यांकन नहीं हुआ। न्याय तभी सार्थक माना जाता है जब वह पीड़ितों को यह विश्वास दिला सके कि राज्य और कानून उनके साथ खड़े हैं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि न्याय प्रतिशोध नहीं होता। अदालतें भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों, गवाहों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर निर्णय देती हैं। अहमदाबाद विस्फोट मामले में वर्षों तक जांच चली, हजारों दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, सैकड़ों गवाहों के बयान दर्ज हुए और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। उसके बाद उच्च न्यायालय ने भी विस्तृत सुनवाई के बाद उसी निर्णय को सही माना। इसका अर्थ है कि फैसला किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि विधिक परीक्षण की लंबी प्रक्रिया से गुजरकर सामने आया है। आज जब पीड़ित परिवार इस निर्णय पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं तो उनके मन में बदले की भावना नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि उनके अपनों की मौत को भुलाया नहीं गया। जिन माता-पिता ने अपने जवान बेटे खोए, जिन बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया, जिन परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं, उनके लिए कोई भी फैसला उनके प्रियजनों को वापस नहीं ला सकता। फिर भी न्याय का निर्णय उनके घावों पर मरहम रखने का कार्य अवश्य करता है।

समाज को भी इस निर्णय से एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की हिंसा, आतंक और निर्दोष लोगों की हत्या का कोई स्थान नहीं हो सकता। विचारों का मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन हिंसा कभी समाधान नहीं बन सकती। जब अपराध का उद्देश्य पूरे समाज को भयभीत करना हो, तब कानून का कठोर होना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। यही कठोरता भविष्य में ऐसे अपराधों के विरुद्ध एक स्पष्ट चेतावनी का कार्य करती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने केवल दोषियों की सजा को बरकरार नहीं रखा, बल्कि मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजा देने का निर्देश देकर पीड़ितों के अधिकारों को भी महत्व दिया है। आर्थिक सहायता किसी जीवन की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन यह राज्य की संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का प्रतीक अवश्य होती है। न्याय केवल अपराधी को दंड देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास और सम्मान की भी चिंता करनी चाहिए।

समय के साथ समाज अक्सर बड़ी घटनाओं को भूलने लगता है, लेकिन इतिहास हमें याद दिलाता है कि ऐसी त्रासदियां केवल आंकड़े नहीं होतीं। प्रत्येक मृतक के पीछे एक परिवार, एक सपना और एक अधूरी कहानी होती है। इसलिए जब भी ऐसे मामलों में न्यायिक निर्णय आते हैं, हमें केवल दोषियों की सजा पर नहीं, बल्कि उन निर्दोष लोगों की स्मृति पर भी विचार करना चाहिए जिन्होंने बिना किसी गलती के अपना जीवन खो दिया। दया और न्याय दोनों किसी भी सभ्य समाज के आवश्यक स्तंभ हैं। लेकिन जब निर्दोष जीवनों को योजनाबद्ध ढंग से समाप्त करने का प्रयास किया जाए, तब न्याय का पलड़ा भारी होना ही समाज के हित में होता है। असीमित दया कभी-कभी न्याय के उद्देश्य को कमजोर कर सकती है। इसलिए कहा जाता है कि दया वहीं तक उचित है, जहां तक वह निदोर्षों के अधिकारों और समाज की सुरक्षा को प्रभावित न करे। जब अपराध मानवता के विरुद्ध हो, तब न्याय की दृढ़ता ही समाज में विश्वास बनाए रखती है।

अहमदाबाद की वह काली शाम देश कभी नहीं भूल सकता। वह केवल एक शहर पर हमला नहीं था, बल्कि भारत की शांति, सामाजिक विश्वास और मानवीय मूल्यों पर हमला था। आज उच्च न्यायालय के निर्णय ने यह संदेश दिया है कि कानून की गति भले धीमी हो, लेकिन वह अंततः अपने निष्कर्ष तक पहुंचती है। यह फैसला उन 56 मासूम लोगों की स्मृति को श्रद्धांजलि है, उन सैकड़ों घायलों के साहस का सम्मान है और उन परिवारों के धैर्य को नमन है जिन्होंने वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा की।

न्याय का वास्तविक अर्थ यही है कि पीड़ितों की पीड़ा को सुना जाए, अपराध की गंभीरता को समझा जाए और कानून निष्पक्ष होकर अपना दायित्व निभाए। दया मनुष्य का सर्वोच्च गुण है, परंतु जब वह निर्दोषों के अधिकारों पर भारी पड़ने लगे, तब न्याय को दृढ़ होना ही पड़ता है। अहमदाबाद विस्फोट मामले का यह निर्णय उसी सिद्धांत की पुनर्पुष्टि करता है कि दया की भी एक सीमा होती है और उस सीमा के आगे केवल न्याय ही समाज को सुरक्षित और संतुलित रख सकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

दुकान से खरीदे पानी के बोतल में था एसिड, पीते ही खून की उल्टियां करने लगी युवती... हापुड़ में हैरान करने वाला मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में एक युवती ने आरोप लगाया कि दुकानदार से खरीदी गई पानी की बोतल में पानी की जगह एसिड भरा था. पानी समझकर घूंट पीते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई. परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत में मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया. उत्तर प्रदेश के हापुड़ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक युवती ने दुकानदार से खरीदी पानी की बोतल में एसिड मिलने का आरोप लगाया है. युवती ने पानी समझ एसिड का घूंट पिया. जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई. फिलहाल युवती को मेरठ के हायर सेंटर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. वहीं दुकानदार से युवती द्वारा पानी की बोतल खरीदने का एक सीसीटीवी भी सामने आया है, जो अब वायरल है. पूरा मामला हापुड़ के नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अर्जुन नगर के एक दुकान का बताया जा रहा है. जानकारी के अनुसार यहां एक युवती को कथित तौर पर पानी मांगने पर एक नामचीन ब्रांड की बोतल दी गई, लेकिन बोतल में पानी की जगह एसिड भरा हुआ था. जैसे ही युवती ने बोतल से पानी का घूंट लिया, उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई.

पुलिस ने पूरे मामले की शुरू की जांच

घटना के बाद परिजनों और आसपास मौजूद लोगों ने युवती को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेरठ हायर सेंटर रेफर कर दिया. सूचना मिलते ही हापुड नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. शुरुआती जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि बोतल में एसिड कैसे पहुंचा और इसमें किसकी लापरवाही रही है? पुलिस सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है. फिलहाल युवती का इलाज हायर सेंटर में जारी है. घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है, जबकि सामने आए सीसीटीवी फुटेज ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है.

सीएम योगी का कुशीनगर की धरती से सपा को संदेश- मंदिरों पर कब्जा कराते थे

यूपी के कुशीनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 525 करोड़ की 464 परियोजनाओं का शनिवार को शिलान्यास किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर चुन-चुनकर हमला किया। योगी ने कहा कि आज हर धर्म के लोग अपना त्योहार मना रहे हैं। सपा सरकार में दुर्गा पूजा के समय प्रतिमा नहीं रखने दी जाती थी। होली पर रंग नहीं लगाने देते थे। डोल मेले पर रोक लगाते थे। ये लोग अयोध्या, मथुरा और काशी के बारे में कैसे सोचते थे? मंदिरों पर कब्जा कराते थे। अब मंदिरों पर कब्जा नहीं सुंदरीकरण हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर के रामकोला हाटा विधानसभा क्षेत्र की 525 करोड़ की 464 परियोजनाओं का शनिवार को लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा मंदिरों के सुंदरीकरण का पैसा कब्रिस्तान पर खर्च करती थी। आज हमें आईना दिखा रहे हैं, यह शोभा नहीं देता है। आज हर जगह विकास हो रहा है। कुशीनगर की एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी शुरू होने वाली है। कुशीनगर में टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं, जिसे सरकार बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि नारायणी नदी के उस पार की कनेक्टिविटी नहीं थी। हम उनके लिए भी पुल बनाने जा रहे हैं। गरीबों के कल्याण, युवकों के रोजगार, किसान के कल्याण के लिए धन की कोई कमी नहीं है। किसी शिक्षक के साथ कार्य के दौरान कोई घटना होती है तो परिवार को 80 लाख से डेढ़ करोड़ रुपये तक मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सियावर रामचंद्र भगवान की जय का नारा लगाया। कहा कि रामायण कालीन कुशीनगर भगवान बुद्ध और महावीर की इस धारा को नमन करता हूं। कुशीनगर में काफी संभावनाएं पहले भी थीं, लेकिन उसके पूर्ववर्ती सरकार की ईमानदार नहीं थी। सब कुछ होने के बाद भी कुशीनगर पिछड़ेपन, बीमारी का केंद्र बन गया था।

बांधवगढ़ में मिला बाघ का कंकाल, सिवनी से लाई गई 'रेडियो कॉलर' वाली लापता बाघिन की मौत का गहराया शक

विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला परिक्षेत्र में एक बाघ का कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया है। बेहरहा इनक्लोजर में रखी एक रेडियो कॉलर वाली बाघिन के गायब होने के बाद कंकाल को उसी से जोड़कर देखा जा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उमरिया। मध्य प्रदेश के विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। पार्क के ताला परिक्षेत्र के अंतर्गत मझखेता बीट में मानसूनी गश्ती के दौरान एक बाघ का कंकाल मिला है। इस घटना के बाद से ही पार्क प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है, क्योंकि कुछ दिन पहले ही सिवनी से लाई गई एक बाघिन रेडियो कॉलर लगे होने के बावजूद रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। आशंका जताई जा रही है कि यह कंकाल उसी लापता बाघिन का हो सकता है। दरअसल, 23 जून को सिवनी से एक बाघिन को लाकर यहां के बेहरहा इनक्लोजर में शिफ्ट किया गया था। लेकिन महज तीन दिन बाद ही वह बाघिन रेडियो कॉलर सहित सुरक्षा घेरे को तोड़कर फरार हो गई। पार्क प्रबंधन उसकी लगातार तलाश कर रहा था कि इसी बीच 9 जुलाई 2026 को मझखेता के अत्यंत दुर्गम इलाके में इस कंकाल के होने की सूचना मिली।

डॉग स्क्वाड और मेटल डिटेक्टर से जांच

सूचना मिलते ही क्षेत्र संचालक सहित पूरी प्रशासनिक टीम, वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंचे। शिकार की आशंका को देखते हुए मेटल डिटेक्टर से भी पूरे इलाके की सघन जांच कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ अधिकारी ने पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। मझखेता बीट में एक मांसाहारी वन्यप्राणी का कंकाल मिला है, जो प्रथम दृष्टया बाघ का ही प्रतीत हो रहा है। 10 जुलाई को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के गाइडलाइंस और मानक प्रोटोकॉल के तहत वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारियों की मौजूदगी में कंकाल का विधिवत परीक्षण किया गया। प्रजाति और लिंग की सटीक पुष्टि के लिए आवश्यक फॉरेंसिक सैंपल एकत्र कर लिए गए हैं, जिसके बाद विधिक तरीके से शवदाह की कार्रवाई पूरी की गई। टाइगर श्रॉफ की बॉडी देख हैरान रह जाएंगे! बांद्रा में स्पॉट हुए एक्टर बांधवगढ़ के ताला रेंज में बाघ का पुराना कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। आशंका जताई जा रही है कि यह कंकाल सिवनी से लाई गई उसी बाघिन का है, जो रेडियो कॉलर लगे होने के बावजूद पार्क के इनक्लोजर से लापता थी। 23 जून 2026: सिवनी से रेस्क्यू कर लाई गई बाघिन को बांधवगढ़ के बेहरहा इनक्लोजर में छोड़ा गया। 26 जून 2026: रेडियो कॉलर एक्टिव होने के बावजूद बाघिन इनक्लोजर से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई।09 जुलाई 2026: ताला परिक्षेत्र की मझखेता बीट के दुर्गम स्थान पर गश्ती दल को वन्यप्राणी का कंकाल मिला। 10 जुलाई 2026: एनटीसीए गाइडलाइंस के तहत फॉरेंसिक सैंपल कलेक्ट कर कंकाल का अंतिम संस्कार किया गया।

दतिया में नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों का बवाल, पत्थरबाजी में SP समेत 6 घायल, NH-44 पर 15 KM लंबा जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दतिया। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए बीजेपी द्वारा टिकट की घोषणा करते ही इलाके में भारी बवाल मच गया है. पूर्व गृह मंत्री और कद्दावर बीजेपी नेता नरोत्तम मिश्रा को टिकट न मिलने से नाराज उनके हजारों समर्थकों ने कल रात नेशनल हाईवे-44 (ह॥-44) को पूरी तरह ब्लॉक कर दिया. देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया और तड़के सुबह पुलिस पर भारी पथराव किया गया, जिसमें दतिया के एसपी मयूर खंडेलवाल और एडिशनल एसपी समेत 6 से अधिक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. न्यूज़ एजेंसी ह्रढ्ढ के मुताबिक, दतिया के एसपी मयूर खंडेलवाल ने बताया कि कल शाम 6 बजे से ही करीब 3,000 से ज्यादा उपद्रवी दतिया शहर का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे. उन्होंने जबरन बाजार बंद कराए और नेशनल हाईवे पर 'चक्का जाम' कर दिया. इसके चलते हाईवे पर करीब 15 किलोमीटर लंबा भीषण जाम लग गया, जिससे पड़ोसी जिलों की यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई.एसपी और कलेक्टर ने प्रदर्शनकारियों से बार-बार जाम हटाने की अपील की, लेकिन वे नहीं माने. सुबह करीब 4 बजे उपद्रवियों ने अचानक पुलिस टीम पर पत्थरों से हमला कर दिया. मयूर खंडेलवाल ने

कहा, 'माहौल बिगड़ता देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसके बाद पथराव और तेज हो गया. इस हमले में मुझे, एडिशनल एसपी और हमारे 6 से अधिक जवानों को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसके बाद पुलिस ने सख्ती बरतते हुए दोबारा आंसू गैस का इस्तेमाल किया और बल प्रयोग कर उपद्रवियों को खदेड़ा. कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और बाकियों को सरेंडर करने की चेतावनी दी गई है. '

बीजेपी नेता का पुलिस पर आरोप

भाजपा के जिला मंत्री भानु सिंह ने आजतक से बात करते हुए कहा, ' हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से ये मांग कर रहे थे कि दतिया का जो टिकट हुआ है उसे वापस लिया जाए और नरोत्तम मिश्रा जी को टिकट दिया जाए. हम संवैधानिक तरीके से अपनी मांग रख रहे थे. हम लोगों ने पूरी रात रामधुन गाकर भारतीय जनता पार्टी से मांग करते हुए कहा कि टिकट नरोत्तम जी को दिया जाए लेकिन पुलिस प्रशासन, पुलिस अधीक्षक और दतिया कलेक्टर की बर्बरता देखिए कि भाजपा के कार्यकर्ताओं को दफ्तर में कैद कर दिया. जब तक डॉ. नरोत्तम मिश्रा जी को टिकट नहीं मिलेगा तब तक हम लोग चक्का जाम करेंगे.'

क्यों नाराज हैं नरोत्तम मिश्रा के समर्थक?

दरअसल, बीजेपी ने शुक्रवार को दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए सीनियर नेता नरोत्तम मिश्रा का पत्ता काटते हुए आशुतोष तिवारी को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर दिया. पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा और उनके समर्थकों को पूरा भरोसा था कि टिकट उन्हें ही मिलेगा और उन्होंने नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया था. जैसे ही आशुतोष तिवारी के नाम का ऐलान हुआ, नरोत्तम मिश्रा के समर्थक सड़कों पर उतर आए. कुछ समर्थक शर्ट उतारकर सड़क पर लेट गए और 'नरोत्तम दादा' को टिकट न मिलने पर बीजेपी छोड़ने तक की धमकी देने लगे. हालांकि, टिकट मिलने के बाद आशुतोष तिवारी ने कहा कि नरोत्तम मिश्रा उनके अभिभावक है.

नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों का प्रदर्शन, टिकट बदलने की उठी मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दतिया। मध्य प्रदेश के दतिया जिले में भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद हालात बेकाबू हो गए. भाजपा ने शुक्रवार को दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार घोषित किया, जिसके बाद नाराज समर्थकों ने नेशनल हाईवे 44 पर करीब 12 घंटे तक जाम लगा दिया. तीन हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें दतिया एसपी सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए. पुलिस को भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े. वहीं डबरा में नरोत्तम मिश्रा के घर के बाहर भी दिनभर समर्थकों की भीड़ जुटी रही और वे मांग करते रहे कि चुनाव सिर्फ नरोत्तम मिश्रा ही लड़ें. भाजपा ने जैसे ही आशुतोष तिवारी को टिकट देने का ऐलान किया, नरोत्तम मिश्रा के समर्थक भड़क उठे. पार्टी सूत्रों के मुताबिक मिश्रा को उम्मीद थी कि टिकट उन्हें ही मिलेगा और उन्होंने नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया था. टिकट कटने की खबर से नाराज कार्यकर्ताओं ने दतिया शहर में बाजार बंद कराने की कोशिश की और हाईवे पर धरना देकर रास्ता रोक दिया. समर्थकों का कहना है कि भाजपा ने जिस उम्मीदवार को टिकट दिया है, उसे क्षेत्र के अधिकांश लोग जानते

तक नहीं हैं. उनका दावा है कि डॉ. नरोत्तम मिश्रा की संगठन और जनता के बीच मजबूत पकड़ है और ऐसे समय में उनका टिकट काटना पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. समर्थकों ने टिकट बदलने की भी मांग की है. कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की गई, लेकिन वे नहीं माने और पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े. एसपी मयूर खंडेलवाल ने बताया कि छह से ज्यादा पुलिसकर्मी पथराव में घायल हुए हैं और कुछ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. भीड़ ने पुलिस समेत कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया, हालांकि बाद में हाईवे को खाली करा लिया गया. इस विरोध के बीच भाजपा के जिला अध्यक्ष सहित कई पार्षदों ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया. एक समर्थक बलराम ने बताया कि कई कार्यकर्ताओं ने कपड़े उतारकर सड़क पर लेटकर विरोध जताया, जबकि दूसरे समर्थकों ने कहा कि जब तक 'नरोत्तम दादा' को टिकट नहीं मिलता, वे पीछे नहीं हटेंगे और पार्टी तक छोड़ सकते हैं. उधर नए उम्मीदवार आशुतोष तिवारी ने नरोत्तम मिश्रा को अपना अभिभावक बताते हुए कहा कि मिश्रा उनके लिए प्रचार करेंगे. इस बीच डबरा में मिश्रा के घर के बाहर सुबह से ही सियासी चौपाल जारी रही और खबर है कि वे खुद देर रात दिल्ली रवाना हो गए, जिससे कयास और तेज हो गए हैं. गौरतलब है कि दतिया सीट 2023 में कांग्रेस के राजेंद्र भार्ती ने तत्कालीन गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को साढ़े सात हजार से ज्यादा वोटों से हराया था. लेकिन इस साल अप्रैल में दिल्ली की एक अदालत ने भार्ती को धोखाधड़ी के एक मामले में तीन साल की सजा सुनाई, जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द हो गई और यह सीट खाली हो गई, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई. चुनाव आयोग ने हाल ही में देश की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान किया है, जिनमें दतिया के अलावा बिहार और गुजरात की सीटें शामिल हैं. इन सभी सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग होगी और नतीजे 3 अगस्त को आएंगे.

गोंडा: घाघरा नदी में मगरमच्छ-घड़ियाल की हलचल, आसपास के इलाकों में दहशत, तटीय गांवों में अलर्ट जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। गोंडा जिले से होकर अयोध्या की ओर बहने वाली घाघरा नदी में इन दिनों मगरमच्छ और घड़ियाल दिखाई देने से आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। नदी के अलग - अलग हिस्सों से दो वीडियो सामने आए हैं, जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया और तटीय क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है। गोंडा जिले के तरबगंज व कर्नलगंज क्षेत्र में घाघरा नदी बहती है। करनैलगंज से लेकर अयोध्या की सीमा तक घाघरा नदी लगभग 100 किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है। मानसून के बाद नदी में पानी का स्तर और बहाव दोनों बढ़ गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसी वजह से घड़ियाल और मगरमच्छ अपने ठिकानों से निकलकर किनारों तक आ रहे हैं।

दो वीडियो आ चुके हैं सामने

इस पूरे इलाके में लगातार इन जंगली जानवरों के देखे जाने की सूचना मिल रही है। प्रशासन के अनुसार इन जानवरों के हमले में अब तक 2 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल

भी हुए हैं। सामने आए पहले वीडियो में सोनौली मोहम्मदपुर ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले बच्ची माझा क्षेत्र में एक मगरमच्छ नदी के किनारे बैठा नजर आया। आसपास ग्रामीणों की मौजूदगी देखकर वह तुरंत पानी की तरफ भाग गया। वहीं दूसरा वीडियो करनैलगंज के पास घाघरा नदी का है, जिसमें एक घड़ियाल साफ तौर पर देखा जा सकता है। दोनों वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई। इन दोनों वीडियो के सामने आते ही गोंडा जिला प्रशासन ने करनैलगंज और तरबगंज तहसील के एक दर्जन से ज्यादा तटीय गांवों के लिए चेतावनी जारी की है। प्रशासन की तरफ से एडवाइजरी भी जारी की गई है जिसमें लोगों से नदी के किनारे न जाने की अपील की गई है। एडवाइजरी में स्पष्ट कहा गया है कि अगर किसी काम से नदी किनारे जाना बेहद जरूरी हो तो पूरी सावधानी बरतें, बच्चों और बुजुर्गों को साथ न ले जाएं और अपने साथ बचाव के पूरे इंतजाम रखें। इसके साथ ही लोगों को सलाह दी गई है कि वे अपने पशुओं को भी नदी में न ले जाएं और मछली पकड़ने या नहाने के लिए नदी में न उतरें। प्रशासन का कहना है कि नदी में पानी का बहाव तेज है और इसी वजह से घड़ियाल और मगरमच्छ बहकर किनारे तक आ सकते हैं, जिससे कोई भी हादसा होने की संभावना बनी हुई है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने जानकारी दी कि घड़ियाल और मगरमच्छ को लेकर लोगों को सतर्क करने के लिए सभी तटीय इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगवाए गए हैं। वन विभाग की टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है और वह लगातार गश्त कर रही हैं। साथ ही ग्रामीणों से लगातार अपील की जा रही है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन या वन विभाग को दें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। फिलहाल स्थिति पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की नजर बनी हुई है।

गाजियाबाद में 24 घंटे में करंट से दूसरी मौत, ट्रांसफॉर्मर के पास खेल रहे मासूम की गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। करंट लगने से मौत की दूसरी घटना सामने आई है. टीला मोड़ थाना क्षेत्र की इकबाल कॉलोनी में शुक्रवार को बिजली के करंट की चपेट में आने से 8 वर्षीय अयान की दर्दनाक मौत हो गई. गाजियाबाद में पिछले 24 घंटे के भीतर इस तरह का यह दूसरा मामला है. इससे पहले इंदिरापुरम के न्यायखंड इलाके में पार्क में जलभराव के दौरान करंट की चपेट में आने से 28 वर्षीय नरेंद्र उर्फ बबलू की मौत हो गई थी. लगातार दो दिनों में हुई इन दो घटनाओं ने शहर में बिजली व्यवस्था की सुरक्षा और विभागीय जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.द्व घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की. मृतक अयान के पिता सुबेदीन ने टीला मोड़ थाने में दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार शाम करीब चार बजे उनका बेटा घर के बाहर गली में खेल रहा था. इसी दौरान वह गली में लगे बिजली के खंभे और ट्रांसफॉर्मर के आसपास फैले करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. लोगों ने पूरे इलाके के बिजली के खंभों, ट्रांसफॉर्मरों और विद्युत लाइनों का तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. परिजनों का आरोप है कि कॉलोनी के लोगों ने पहले भी कई बार बिजली विभाग को लिखित और मौखिक रूप से शिकायत दी थी कि ट्रांसफॉर्मर और बिजली के खंभे के आसपास करंट उतरता है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. इसके बावजूद विभाग ने न तो स्थायी समाधान किया और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए. शिकायत में बिजली विभाग के एसडीओ विजय सैनी, जूनियर इंजीनियर (जेई) विनोद कुमार तथा कर्मचारी ताहिर और साजिद समेत अन्य जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया गया है. परिजनों ने इन सभी के खिलाफ उचित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की है. उनका कहना है कि यह सिर्फ हादसा नहीं, बल्कि विभागीय उदासीनता का नतीजा है. घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नाराजगी जताई. स्थानीय निवासी अकबर चौधरी ने आरोप लगाया कि जिस खंभे के पास यह हादसा हुआ, वहां लंबे समय से करंट उतरने की समस्या बनी हुई थी. कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया. स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि इससे पहले भी उसी स्थान पर करंट लगने से कई पशुओं की मौत हो चुकी है, लेकिन तब भी समस्या का समाधान नहीं किया गया.

नोएडा एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा 74.3KM का लिंक एक्सप्रेसवे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। मनीष सिंह, ग्रेटर नोएडाः दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति देने के लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। करीब 74.3 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण का काम तेज गति से चल रहा है। लगभग 4 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से जेवर एयरपोर्ट, यमुना एक्सप्रेसवे , गंगा एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बीच सीधा और तेज संपर्क स्थापित होगा। इससे औद्योगिक विकास, कार्गो परिवहन और यात्रियों की आवाजाही को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अनुसार, परियोजना के लिए आवश्यक जमीन में से अब तक करीब 422 एकड़, यानी लगभग 57 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। राज्य सरकार ने जमीन खरीदने के लिए 1204 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। अधिकारियों का कहना है कि शेष भूमि का अधिग्रहण भी अगले एक महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है। लिंक एक्सप्रेसवे के लिए कुल 56 गांवों की जमीन का उपयोग किया जाएगा। इनमें गौतमबुद्ध नगर के 8 गांव और बुलंदशहर के 48 गांव शामिल हैं। बुलंदशहर जिले के ये गांव खुर्जा, सियाना, बुलंदशहर और सिकंदराबाद तहसीलों में स्थित हैं। यीडा क्षेत्र के 16 गांवों से लगभग 740 एकड़ जमीन खरीदी जा रही है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की ओर से विकसित की जाएगी। पहले यीडा जमीन का अधिग्रहण कर उसे यूपीडा को सौंपेगा, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
12 जुलाई 2026

राज ठाकरे ने हिंदी के इस्तेमाल पर उठाया सवाल, भड़के फडणवीस, संस्कृत के दो शब्दों से दे दिया जवाब

'मिसिंग लिंक' प्रोजेक्ट को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। 'मिसिंग लिंक' प्रोजेक्ट साइट पर हुए भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी चल रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में विपक्ष पर कड़ा हमला किया। इसके बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने उनकी आलोचना की। अब फडणवीस ने सदन में इसका कड़ा जवाब दिया है। 'मिसिंग लिंक' के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गलत प्रचार किया जा रहा है कि कनेक्टिंग लिंक पर खर्च किए गए 7000 करोड़ रुपये बर्बाद हो गए हैं। यह न सिर्फ मेरा, बल्कि महाराष्ट्र का भी अपमान है। झूठी खबरें फैलाकर राज्य को बदनाम किया जा रहा है। इसी भाषण में देवेंद्र फडणवीस ने राज ठाकरे पर भी परोक्ष रूप से तंज कसा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों को 'भाड़े के टट्टू' शब्द पर आपत्ति थी। इसलिए मैंने थोड़ी रिसर्च की। सभ्य भाषा में इसे 'भाटक गर्दभ'कहा जाता है। अगर फिर भी समझ न आए, तो उन्हें 'सुपारीबाज' कहा जाता है। राज ठाकरे को बताया 'मिमिक्री आर्टिस्ट' राज ठाकरे ने सवाल

उठाया था कि मुख्यमंत्री महाराष्ट्र के हैं तो वे हिंदी में क्यों बोलते हैं? इस पर जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि मैंने हिंदी में एक वाक्य बोला था। मैंने यह खास तौर पर उन लोगों के लिए कहा था जिन्हें इसे समझने की जरूरत थी। लेकिन बुरा दूसरों को लगा। हमारे 'मिमिक्री आर्टिस्ट' ने पूछा कि आपने हिंदी में क्यों बात की? इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में तंज कसा कि राज ठाकरे हमारे दोस्त हैं। हमें उनसे कोई राजनीतिक खतरा नहीं है। लेकिन अगर उन्होंने मिमिक्री में करियर बनाया होता, तो बाजार में एक भी स्टैंड-अप कॉमेडियन नहीं टिक पाता। इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने सदन के भीतर राज ठाकरे का मजाक उड़ाया।

नेताओं के बीच तीखी जुबानी जंग तेज

मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद विधानसभा में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर उनका समर्थन किया, जबकि विपक्ष ने इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई। हाल के दिनों में विधानसभा के भीतर और बाहर राजनीतिक बयानबाजी तेज रही है और अलग-अलग दलों के नेताओं के बीच तीखी जुबानी जंग देखने को मिल रही है। इस बीच 'मिसिंग लिंक' प्रोजेक्ट को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव हर दिन बढ़ता जा रहा है। विधानसभा से लेकर सोशल मीडिया तक इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। फडणवीस और राज ठाकरे के बीच हुई इस नई जुबानी जंग ने 'मिसिंग लिंक' के मुद्दे को एक बार फिर राज्य की राजनीति में चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

आरएमएल अस्पताल में फिल्मी अंदाज में ठगी, लाल चुन्नी से छिपाई स्कूटी की नंबर प्लेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नईदिल्ली। दिल्ली के वीआईपी इलाके में ठगी का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। नई दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू इलाके में स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल परिसर में दो शातिर ठगों ने एक बड़ी चालाकी से डिलिवरी बॉय को झांसा दिया और बिना भुगतान किए 94 हजार रुपये की कीमत के 4 लैपटॉप लेकर रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत और

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्र ने बताया कि 27 वर्षीय पीड़ित प्रदीप कुमार सरिता विहार के रहने वाले हैं और ग्रेटर नोएडा की एक कंपनी में काम करते हैं। कंपनी रिफर्बिश्ड लैपटॉप बेचने का व्यवसाय करती है। 5 जुलाई को उनके ऑफिस के नंबर पर एक अज्ञात वॉट्सऐप नंबर से चार लैपटॉप का ऑर्डर आया था, जिसका सौदा 94 हजार रुपये में तय हुआ था। इन लैपटॉप में दो डेल और दो लेनोवो ब्रांड के लैपटॉप थे। पहले से तय सौदे के मुताबिक 8 जुलाई की शाम को प्रदीप डिलिवरी देने के लिए नई दिल्ली के काली बाड़ी मार्ग पहुंचे। वहां ग्राहक ने उन्हें फोन कर ऋऋअस्पताल के गेट नंबर-6 के पास बुलाया। इसके बाद आरोपी प्रदीप को अस्पताल के अंदर स्टाफ कैंटीन के सामने ले कैंटीन के पास पहुंचने पर दूसरे आरोपी ने लैपटॉप बॉक्स खोलकर उनकी चेकिंग शुरू कर दी। इसी बीच पहले आरोपी ने प्रदीप से कहा कि जब तक लैपटॉप चेक हो रहे हैं, तब तक वह उसके साथ स्कूटी पर चलकर दुकान से पैसे ले आए। प्रदीप उसकी नीली रंग की स्कूटी पर पीछे बैठ गए। शातिर आरोपियों ने स्कूटी की अगली नंबर प्लेट को लाल रंग की चुन्नी से छिपा रखा था ताकि उसकी पहचान न हो सके। कुछ दूर आगे जाने पर आरोपी ने प्रदीप से कहा 'आगे ट्रैफिक पुलिस खड़ी है, तुम यहां उतर जाओ, मैं तुम्हें आगे से दोबारा बैठा लूंगा।' प्रदीप के उतरते ही आरोपी स्कूटी लेकर तेजी से भाग निकला।

शास्त्री पार्क में दिनदहाड़े लूट, ऑटो सवार कूरियर बॉय को घेरकर बैग उड़ा ले गए बाइक सवार तीन बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में दिनदहाड़े झपटमारी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। एक ऑटो से चावड़ी बाजार जा रहे कूरियर बॉय को निशाना बनाकर बाइक सवार तीन बदमाशों ने उसका बैग छीन लिया और फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

क्या था पूरा मामला

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित भोला वर्मा (19) उत्तर प्रदेश के हाथरस के नगला चोबे गांव के निवासी हैं और हाथरस से दिल्ली के बीच कूरियर का काम करते हैं। कल यानी 10 जुलाई को भोला हाथरस से कूरियर लेकर दिल्ली के लोनी गोल चक्कर पहुंचे थे। वहां से उन्होंने चावड़ी बाजार जाने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल के जरिए ऑटो बुक किया और उसमें गिफ्ट आइटम्स रखकर रवाना हुए?

सड़क पर घेरकर झपटा कैश वाला बैग

दोपहर करीब 2:40 बजे, जब उनका ऑटो शास्त्री पार्क इलाके में ओल्ड जीटी रोड से गांधी नगर की तरफ जा रहा था, तभी देहरादून हाईवे के नीचे पिलर नंबर 42 के पास एक बाइक पर सवार तीन लड़के आए। तीनों बदमाशों ने हेलमेट नहीं पहना था। उन्होंने ऑटो के पास आकर अचानक भोला का ग्रे रंग का बैग झपट लिया और गांधी नगर की ओर तेजी से भाग निकले। बैग में 25,000 रुपये, मोटोरोला मोबाइल का चार्जर, यूनियन बैंक का एटीएम कार्ड, आधार कार्ड की फोटोकॉपी और गिफ्ट आइटम्स के बिल रखे हुए थे। वहीं नॉर्थ एवेन्यू इलाके में स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया के परिसर से भी धोखाधड़ी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इलाके में दो शातिर ठगों ने डिलिवरी बॉय को झांसा देकर बिना भुगतान किए 4 लैपटॉप लेकर फरार हो गए। पुलिस मामले आरोपियों को पकड़ने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

दिल्ली-गुरुग्राम सफर होगा आसान! मांडी रोड को नेशनल हाईवे बनाने की CM रेखा गुप्ता ने उठाई मांग

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्र सरकार से दक्षिण दिल्ली की 8.8 किलोमीटर लंबी मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्र सरकार से दक्षिण दिल्ली के मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का शुक्रवार को आग्रह किया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, 'गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे पत्र में मांडी रोड के विकास का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपने का आग्रह किया ताकि इसके विकास के लिए

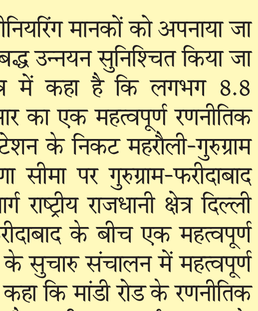

एकीकृत योजना बनाई जा सके, समान इंजीनियरिंग मानकों को अपनाया जा सके और इस महत्वपूर्ण कॉरिडोर का समयबद्ध उन्नयन सुनिश्चित किया जा सके।' मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने पत्र में कहा है कि लगभग 8.8 किलोमीटर लंबा मांडी रोड दिल्ली-एनसीआर का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सड़क गलियारा है और यह छतरपुर मेट्रो स्टेशन के निकट महरौली-गुरुग्राम रोड (एनएच-148ए) को दिल्ली-हरियाणा सीमा पर गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जोड़ता है। उनके मुताबिक, यह मार्ग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पड़ोसी आर्थिक केंद्रों गुरुग्राम और फरीदाबाद के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी है तथा अंतर-राज्यीय यातायात के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री ने गडकरी से कहा कि मांडी रोड के रणनीतिक महत्व, मौजूदा और भावी यातायात मांग और राष्ट्रीय राजमार्ग-148ए के साथ इसके सीधे संपर्क को देखते हुए इस सड़क को एनएचएआई के दायरे में लाने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रतिदिन इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों को बेहतर और अधिक सुगम यातायात सुविधा मिलेगी तथा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था और मजबूत होगी तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। गुप्ता ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि 'यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर' (यूटीटीआईपीईसी) के शासी मंडल ने 27 सितंबर 2023 को आयोजित अपनी 68वीं बैठक में मांडी रोड के महत्व को मान्यता देते हुए इसके चौड़ीकरण और व्यापक विकास के प्रस्ताव का समर्थन किया था।

महाराष्ट्र सरकार ने कर्जमाफी की शर्तों में दी ढील, शरद पवार ने फैसले पर जताई खुशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। सरकार ने कृषि कर्जमाफी योजना की पात्रता शर्तों में बड़ी राहत दी है, जिसका शरद पवार ने स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि इस फैसले से लाखों किसान योजना के लाभ से वंचित होने से बच जाएंगे. सरकार ने 2019 की कर्जमाफी योजना के लाभार्थियों के लिए 50 हजार रुपये की सीमा हटाकर 2 लाख रुपये तक की राहत देने और नियमित ऋण भुगतान से जुड़ी शर्तों में भी ढील देने का फैसला किया है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा कृषि कर्जमाफी योजना की पात्रता शर्तों में दी गई ढील का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से लाखों किसान योजना के लाभ से वंचित होने से बच जाएंगे. शरद पवार ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि राज्य सरकार ने बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं और कृषि उपज की कीमतों में भारी गिरावट को देखते हुए कर्जमाफी योजना की घोषणा की थी. हालांकि योजना में शुरुआत में कुछ ऐसी शर्तें रखी गई थीं, जिनके कारण बड़ी संख्या में किसान इसका लाभ नहीं ले पाते. उन्होंने बताया कि पहले 2019 की महात्मा ज्योतिराव फुले शेतकरी

कर्जमुक्ति योजना का लाभ लेने वाले किसानों के लिए अधिकतम राहत राशि 50 हजार रुपये तक सीमित कर दी गई थी. इसके अलावा नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए यह शर्त रखी गई थी कि उन्हें 2025-26 और 2026-27 के फसल ऋण का भुगतान भी करना होगा, तभी वे प्रोत्साहन राशि के पात्र होंगे. शरद पवार ने कहा कि इन शर्तों के कारण लाखों किसानों को योजना से बाहर होना पड़ता. उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार का इन दोनों शर्तों को वापस लेने के लिए आभार जताया और कहा कि यह फैसला राज्य के किसानों की भावनाओं के अनुरूप है. उन्होंने इस बदलाव के लिए किसान संगठनों, विभिन्न राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को भी बधाई दी, जिन्होंने इन शर्तों के खिलाफ आवाज उठाई. शरद पवार ने विशेष रूप से अपनी पार्टी के विधायक रोहित पवार और उनके सहयोगियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने नियमों में बदलाव कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में विपक्ष के प्रस्ताव पर जवाब देते हुए कर्जमाफी योजना में बड़ी राहत का ऐलान किया था. उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 की महात्मा ज्योतिराव फुले कर्जमाफी योजना के लाभार्थी किसान अब पहले की तरह सिर्फ 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें 2 लाख रुपये तक की कर्जमाफी का लाभ मिल सकेगा. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह भी घोषणा की कि अब किसानों को योजना का लाभ पाने के लिए 2026-27 में फसल ऋण चुकाने की अनिवार्य शर्त पूरी नहीं करनी होगी. इसके बजाय, यदि किसी किसान ने किसी भी पिछले दो वर्षों में नियमित रूप से ऋण का भुगतान किया है, तो वह योजना के लिए पात्र माना जाएगा. उन्होंने बताया कि यह फैसला महायुति गठबंधन के विधायकों की मांग पर लिया गया है.

दिल्ली में 70 लाख की ड्रग के साथ जैकलीन गिरफ्तार, कॉलेज छात्रों को करती थी सप्लाई

स्वर्ण खबर डेस्क

दिल्ली। पुलिस ने राजधानी के मोहन गार्डन इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए युगांडा की 26 वर्षीय महिला जैकलीन नामुलोंडो को 117 ग्राम एम्फेटामाइन के साथ गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार बरामद सिंथेटिक ड्रग की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 70 लाख रुपये आंकी गई है. इस मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. एक एजेंसी के अनुसार

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गुप्त सूचना मिली थी कि मोहन गार्डन क्षेत्र में किराये के मकान में रहने वाली एक विदेशी महिला बड़े पैमाने पर सिंथेटिक ड्रग की सप्लाई कर रही है. सूचना के आधार पर गुरुवार को टीम ने छापेमारी की, जहां से 117 ग्राम उच्च गुणवत्ता का एम्फेटामाइन बरामद किया गया. पूछताछ में महिला की पहचान युगांडा के कंपाला की रहने वाली जैकलीन नामुलोंडो के रूप में हुई.

कॉलेज छात्रों को सप्लाई किया जा रहा था ड्रग

जांच में सामने आया है कि जैकलीन जुलाई 2025 में तीन महीने के बिजनेस वीजा पर भारत आई थी. हालांकि वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वह अवैध रूप से भारत में रह रही थी. पुलिस का दावा है कि शुरुआती जांच में वह दिल्ली के कॉलेज छात्रों और युवाओं को यह सिंथेटिक ड्रग सप्लाई करती थी. फलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद एम्फेटामाइन उसे कहां से मिलता था और उसके नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं. साथ ही दिल्ली में सक्रिय अन्य ड्रग सप्लायरों से उसके संभावित संबंधों की भी जांच की जा रही है. अधिकारियों के अनुसार आरोपी का अब तक कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है, लेकिन उसके मोबाइल फोन, संपर्कों और वित्तीय लेनदेन की गहन पड़ताल की जा रही है ताकि पूरे ड्रग नेटवर्क का खुलासा किया जा सके.

App से बुकिंग और उज़्बेकिस्तान-दिल्ली की लड़कियों से देह व्यापार, बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। पुलिस ने अंबाझरी थाना क्षेत्र में देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी और दूसरे राज्यों की 5 पीड़ित महिलाओं को मुक्त कराया है. इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन अन्य आरोपी फरार हैं. पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सचिन माणिकराव महाजन के रूप में हुई है. कार्रवाई के दौरान उज़्बेकिस्तान की दो महिलाओं व पंजाब, दिल्ली और कोलकाता की 3 महिलाओं को मुक्त कराया गया. जांच में सामने आया कि आरोपी लॉग इन पर्सनल मीटिंग (Login Personal Meeting) नामक ऐप के माध्यम से ग्राहकों को महिलाओं की उपलब्धता कराते थे. महिलाओं को कम समय में अधिक पैसे कमाने का लालच देकर उनसे देह व्यापार कराया जाता था. सूचना के आधार पर सामाजिक सुरक्षा विभाग ने बोगस ग्राहक (डिकॉय ऑपरेशन) और पंचों की मौजूदगी में गोकुलपेठ स्थित होटल पेटल इन के सामने छापा मारा और कार्रवाई को अंजाम दिया.

फरार आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस ने मौके से करीब 5.18 लाख रुपये का माल जब्त किया. जिसमें एक स्विफ्ट डिजायर कार (कीमत लगभग ?5 लाख), एक मोबाइल फोन (?10 हजार) और ?8 हजार नकद शामिल हैं. मामले में समीर उर्फ मनीष उर्फ गगन ठाकुर, राहुल और पूजा नामक महिला सहित तीन आरोपियों की तलाश जारी है. इस संबंध में अंबाझरी पुलिस थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 143(2)(3) व अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की धाराओं 3, 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है. वहीं पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है

AAP से टूटकर बनी पार्टी के पार्षद BJP में शामिल, MCD में बड़ा फेरबदल

दिल्ली MCD में बड़ा राजनीतिक बदलाव हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नगर निगम की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला. आम आदमी पार्टी से अलग हुई इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी का भारतीय जनता पार्टी में विलय हो गया. इसके साथ ही IVP के सभी 16 पार्षद भाजपा में शामिल हो गए. इस घटनाक्रम के बाद MCD में भाजपा की ताकत और बढ़ गई है. पार्टी मुख्यालय में सीएम रेखा गुप्ता और बीजेपी अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की

मौजूदगी में सभी पार्षदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. 250 सदस्यीय दिल्ली नगर निगम में अब भाजपा के पार्षदों की संख्या बढ़कर 139 हो गई है. वहीं आम आदमी पार्टी के पार्षदों की संख्या 123 रह गई है. साल 2022 के निगम चुनाव में भाजपा ने 104 सीटें जीती थीं. इसके बाद समय-समय पर दूसरे दलों के पार्षद पार्टी में शामिल होते गए, जिससे भाजपा की संख्या लगातार बढ़ती गई. पार्टी में शामिल हुए इन नए पार्षदों का स्वागत करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ी बात कही. उन्होंने साफ किया कि इन सभी लोगों ने दिल्ली के विकास को ध्यान में रखकर यह बड़ा फैसला लिया है. नए पार्षदों के आने से उनके अपने इलाकों में विकास कार्यों को तेजी मिलेगी. शहर का सुधार ही हमेशा से पहली प्राथमिकता रहा है. इस विलय से निगम के भीतर पार्टी को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रुके हुए काम तेजी से पूरे हो सकेंगे. इस पूरे बदलाव की कहानी को समझाते हुए हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले मुकेश गोयल और हेमचंद गोयल की अगुवाई में इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी का गठन हुआ था. आम आदमी पार्टी के नेतृत्व में विकास कार्यों की कमी को देखने के बाद इन पार्षदों ने अलग रास्ता चुना था. अब सभी 16 पार्षदों ने औपचारिक तौर पर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है. मुकेश गोयल ने बताया कि इस हफ्ते सभी पार्षदों के बीच काफी लंबी चर्चा हुई थी. इसके बाद ही सामूहिक रूप से सत्ताधारी दल में शामिल होने का फैसला किया गया. पिछले डेढ़ साल से वे भाजपा के काम करने के तरीके को देख रहे थे. उन्हें पूरा भरोसा है कि इस फैसले से उनके वॉर्डों में जनता के रुके हुए काम तेजी से पूरे होंगे. निगम के भीतर किसी बड़े पद या राजनीतिक लाभ के सवाल पर मुकेश गोयल ने साफ किया कि पार्टी के साथ ऐसा कोई गुप्त समझौता नहीं हुआ है. उन्हें निगम में जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, वे उसे पूरी ईमानदारी से निभाएंगे. गौरतलब है कि मई 2025 में आम आदमी पार्टी के नेतृत्व से मतभेदों के बाद इन 16 पार्षदों ने अलग होकर नई पार्टी बनाई थी. यह पूरा सियासी घटनाक्रम अगले साल होने वाले निगम चुनावों से ठीक पहले सामने आया है. शुक्रवार को निगम की 12 वॉर्ड कमेटियों के चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन पद के चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन भी था. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि नेता मुकेश गोयल को निगम की किसी विशेष कमेटी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है, जबकि हेमचंद गोयल को सेंट्रल जोन से स्टैंडिंग कमेटी का सदस्य मनोनीत किया जा सकता है. हालांकि अभी तक इन पदों को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है.

अजित पवार प्लेन क्रैश मामले की CBI जांच अभी नहीं, CM फडणवीस ने विधानसभा में बताया, AAIB की अंतिम रिपोर्ट का कर रहे इंतजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा में मॉनसून सत्र के आखिरी दिन पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत की जांच के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान सीएम फडणवीस ने मामले की सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन से जांच कराने के सवाल का भी जवाब दिया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि अभी जांच दो स्तरों पर की जा रही है। क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट और एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो इस काम में लगी हैं। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कई लोगों ने सवाल उठाया है कि सीबीआई जांच अभी तक इसमें शामिल क्यों नहीं है। सीबीआई को आधिकारिक तौर पर अपनी जांच शुरू करने से पहले AAIB की अंतिम रिपोर्ट की जरूरत है। पायलट सुमित कपूर को लेकर शुरुआती संदेहों पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सीआईडी ने उनके सभी वित्तीय रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की है। उन्होंने कहा कि पायलट से जुड़े हर बैंक खाते की जांच की गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। दुर्घटना की जांच पर तकनीकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने पुष्टि

की कि महत्वपूर्ण फ़्लाइट डेटा सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि विमान के ब्लैक बॉक्स से सभी जरूरी दस्तावेज और डेटा पूरी तरह से बरामद कर लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक शुरुआती रिपोर्ट पहले ही सौंपी जा चुकी है। आम तौर पर विमान दुर्घटनाओं की मानक जांच में तीन से चार साल लगते हैं, लेकिन राज्य ने प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया है। केंद्र सरकार से विशेष अनुरोध के बाद अंतिम रिपोर्ट जनवरी से पहले आने की उम्मीद है। एक बार जब यह अंतिम रिपोर्ट जारी हो जाएगी, तो इससे CBI या CID की ओर से आगे की जांच के लिए ठोस सुराग मिलेंगे। अपना बयान खत्म करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने राजनीतिक नेताओं और जनता से बिना आधार के अटकलें न लगाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सबसे पहले यह तय करना होगा कि कानूनी तौर पर किसकी गलती है और यह आधिकारिक AAIB रिपोर्ट के बिना नहीं किया जा सकता।

ईमानदारी की मिसाल बने प्रो. आर.के. जैन के सुपुत्र प्रतीक कुमार जैन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार/राजगढ़। वर्तमान समय में जहाँ सड़क पर मिला सामान अपने पास रख लेने की घटनाएँ अक्सर सुनने को मिलती हैं, वहीं राजगढ़ निवासी वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रो. आर.के. जैन के सुपुत्र

प्रतीक कुमार जैन ने ईमानदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय मूल्यों का उत्कृष्ट परिचय देते हुए सड़क पर मिला एक महंगा मोबाइल फोन उसके वास्तविक स्वामी को सुरक्षित लौटाकर समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रतीक कुमार जैन अपने परिवार के साथ दर्शन कर लौट रहे थे। इसी दौरान मार्ग में उन्हें एक महंगे ब्रांड का मोबाइल फोन मिला। उन्होंने बिना किसी विलंब के मोबाइल को सुरक्षित अपने पास रखा तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों को इसकी सूचना दी। मोबाइल के कॉल विवरण एवं तकनीकी जानकारी के आधार पर उसके वास्तविक स्वामी से संपर्क स्थापित किया गया। इसके पश्चात पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में मोबाइल उसके मालिक को सकुशल सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल सुरक्षित वापस मिलने पर मोबाइल स्वामी एवं उनके परिजनों ने प्रतीक कुमार जैन की ईमानदारी, सजगता एवं सहयोगी भावना की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। क्षेत्र के नागरिकों ने भी इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे युवा समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह घटना सिद्ध करती है कि ईमानदारी, नैतिकता और मानवता आज भी हमारे समाज में जीवित हैं।

23 अगस्त को निकलेगी नगर की 18वीं पारंपरिक चुनरी यात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा । धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनकल्याण का प्रतीक नगर की 18वीं पारंपरिक चुनरी यात्रा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 23 अगस्त 2026, रविवार पवित्रा एकादशी पर भव्य एवं आकर्षक स्वरूप में निकाली जाएगी। यात्रा को

लेकर सामाजिक समरसता मंच एवं चुनरी यात्रा आयोजन समिति की बैठक महिदपुर रोड स्थित पंकज नामदेव के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यात्रा की तैयारियों के प्रथम चरण के रूप में 12 जुलाई, रविवार को प्रातः 11 बजे पुराना बस स्टैंड से आयोजन समिति के सदस्य दिव्य कलश लेकर माँ चंबल के पावन तट पर पहुंचेंगे। यहां विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर माँ चंबल को चुनरी यात्रा का निमंत्रण अर्पित किया जाएगा। साथ ही उत्तम वर्षा, क्षेत्र की समृद्धि, किसानों की खुशहाली, उत्कृष्ट कृषि उत्पादन, आर्थिक उन्नति तथा वर्षभर पर्याप्त जलापूर्ति की मंगलकामना की जाएगी। आयोजन समिति ने बताया कि 18वें वर्ष में प्रवेश कर रही चुनरी यात्रा के अवसर पर 23 अगस्त को पवित्रा एकादशी पर भगवान शिव का वर्षा के अमृत जल से दुग्धाभिषेक एवं जलाभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात नगर में विशाल चल समारोह चुनरी यात्रा के साथ चंबल तट पहुंचकर मां चंबल का 11 लीटर दुग्ध से अभिषेक कर उन्हें श्रद्धापूर्वक 251 मीटर लंबी चुनरी अर्पित की जाएगी। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रहने की संभावना है। शीघ्र ही अगली कड़ी में सभी नगरवासी, सामाजिक संगठन, महिला संगठन, बैठक में सामाजिक समरसता मंच के संरक्षक गिरधारी सिंह शेखावत, राजेंद्र कांठेड़, गुलजारीलाल त्रिवेदी, पंकज नामदेव, गोपाल सलूजा, हरचरण सिंह चावला, भरत पाटीदार, कमलेश शुक्ला, सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। जानकारी निलेश मेहता ने दी।

शिवकुमार सिर्फ घूम रहे उनका ध्यान किसानों की समस्याओं पर नहीं : कुमारस्वामी

बेंगलुरु(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर राज्य के जल और सिंचाई संबंधी मुद्दों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रगति समीक्षा और एसआईआर के नाम पर राज्यभर के दौरे तो कर रहे हैं, लेकिन किसानों और सूखा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए शुक्रवार को कुमारस्वामी ने कहा, कि मुख्यमंत्री के हालिया कलबुर्गी, बीदर और बेलगावी दौरों का किसानों, खेतिहर मजदूरों और सूखे से प्रभावित परिवारों को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। उनका आरोप था कि सरकार की प्राथमिकताओं में जनहित के बजाय राजनीतिक गतिविधियां अधिक दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कृष्णा-गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ो परियोजना पर मुख्यमंत्री के बयान की भी आलोचना की। कुमारस्वामी ने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री की टिप्पणियां राज्य के जल हितों और सिंचाई व्यवस्था की पर्याप्त समझ के अभाव को दर्शाती हैं। उनका कहना था कि राज्य सरकार को जल संसाधनों के संरक्षण और किसानों की सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं पर अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए। हालांकि मुख्यमंत्री की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मैं न गांधी हूं, न कोई हीरो, अपने जीवन के नायक खुद बनें: सोनम वांगचुक

20 जुलाई को संसद तक होने वाले मार्च में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों से अपील की है कि वे उन्हें आधुनिक गांधी या हीरो कहना बंद करें, क्योंकि वह बस एक आम नागरिक हैं। उन्होंने लोगों को किसी और को अपना लीडर मानने के बजाय अपनी जिंदगी के खुद हीरो बनने के लिए प्रेरित किया। जंतर-मंतर पर परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शनिवार को 14वें दिन में प्रवेश कर गई, जबकि सीजेपी का विरोध प्रदर्शन 22वें दिन में है।

पार्टी की ओर से जारी स्वास्थ्य अपडेट के मुताबिक, उपवास शुरू करने के बाद से वांगचुक का वजन 7.5 किलोग्राम कम हो गया है और उनका ब्लड प्रेशर 106/74 दर्ज किया गया है। एक वीडियो में वांगचुक ने कहा कि उन्हें पिछले दिन की तुलना में कम ऊर्जा महसूस हो रही है, लेकिन वे आंदोलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

वांगचुक ने आंदोलन का समर्थन करने के लिए लोगों का शुक्रिया अदा कर बताया कि दो तरह की टिप्पणियों ने उन्हें असहज कर दिया है। उन्होंने कहा, बहुत से लोग मुझे 21वीं सदी का गांधी या आधुनिक गांधी कहते हैं। कुछ लोग मुझे हीरो कहते हैं। ऐसी बातें सुनकर मुझे असहज महसूस होता है। मैं न गांधी हूं और न ही कोई हीरो। मैं बस एक आम नागरिक हूं जिसने अपनी जिम्मेदारियां निभाने की कोशिश की है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी और में हीरो की तलाश करने के बजाय एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाएं और अपनी जिंदगी के खुद हीरो बनें।

परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की वजह से छात्रों की आत्महत्याओं का जिक्र कर वांगचुक ने लोगों से आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर आप रोज यहां नहीं आ सकते, तब कम से कम एक दिन जंतर-मंतर पर हमारे साथ जुड़ें। यदि आप दिल्ली नहीं आ सकते, तब आप जहां भी हैं, वहीं उपवास रखें और अपना संदेश साझा करें। उन्होंने लोगों से 20 जुलाई को संसद तक होने वाले प्रस्तावित मार्च में शामिल होने की अपनी अपील दोहरा दी। उन्होंने कहा कि लोगों को भूखा रहने की जरूरत नहीं है, वे खाना खाकर आएं, लेकिन एक नागरिक के तौर पर जिम्मेदारी निभाएं और हमारे साथ जुड़ें।

वांगचुक ने यह भी कहा कि उपवास के शुरुआती दिनों के बाद उनकी भूख स्थिर हो गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें विरोध स्थल से हटाने की कोई भी कोशिश शांतिपूर्ण विरोध करने के उनके संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन होगी, क्योंकि वे अपनी मर्जी से यहां हैं और उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। सीजेपी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

के इस्तीफे और उन छात्रों के परिवारों के लिए एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग कर रहा है जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षा में गड़बड़ियों के कारण आत्महत्या कर ली। सीजेपी का विरोध प्रदर्शन 20 जून को शुरू हुआ था जबकि सोनम वांगचुक 28 जून को इस आंदोलन में शामिल हुए और तब से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

रेप-मर्डर के आरोपी की भीड़ द्वारा हत्या माव लिंचिंग नहीं : सीएम सुवेंदु

-विपक्ष के नेता ने घटना के पीछे साजिश का जताया संदेह, पुलिस हिंसा और उकसावे के आरोपों की जांच में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में 12 वर्षीय बालिका से कथित दुष्कर्म और हत्या के आरोपी 26 वर्षीय इंद्रजीत मंडल की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा, कि वह इस घटना को लिंचिंग नहीं मानते। उनका दावा है कि भीड़ ने पहले आरोपी की पहचान की और उसके बाद उस पर हमला किया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बालिका के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना से क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया था। इसी दौरान भीड़ ने इंद्रजीत मंडल की पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव और हिंसा फैल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात करना पड़ा। पत्रकारों से बातचीत में सीएम अधिकारी ने कहा, कि आरोपी की हत्या

सुनियोजित तरीके से कराई गई और इसके पीछे पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस उन लोगों की पहचान कर रही है, जो घटनास्थल पर मौजूद थे, साथ ही उन लोगों की भी जांच की जा रही है, जिन पर दूर से हिंसा भड़काने का संदेह है। सीएम ने दावा किया, कि इस अशांति को ऐसे लोगों ने हवा दी, जिन्हें राजनीतिक रूप से नकार दिया गया है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कट्टरपंथी या अतिवामपंथी तत्व भी इस घटनाक्रम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' हो सकता है लागू

-जेपीसी के अध्यक्ष बोले- 99फीसदी लोगों और संगठनों ने किया इसका समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक अब तक चर्चा में शामिल करीब 99फीसदी नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है। समिति ने गोवा के सीएम और कैबिनेट मंत्रियों समेत कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि बार-बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा, जहां सीएम, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दलों और कई विभागों के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देकर संसद में पेश करेगी।

वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े पांच सवाल हैं जिनमें लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव अलग-अलग कराने के बजाय एक साथ कराना। जिन राज्यों का कार्यकाल 2029 के बाद भी बचा होगा, उनका क्या होगा? संविधान संशोधन के जरिए उन राज्यों के कार्यकाल को समय से पहले ही समाप्त करके 2029 के चुनावी चक्र के साथ जोड़ा जाएगा। जिनका कार्यकाल 2029 से पहले खत्म हो रहा होगा, उनका क्या होगा? वहां कुछ समय के लिए राष्ट्रपति शासन लग सकता है या फिर केवल 2029 तक के लिए चुनाव संभव। कई अनुच्छेदों में संशोधन करना होगा। संसद में दो-तिहाई बहुमत और आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। अगर बीच में ही कोई सरकार गिर जाए, तो क्या नियम प्रस्तावित हैं? इस नए प्रस्ताव के तहत मध्यावधि चुनाव पूरे पांच साल के लिए नहीं कराए जाएंगे, बल्कि केवल बचे हुए कार्यकाल के लिए ही कराए जाएंगे, ताकि अगला मुख्य चक्र न बिगड़े।

विधायकों के लिए एआई प्रशिक्षण की आवश्यकता: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

गयाजी(एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गया में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और जवाबदेही पर निर्भर होती है। उन्होंने विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही और संसदीय प्रक्रियाओं का अधिकतम उपयोग कर जन समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री चौधरी ने बदलते तकनीकी दौर का उल्लेख करते हुए बिहार विधानसभा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (बिपार्ड) में उन्होंने कहा कि विधायकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपने क्षेत्र की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को सदन के माध्यम से सरकार तक

पहुंचाना है। उन्होंने प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण और कटौती प्रस्ताव जैसे संसदीय उपकरणों को लोकतंत्र में जनता की आवाज को मजबूती देने के प्रभावी माध्यम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने स्मरण कराया कि करीब 20 वर्ष पहले लोग फेसबुक जैसी तकनीकों से परिचित नहीं थे, लेकिन आज मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया हर घर तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में डिजिटल तकनीक के व्यापक विस्तार की सराहना की, जिसने शासन व्यवस्था और आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। चौधरी ने कहा कि आने वाले समय में तकनीक का प्रभाव और बढ़ेगा, इसलिए जनप्रतिनिधियों को भी इसके अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

सीएम चौधरी ने कहा कि अब दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही है। इसके बाद बिहार विधानसभा में भी एआई पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित होना चाहिए, ताकि विधायक इस नई तकनीक की उपयोगिता को समझ सकें और इसका लाभ शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में मिल सके। उन्होंने दोहराया कि बिहार सरकार उद्योग, सुशासन और निवेश को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कलंक: नृपेंद्र मिश्रा; राजनीतिक घमासान जारी

-सपा और विहिप के बीच पोस्टर वॉर

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के हालिया मामले पर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने गहरा दुख जताकर एक कलंक बताया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि इस घटना से सभी को खेद है और वे खुद को छोटा महसूस कर रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि व्यवस्था में सुधार होगा और ऐसी घटनाएं फिर नहीं होंगी।

मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसके अध्यक्ष संभवतः एक जज है। यह समिति अपनी सिफारिशें ट्रस्ट को सौंपेगी, जिस पर आगे विचार किया जाएगा। वे रामकथा संग्रहालय में निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक में भाग लेने पहुंचे थे।

इस बीच, मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के नेता उपेंद्र दत्त शुक्ला ने पोस्टर लगवाए हैं, जिन पर लिखा है-राम नाम जपना, श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया दान अपना और रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलयुग आएगा, चोर करेगा मंदिर में चोरी, चौकीदार देखता रह जाएगा।

इसके बाद जवाब में, रायबरेली में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री राहुल सिंह ने सपा पर पलटवार कर पोस्टर लगाए। इन पर प्रश्न उठाया गया-राम मंदिर के चंदे पर सवाल, आतंकवाद के चंदे पर खामोशी? साथ ही यह भी लिखा था कि प्रभु राम हमारी आस्था हैं, राजनीति का हथियार नहीं।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी

ने घटना पर अफसोस जताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन लोगों ने ऐसा कृत्य किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा और वे जितना ले गए हैं, उससे कहीं ज्यादा चुकाएंगे।

शरद पवार ने की महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में बदलाव की तारीफ

-एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों को अफवाह बताया

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी(एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में हुए बदलाव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से लाखों किसानों को फायदा मिलेगा। पवार ने सीएम फडणवीस को धन्यवाद भी कहा। शरद पवार की पार्टी एनसीपी के एनडीए में शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें भी चल रही हैं। हालांकि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन्हें अफवाह बताया है। सूत्रों के मुताबिक शरद पवार की पार्टी के नेता एनडीए में शामिल के पक्ष में नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अटकलों को उस समय और बल मिला, जब शरद पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर 8 जुलाई को

मुंबई में विधानभवन में बैठक हुई थी। इसके बाद पवार ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के कमरे में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की। शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं और कृषि उपज के दामों में गिरावट को देखते हुए कर्जमाफी योजना की घोषणा की थी। हालांकि, योजना में शुरू में कुछ ऐसी शर्तें रखी गई थीं, जिनसे बड़ी संख्या में किसानों को लाभ नहीं मिल पाता।

उन्होंने कहा कि पहले 2019 की महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्जमाफी योजना का लाभ लेने वाले किसानों के लिए अधिकतम 50 हजार रुपए तक की ही राहत का प्रावधान था। इसके अलावा, नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए 2025-26 और 2026-27 के फसल ऋण का भुगतान करना अनिवार्य किया गया था। शरद पवार ने कहा कि इन दोनों शर्तों के कारण लाखों किसान योजना के दायरे से बाहर हो जाते हैं। उन्होंने सीएम देवेंद्र फडणवीस सरकार का इन शर्तों को वापस लेने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह फैसला राज्य के किसानों की भावनाओं के अनुरूप है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना 10 जून 1999 को शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने की थी। तीनों नेताओं ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा उठाते हुए पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे। कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसके बाद तीनों ने एनसीपी का गठन किया।

भाजपा ने बदला उम्मीदवार, रोहिणी का तीखा तंज... अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रहे

पटना(एजेंसी)। पटना में बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है, जहां नामांकन के अगले ही दिन अपना उम्मीदवार बदल दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से खाली हुई सीट के लिए पहले घोषित प्रत्याशी अभिषेक सिन्हा ने नाम वापस लेने की घोषणा की है, इसके बाद पार्टी ने नीरज सिन्हा को नया उम्मीदवार बनाया है। इस अप्रत्याशित बदलाव पर राजद नेता और पूर्व सीएम लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भाजपा पर तीखा तंज कसते हुए पूछा है कि, जो पार्टी नामांकन खत्म होने के तीन दिन पहले तक अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रही, वह क्षेत्र का भविष्य क्या खाक तय करेगी?

अभिषेक सिन्हा ने नाम वापसी के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है, और उन्होंने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष को लिखे पत्र में कार्यकर्ता के तौर पर सेवा करने की बात कही है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक के नामांकन पत्र में परिवार और शिक्षा से संबंधित जानकारी में कथित गड़बड़ियों के चलते भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदला है। पार्टी को आशंका थी कि इन अनियमितताओं के कारण अभिषेक का नामांकन रद्द हो सकता था। वहीं रोहिणी आचार्य ने अंतिम वक्त का बदलाव नहीं, बल्कि चुनावी डर का सबसे बड़ा सबूत बताकर कहा कि यह दिखाता है कि बीजेपी को ये आभास हो गया है कि बांकीपुर में जमीन खिसकने वाली है। इस घटनाक्रम को जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर (पीके) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसे विपक्षी दल चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बना सकते हैं। बांकीपुर सीट पर 30 जुलाई को मतदान होगा और मतगणना 3 अगस्त को निर्धारित है। नए उम्मीदवार सिन्हा 20 साल से भाजपा से जुड़े हैं और नवीन के करीबी हैं। वह फिलहाल मंडल अध्यक्ष हैं। अभिषेक सिन्हा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया था। गुरुवार को ही राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता ने भी अपना नॉमिनेशन भरा था। नामांकन की प्रक्रिया 13 जुलाई तक चलेगी, और नए भाजपा उम्मीदवार नीरज सिन्हा के साथ-साथ प्रशांत किशोर भी नामांकन के आखिरी दिन अपना पर्चा भरने वाले हैं। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने सिन्हा के परिवारिक कारणों से नाम वापसी और नीरज सिन्हा को नया प्रत्याशी बनाए जाने की पुष्टि की है।

गिरफ्तारी के आधार पर पद छीनना लोकतंत्र के लिए खतरनाक

-30 दिन न्यायिक हिरासत पर पद से हटाने वाले प्रस्तावित प्रावधान पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने उठाए सवाल

-संविधान संशोधन विधेयक अभी संयुक्त संसदीय समिति के विचाराधीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहने पर पद से हटाने के प्रस्तावित संवैधानिक प्रावधान का विरोध करते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि केवल गिरफ्तारी के आधार पर किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को पद से हटाने का प्रावधान लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकता है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए मसूद ने कहा कि जब तक किसी व्यक्ति को अदालत दोषी नहीं ठहराती, तब तक केवल गिरफ्तारी के आधार पर उसे पद से हटाना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाए और इसी आधार पर उसका पद समाप्त हो जाए, तो कानून और न्यायिक प्रक्रिया का महत्व क्या रह जाएगा।

कांग्रेस सांसद ने यह भी पूछा कि क्या ऐसे प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को भी इसी प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में ऐसे कदम अत्यंत सावधानी से उठाए जाने चाहिए और तब तक नहीं अपनाए जाने चाहिए, जब तक सभी अन्य संवैधानिक विकल्प समाप्त न हो जाएं।

गौरतलब है कि संविधान (130वां संशोधन) विधेयक अगस्त 2025 में लोकसभा में पेश किया गया था। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार यदि प्रधानमंत्री, किसी राज्य के मुख्यमंत्री या केंद्र अथवा राज्य सरकार के किसी मंत्री को किसी गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया जाता है और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन उसे स्वतः पद से हटाने का प्रावधान होगा। वर्तमान में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत किसी जनप्रतिनिधि की अयोग्यता सामान्यतः अदालत द्वारा दोषसिद्धि के बाद लागू होती है। सरकार का तर्क है कि प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य गिरफ्तारी और दोषसिद्धि के बीच की अवधि के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाना, जेल से शासन चलाने जैसी परिस्थितियों को रोकना तथा संवैधानिक पदों की गरिमा बनाए रखना है। यह विधेयक फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचाराधीन है और अभी कानून नहीं बना है। भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे राजनीति के अपराधीकरण पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने की दिशा में आवश्यक सुधार बताया है। वहीं विपक्ष के कुछ नेताओं ने इसके संभावित दुरुपयोग की आशंका जताई है।

वैश्विक कमजोरी और ईरान-अमेरिका तनाव से डगमगाया शेयर बाजार

मॉनसून की उम्मीदें और विदेशी निवेशकों की खरीदारी से बढ़ा मनोबल

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह किसी रोलरकोस्टर राइड से कम नहीं रहा, जो वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत घरेलू संकेतों के बीच झूलता रहा। सप्ताह की शुरुआत शानदार तेजी से हुई, लेकिन बुधवार को एक बड़े भूचाल ने निवेशकों को हिला दिया। हालांकि, बाजार ने हार नहीं मानी और सप्ताह के अंत तक जोरदार वापसी करते हुए निवेशकों को कुछ राहत दी।

सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार बढ़त के साथ हुई, जब मॉनसून की उम्मीदें और विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से निवेशकों का मनोबल बढ़ा। सेंसेक्स 521 अंक और निफ्टी 24,400 के पार बंद हुआ, हालांकि व्यापक बाजार का रुझान नकारात्मक था, जो चुनिंदा शेयरों तक ही तेजी सीमित होने का संकेत था। मंगलवार को शुरुआती तेजी के बाद बाजार में हल्की कमजोरी दिखी और दोनों सूचकांक मामूली गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे चार दिनों की बढ़त का सिलसिला टूट गया। सप्ताह का सबसे बड़ा झटका बुधवार को लगा, जब वैश्विक बाजारों में कमजोरी, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से भारतीय बाजार में भारी बिकवाली हुई। सेंसेक्स 1,677 अंक और निफ्टी 581 अंक लुढ़ककर 23,900 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे बंद हुआ। इस ब्लैक डे पर निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए, जिससे बीएसई का कुल मार्केट कैप घटकर 472 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। हालांकि बाजार ने गुरुवार को शुरुआती रिकवरी दर्ज की, जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली। सेंसेक्स 238 अंक और निफ्टी 80 अंक से अधिक बढ़कर बंद हुए। सप्ताह का अंत शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ हुआ, जिसने निवेशकों को गदगद कर दिया।

सेंसेक्स 827 अंक और निफ्टी 244 अंक बढ़कर बंद हुए। इस तेजी के साथ सेंसेक्स 77,569.39 और निफ्टी 24,206.90 के स्तर पर पहुंच गए। कुल मिलाकर यह सप्ताह भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण अत्यधिक अस्थिर रहा, लेकिन घरेलू कारकों और मजबूत खरीदारी के दम पर बाजार ने बुधवार के बड़े झटके से उबरने की उल्लेखनीय क्षमता दिखाई।

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण से 1.90 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचीः सरकार

नई दिल्ली ।

सरकार ने पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण (ईबीपी) कार्यक्रम का बचाव करते हुए कहा कि इससे चीनी उद्योग को मजबूती मिली है, किसानों की आय बढ़ी है और 2014-15 से अब तक 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। खाद्य मंत्रालय के एक अ धिकारी ने अनाज एथनॉल विनिर्माता संघ (जीईएमए) के सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटी है और लगभग 930 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है। उन्होंने कहा कि एथनॉल कृषि अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन गया है, जिससे किसानों की आय बढ़ी, गन्ना किसानों को समय पर भुगतान मिला और चीनी उद्योग सशक्त हुआ। उत्पादन क्षमता 21 करोड़ से बढ़कर 2,000 करोड़ लीटर हो गई है, जिसमें मक्का भी प्रमुख कच्चा माल बनकर उभरा है।

एप्पल ने ओपनएआई पर ठोका ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा

पूर्व कर्मचारियों के जरिए गोपनीय डेटा चुराने में मदद का आरोप

मुंबई।

दुनिया की दो दिग्गज टेक कंपनियों एप्पल और चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई के बीच गोपनीय जानकारी को लेकर छिड़ा विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। एप्पल ने अमेरिका की एक अदालत में ओपनएआई और अपने दो पूर्व कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि एप्पल की गोपनीय हार्डवेयर जानकारी और ट्रेड सीक्रेटका उपयोग कर ओपनएआई अपने एआई हार्डवेयर बिजनेस को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ओपनएआई ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। एप्पल का दावा है कि उसके पूर्व कर्मचारियों ने कंपनी छोड़ने के बाद या उससे पहले गोपनीय दस्तावेजों और तकनीकीजानकारी तक अनधिकृत पहुंच बनाई, संवेदनशील फाइलें डाउनलोड या ट्रांसफर कीं।

कंपनी का आरोप है कि इस जानकारी का उपयोग भविष्य के एआई-आधारित डिवाइस बनाने में किया जा सकता है। मुकदमे में, एप्पल ने एक कर्मचारी पर नौकरी छोड़ने के बाद भी नेटवर्क से गोपनीय हार्डवेयर फाइलें डाउनलोड करने और दूसरे पर इस्तीफा देने से पहले सप्लायर नेटवर्क की जानकारी निजी ईमेल पर भेजने का आरोप लगाया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह मामला सिर्फ गोपनीय जानकारी तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य के एआई हार्डवेयर बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा है। रिपोर्ट है कि ओपनएआई ऐसे एआई डिवाइस पर काम कर रहा है जो पारंपरिक स्मार्टफोन पर निर्भरता कम कर सकते हैं, जिससे आईफोन को कड़ी चुनौती मिल सकती है।

ओपनएआई ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उसका ध्यान केवल ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर है जो दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचाए।

सेबी ने म्यूचुअल फंड के लिए इंट्राडे उधारी के नियम बदले

1 सितंबर से मिलेगी अधिक सहूलियत

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए एक बड़ा कदम उठाया है, जिसने कारोबारी सत्र के दौरान ली जाने वाली 'इंट्राडे' उधारी के दायरे का विस्तार किया है। यह बदलाव म्यूचुअल फंड योजनाओं के संचालन में अधिक लचीलापन और दक्षता लाएगा, और नए नियम 1 सितंबर से प्रभावी होंगे। इससे पहले म्यूचुअल फंड को केवल अस्थायी नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेने की अनुमति थी, और वह भी कड़ी नियामकीय सीमाओं के तहत। सेबी द्वारा शुक्रवार को जारी संशोधित ढांचे के तहत, अब परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) इस उधारी का इस्तेमाल निवेश के भुगतान, रोजाना के नफा-नुकसान समायोजन, विदेशी लेनदेन निपटान और पुराने कर्ज चुकाने जैसे विभिन्न कार्यों के लिए भी कर सकेंगी। नियामक का मानना है कि यह कदम विभिन्न बाजारों के अलग-अलग निपटान समय के कारण उत्पन्न होने वाले नकदी असंतुलन को प्रभावी ढंग से दूर करेगा।

पोस्ट ऑफिस आरडी योजना, छोटे निवेश से बनाएं लाखों का बड़ा फंड

100 से शुरू करें मासिक बचत, 6.7 फीसदी ब्याज के साथ पाएं लोन सुविधा

नई दिल्ली ।

आज के समय में सुरक्षित निवेश और आकर्षक रिटर्न की तलाश हर किसी को होती है। ऐसे में भारतीय डाकघर की रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) स्कीम आम नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय और बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है। यह सरकारी छोटी बचत योजना कम जोखिम पर भविष्य के लिए एक मजबूत फंड तैयार करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। आप इस योजना में न्यूनतम 100 प्रति माह से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। वर्तमान में इस पर 6.7 फीसदी सालाना ब्याज दिया जा रहा है, हालांकि छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरें तिमाही आधार पर संशोधित की जाती हैं। इसकी मूल परिपक्वता अवधि 5 साल है, जिसे निवेशक अपनी सुविधा अनुसार अगले 5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। खास बात यह है कि एक साल तक नियमित जमा के बाद जमा राशि के 50 फीसदी तक लोन की सुविधा भी मिलती है। जरूरत पड़ने पर तीन साल बाद समय से पहले खाता बंद करने का विकल्प भी उपलब्ध है, हालांकि ऐसे में ब्याज दर बदल जाती है। यह योजना हर वर्ग के लिए सुलभ है,

जहां नाबालिगों के लिए अभिभावक द्वारा और संयुक्त खाते की सुविधा भी है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति हर महीने 9500 रुपए जमा करता है, तो 5 साल में उसे लगभग 6.77 लाख रुपए (जिसमें 1.07 लाख ब्याज होगा) मिलेंगे। इसे 10 साल तक जारी रखने पर कुल रकम लगभग 16.23 लाख रुपए तक पहुंच सकती है, जिसमें 4.83 लाख रुपए ब्याज के रूप में होंगे।

इक्विटी टी म्यूचुअल फंड्स बने निवेशकों की पहली पसंद

कुल एयूएम रिकॉर्ड स्तर पर; डेट फंड्स से निकासी जारी

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय निवेशकों का भरोसा म्यूचुअल फंड्स पर लगातार मजबूत हो रहा है। जून 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिकॉर्ड 28,973 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश आया, जो मई के 22,907 करोड़ रुपये से 26 फीसदी अधिक है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों में सामने आई है। इस रिकॉर्ड निवेश के साथ भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) (30 जून तक 82,22,480.04 करोड़ रुपए के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। एएमएफआई डेटा के अनुसार मिडकैप और

स्मॉलकैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। मिडकैप फंड्स में सर्वाधिक 6,090 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 5,602 करोड़ रुपए और फ्लेक्सी कैप फंड्स में 5,231 करोड़ रुपए का निवेश आया। मल्टीकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी क्रमशः 3,070 करोड़ और 2,067 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया। हालांकि, एक तरफ जहां इक्विटी म्यूचुअल फंड्स निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं, वहीं डेट म्यूचुअल फंड्स से निकासी का सिलसिला जारी है।

एक्साइड इंडस्ट्रीज को बेंगलुरु प्लांट से तीसरी तिमाही में राजस्व की उम्मीद

प्रोजेक्ट पर 4,802 करोड़ खर्च कर चुकी है कंपनी

नई दिल्ली ।

एक्साइड इंडस्ट्रीज को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही से उसके बेंगलुरु स्थित लिथियम-आयन सेल विनिर्माण संयंत्र से राजस्व आना शुरू हो जाएगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अ धिकारी ने हाल ही में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। कंपनी ने इस परियोजना पर अब तक लगभग 4,802 करोड़ रुपये का निवेश किया है और चालू वित्त वर्ष में 1,400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने की योजना है, जिससे कुल निवेश 6,202 करोड़ रुपये हो जाएगा। रॉय ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि लिथियम-आयन व्यवसाय को चालू करना और उसका विस्तार करना कंपनी की पहली प्राथमिकता है, जिसे इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती मांग से बल मिल रहा है। कंपनी 6 गीगावॉट प्रति घंटे की क्षमता के साथ आगे बढ़ रही है और इसे 12 जीडब्ल्यूएच तक बढ़ाने की योजना, ताकि भारत के ऊर्जा बदलाव का 2030 तक लाभ उठाया जा सके। मोबिलिटी और स्टेशनरी स्टोरेज एप्लीकेशन के लिए चुनिंदा मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) और अन्य ग्राहकों के साथ बातचीत में

अच्छी प्रगति हुई है। कंपनी के प्रांतिज (गुजरात) संयंत्र के जरिये इसके मॉड्यूल और पैक का कारोबार भी परिचालनगत मौजूदगी दर्ज कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी अपने प्रमुख लेड-एसिड बैटरी कारोबार को भी संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने इस बाजार को 45,000 करोड़ रुपये का बताते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों में इसके 55,000 करोड़ रुपये तक बढ़ने की उम्मीद है, जिससे इसमें भी वृद्धि की राह बनी रहेगी।

महिला श्रम भागीदारी की राह में रोजगार की कमी सबसे बड़ी बाधाः ईएसी-पीएम अध्यक्ष

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष एस. महेंद्र देव ने कहा है कि भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी बढ़ाने में अब सामाजिक सोच और परंपरागत मान्यताओं से कहीं अधिक बड़ी समस्या पर्याप्त रोजगार के अवसरों की कमी बन गई है। नई दिल्ली में एक संगोष्ठी में उन्होंने बताया कि शिक्षित महिलाओं में अधिक बेरोजगारी और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में पर्याप्त नौकरी सृजन न होना इस बात का प्रमाण है कि चुनौती अब रोजगार की मांग से जुड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरा मानना है कि महिलाओं के रोजगार में सबसे बड़ी बाधा नौकरियों की कमी है। यदि उपयुक्त रोजगार उपलब्ध होंगे, तो वे निश्चित रूप से कार्यबल में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि शिक्षित महिलाओं में लगभग 40 प्रतिशत बेरोजगारी भी इसी समस्या को उजागर करती है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, महिलाओं की बढ़ती श्रम भागीदारी समावेशी और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अवैतनिक कार्यों को शामिल करने पर महिलाएं पुरुषों से अधिक काम करती हैं, जिसका मौद्रिक मूल्य देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 प्रतिशत हो सकता है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के हालिया आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर लगभग 40 प्रतिशत है।

भारत का लक्ष्य, 2030 तक 150 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात

नीतिगत स्थिरता और एमएसएमई का वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकरण महत्वपूर्ण

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक 150 अरब डॉलर (लगभग 12.5 लाख करोड़ रुपये) के महत्वाकांक्षी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने हेतु उद्योग जगत के साथ एक चिंतन शिविर का आयोजन किया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तेज़ी से वैश्विक मूल्य शृंखलाओं पर निर्भर है। उन्होंने भारत की नीतिगत व्यवस्था में स्थिरता और स्पष्टता की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि देश इन मूल्य शृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ा सके। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने वाली नीतियां और निर्यात-आधारित विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां अलग-अलग हो सकती हैं। चिंतन शिविर में वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में लगभग 90 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली मूल्य शृंखलाओं में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। इससे एमएसएमई बड़ी विनिर्माण कंपनियों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में विकसित हो सकेंगे। इस रचनात्मक संवाद में वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों और निर्यात संवर्धन परिषदों के सदस्यों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए संतुलित और व्यावहारिक नीतिगत सिफारिशें तैयार करना था।

पारदर्शिता से बढ़ेगा रियल एस्टेट निवेश यूपी रेरा

यूपी में परियोजनाओं के बड़े आकार के कारण 40 फीसदी उपभोक्ता शिकायतें

नई दिल्ली ।

यूपी-रेरा के एक अ धिकारी ने भारतीय रियल एस्टेट बाजार में पूर्ण पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा है कि इससे विकास कार्यों के लिए आवश्यक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने शुक्रवार को यह बात कही। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि रेरा का उद्देश्य नियमन है, नियंत्रण नहीं, बल्कि घर खरीदारों और परियोजना प्रवर्तकों के हितों में संतुलन साधना है। उन्होंने देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और आवासीय व वाणिज्यिक संपत्तियों की बढ़ती मांग का जिक्र करते हुए सभी हितधारकों से इस क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अ धिकारी ने रियल एस्टेट उद्योग संगठनों से क्षेत्र में हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8-9 प्रतिशत का योगदान देता है और 125 से अधिक सहायक उद्योगों को सहारा देता है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के विकास के लिए निवेश का प्रवाह जारी रहना चाहिए, जिसमें नियामक प्राधिकरण की भूमिका भी अहम है। उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य में 308 परियोजनाएं रेरा के तहत पंजीकृत हैं, जिनका औसत आकार 333 इकाइयों का है। परियोजनाओं के बड़े आकार के कारण, राष्ट्रीय स्तर पर कुल रेरा उपभोक्ता शिकायतों में उत्तर प्रदेश का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है। उन्होंने प्रवर्तकों, एजेंटों और घर खरीदारों सहित सभी संबंधित पक्षों की मदद से हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

एसबीआई फंड्स आईपीओ से पहले बड़ा खुलासा, 30 साल पुराने दस्तावेज़ गायब

कंपनी ने प्रोस्पेक्टस में माना, 11,693 करोड़ के आईपीओ पर गहराया संदेह

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित आईपीओ इस हफ्ते बाजार में दस्तक देने वाला है। हालांकि, इश्यू से ठीक पहले कंपनी ने अपने रेड हेयरिंग प्रोस्पेक्टस में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कंपनी ने स्वीकार किया है कि उसके कुछ बेहद महत्वपूर्ण और लगभग तीन दशक पुराने रिकॉर्ड्स और दस्तावेज गायब हो गए हैं, जिन्हें वह लाख कोशिशों के बाद भी खोज नहीं पा रही है। गायब हुए दस्तावेज़ करीब तीन दशक पुराने हैं, जिनमें 30 जून, 1992 के अतिरिक्त इश्यू और 7 नवंबर, 1997 के राइट्स इश्यू से जुड़े ऑफर और अलॉटमेंट लेटर शामिल हैं। कंपनी ने इन दस्तावेजों को खोजने के लिए एक स्वतंत्र कंपनी सेक्रेटरी फर्म को भी लगाया, जिसने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी), एमसीए पोर्टल्स और कंपनी के रजिस्टर्ड ऑफिस में गहन तलाशी ली, लेकिन रिकॉर्ड्स का पता नहीं चल सका। आरएचपी में कंपनी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इन गायब दस्तावेजों को लेकर उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही या पेनल्टी नहीं चल रही है। हालांकि, कंपनी यह आश्वासन नहीं दे सकती कि भविष्य में गुम दस्तावेजों के संबंध में उसके विरुद्ध कोई कानूनी या नियामकीय कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी। ऐसी स्थिति में, कंपनी पर संभावित जुर्माना या नुकसान का सटीक आकलन अभी नहीं किया जा सकता, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति और बाजार में प्रतिष्ठा पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह 14 से 16 जुलाई तक खुलने वाले 11,693 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए चिंता का विषय बन गया है।

होम लोन में सिर्फ ईएमआई नहीं, कुल ब्याज पर करें फोकस

नई दिल्ली ।

घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन अक्सर लोग होम लोन लेते समय सिर्फ मासिक ईएमआई पर ध्यान देते हैं। यह जल्दबाजी बाद में महंगी साबित हो सकती है, क्योंकि बैंक को चुकाई जाने वाली कुल रकम आपकी उम्मीद से कहीं ज्यादा हो सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सिर्फ ईएमआई नहीं, बल्कि कुल ब्याज और लोन की अवधि को ध्यान में रखकर ही होम लोन का फैसला लेना चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक बताते हैं कि 8.5त्न ब्याज दर पर 20 साल के लिए 50 लाख रुपये का होम लोन लेने पर मासिक ईएमआई भले ही करीब 43,390 रुपये लगे, लेकिन कुल चुकाई गई रकम 1.04 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जिसमें 54 लाख रुपये सिर्फ ब्याज होगा।

इसका मतलब है कि आप जितनी रकम उधार लेते हैं, लगभग उतनी ही ब्याज के रूप में चुकानी पड़ती है। शुरुआती सालों में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में जाता है, जिससे मूलधन धीरे-धीरे कम होता है। लाखों रुपये का ब्याज बचाने और लोन जल्दी खत्म करने के लिए प्री-पेमेंट एक प्रभावी तरीका है। यदि हर साल एक अतिरिक्त ईएमआई चुकाई जाए, तो 20 साल का लोन करीब 5 साल पहले खत्म हो सकता है और लगभग 13 लाख रुपये का ब्याज बच सकता है। इसी तरह, आय बढ़ने पर हर साल ईएमआई में 5 फीसदी की बढ़ोतरी करने से 20 साल का लोन 12 साल में चुकाया जा सकता है। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि 8.5 फीसदी या अधिक ब्याज दर वाले होम लोन की तुलना में निवेश से लगातार बेहतर रिटर्न कमाना मुश्किल है, इसलिए प्री-पेमेंट निश्चित बचत प्रदान करती है।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।
वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।
बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।
किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे :

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.
इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है. कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.
रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या
इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30

किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।
जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।
इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।
मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुन: विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।
महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।
महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।
महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।
सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।
तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।
महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अत: इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।
ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।
उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।
राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।
महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।
कैसा समाधान मंत्री जी?
महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।
महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?
महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।
किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!
महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।
राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।
कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुन: विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।
महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।
महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।
जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।
जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।
तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

सर्वेश बने पोडियम फिनिश करने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

सिनर ने जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

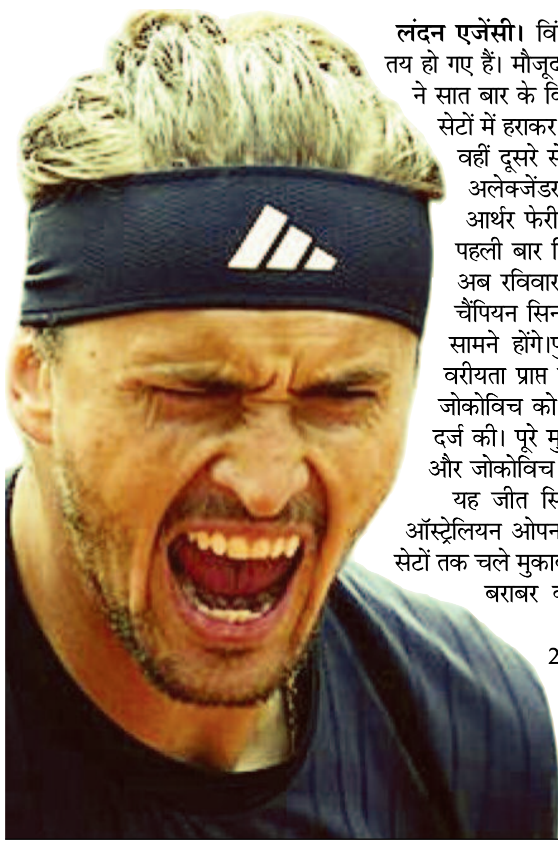

लंदन एजेंसी। विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 यानिक सिनर ने सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में जगह बना ली। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी के शानदार अभियान पर विराम लगाते हुए पहली बार विंबलडन फाइनल का टिकट हासिल किया। अब रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन सिनर और फ्रेंच ओपन चैंपियन ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इटली के यानिक सिनर ने अनुभवी नोवाक जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले में सिनर ने आक्रामक खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

यह जीत सिनर के लिए खास रही क्योंकि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जोकोविच ने उन्हें पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। सिनर ने उस हार का हिसाब बराबर करते हुए विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। 39 वर्षीय जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी इस हार के साथ टूट गया। दूसरी ओर, फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद सिनर ने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट हैं और लगातार दूसरी बार विंबलडन खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

विंबलडन 2026 के खिताबी मुकाबले में ज्वेरेव से टक्कर

ज्वेरेव पहली बार पहुंचे विंबलडन फाइनल

पहले सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने घरेलू दर्शकों के चहेते ब्रिटिश खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। फेरी ने शानदार संघर्ष करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन टाई-ब्रेक में ज्वेरेव ने 7-0 से जीत दर्ज कर मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद दूसरे और तीसरे सेट में उनकी दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने फेरी टिक नहीं सके। ज्वेरेव ने 2 घंटे 14 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब के करीब

29 वर्षीय ज्वेरेव पिछले महीने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। अब वह लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। वह विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले बोरिस बेकर और माइकल स्टिच यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने अब तक केवल दो सेट गंवाए हैं और सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में वह फिर से विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। अगर ज्वेरेव रविवार को खिताब जीतते हैं तो वह ओपन एरा में एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन दोनों जीतने वाले केवल सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे।

हार के बावजूद छाए आर्थर फेरी

ब्रिटेन के 23 वर्षीय आर्थर फेरी का यादगार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, लेकिन उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान से शुरुआत करने वाले फेरी ने दमिर जुमहुर, ओटो विर्तानेन, जिजू बर्ग्स, ग्रिगोर दिमित्रोव और फ्लावियो कोबोली जैसे खिलाड़ियों को हराकर अंतिम चार तक का सफर तय किया। उनके इस प्रदर्शन के दम पर लाइव रैंकिंग में 78 स्थानों की छलांग लगी है और वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 36वीं रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्हें 9 लाख पाउंड की पुरस्कार राशि भी मिली, जो उनके पूरे करियर की अब तक की कुल कमाई से अधिक है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

अब फ्रांस से होगी टक्कर

इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप 2026 के अंतिम चार में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला फ्रांस से होगा। दोनों यूरोपीय दिग्गजों के बीच होने वाला यह मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप

अदिति अशोक ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, कट में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस में खेले जा रहे प्रतिष्ठित अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कट में जगह बना ली है। दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर अदिति ने 36 होल के बाद कुल दो अंडर पार का स्कोर बनाया और संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंच गईं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय गोल्फ के इतिहास में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली।

पहले दौर के बाद चुनौतीपूर्ण स्थिति में मौजूद अदिति ने दूसरे राउंड में बेहतरीन वापसी की। उन्होंने पूरे राउंड में चार बर्डी लगाईं, हालांकि इस दौरान तीन बोगी भी कीं। इसके बावजूद उन्होंने एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर आराम से कट में अपनी जगह पक्की कर ली।

यह अदिति अशोक के करियर का 38वां मेजर टूर्नामेंट है। इसके साथ ही वह किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर द्वारा सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में यह नौवीं बार उनकी भागीदारी है और उन्होंने पांचवीं बार कट में जगह बनाने का कारनामा किया है।टूर्नामेंट में इंग्लैंड की लॉटी वोड ने दूसरे दौर में शानदार सात अंडर 64 का कार्ड खेला। 36 होल के बाद उनके नाम कुल 11 अंडर पार का स्कोर है और वह लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर काबिज हैं।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुईं। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गईं और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुईं।

टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

संजू को बाहर करना तर्कहीन वैभव को लेकर निशाना साधा

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है।

पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो।

फराह-रितेश दोनों सख्त जेलर हैं

अभिनेत्री कंगना रनौत रियलिटी शो 'लॉक अप' के दूसरे सीजन के लिए वापस आ गई हैं। हालांकि, इस बार वह 'जजमेंट डे' एपिसोड में जूरी के तौर पर 'जनता की आवाज' बनेंगी। कंगना शो के जेलर्स, फराह खान और रितेश देशमुख के साथ शामिल होंगी, जो लगातार कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब कर रहे हैं और यह पक्का कर रहे हैं कि कोई भी झूठ या बहाना नजरअंदाज न हो।
रियलिटी शो में जेलर्स के तौर पर फराह और रितेश के असरदार काम की तारीफ करते हुए 'क्वीन' एक्ट्रेस ने कहा कि ये दोनों कंटेस्टेंट्स के साथ बहुत निष्पक्ष रहे हैं। साथ ही टास्क के मामले में वे बिल्कुल भी समझौता नहीं करते हैं।
सीजन 1 में शो की होस्ट रहीं कंगना ने कहा, 'फराह और रितेश ने 'लॉक अप' में वही अधिकार और तेवर दिखाया है, जिसकी इसे जरूरत थी। कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब करते समय वे निष्पक्ष, निडर और बिल्कुल समझौता न करने वाले रहे हैं।
उन्होंने कहा, ''जनता की आवाज' के तौर पर, मैं इसे एक कदम और आगे ले जाने के लिए यहां आई हूं। दर्शक हर हरकत देख रहे हैं और अब उनकी आवाज सुनने का समय आ गया है। मेरा यकीन मानिए, नया एपिसोड हर किसी को चर्चा करने पर मजबूर कर देगा।' इससे पहले शो का दोबारा हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था, 'यह शो हमेशा अपने सच को स्वीकार करने के बारे में रहा है, चाहे वह कितना भी असहज क्यों न हो। 'लॉक अप: सच या सजा' के पहले एलिमिनेशन के लिए इस वीकेंड जूरी या 'जनता की आवाज' के तौर पर फराह और रितेश के साथ जुड़ते हुए, मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि हर पसंद की एक कीमत होती है।

बेटे के नजरिए से चुनती हूं फिल्म

मां बनने के बाद काम में बदलाव पर की बात

दिवाली पर नितेश तिवारी की 'रामायण: पार्ट 1' रिलीज होगी। काम में व्यस्त रहने के बावजूद काजल कहती हैं कि अब वह बहुत सोच-समझकर फिल्में चुनती हैं, खासकर मां बनने के बाद उनकी सोच पूरी तरह बदल गई है।

मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे

एक इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने घर और काम को लेकर बात करते हुए कहा, 'शादी और बच्चे के बाद जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। अब जब मैं कोई प्रोजेक्ट चुनती हूं, तो अपने बच्चे के नजरिए से सोचती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा मुझ पर गर्व करे। वह मेरी फिल्म देखे और कहे कि यह मेरी मां का काम है और यह बहुत अच्छा है। इसलिए अब मैं ज्यादा जिम्मेदारी और समझदारी के साथ फैसले लेती हूं।'

बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन

इसी वजह से 'रामायण' को लेकर उनकी एक्साइटमेंट भी काफी ज्यादा है। फिल्म को लेकर उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा रामायण का बहुत बड़ा फैन है। वह रोज घर पर रामलीला करता है और किरदार निभाता है। जब मैंने उसे बताया कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं, तो वह बहुत खुश हो गया। मजेदार बात यह है कि उसका फेवरेट किरदार रावण है और मैं फिल्म में उसकी पत्नी मंदोदरी का रोल निभा रही हूं। जब 'रामायण' का पार्ट 2 आएगा, तब वह लगभग 5 साल का होगा और मैंने उससे कहा है कि वह अपनी पहली फिल्म थिएटर में देखेगा।'

दो हिस्सों में रिलीज होगी

'रामायण' नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा।

प्रियदर्शन नहीं होंगे हेरा फेरी 3 का हिस्सा

प्रियदर्शन ने हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' का निर्देशन किया है। इन दिनों वह 'हैवान' पर काम कर रहे हैं। इस बीच निर्माता फिरोज ए नाडियाडवाला ने बताया है कि 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्टर नहीं करेंगे। उन्होंने अक्षय कुमार और परेश रावल जैसे एक्टर्स के साथ अपने रिश्तों के बारे में भी बात की। से बातचीत में फिरोज ने अक्षय कुमार के साथ अपने रिश्ते के बारे में कहा 'हमारा रिश्ता भाईचारे जैसा है। यह पैसे और दबाव से कहीं ऊपर है। हमारा रिश्ता 1996-97 से है। यह साथ रहने और साथ काम करने पर आधारित है और यही हमारा रिश्ता है।' परेश रावल की तारीफ करते हुए फिरोज ए नाडियाडवाला ने कहा 'डिक्शनरी में परेश भाई के बारे में बताने के लिए कोई शब्द नहीं है। वह कमाल के हैं। उनके विचार, सपोर्ट और कोशिशें आम लोगों से कहीं बढ़कर हैं। उनके काम करने के तरीके में कुछ आध्यात्मिक बात है।'
जब 'हेरा फेरी 3' की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछा गया, तो फिरोज ने संक्षेप में लेकिन भरोसा दिलाते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'सब कुछ सही रास्ते पर है और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रियदर्शन इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट करने के लिए वापस आएंगे, तो फिरोज ने सीधा और साफ जवाब दिया, जिससे अटकलों की कोई गुंजाइश नहीं बची। उन्होंने कहा, 'नहीं, प्रियदर्शन इसका हिस्सा नहीं हैं।'

अपने हिंदी डेब्यू को तैयार एक्टर अदिवि शेष

एक्टर-राइटर अदिवि शेष अब अपने हिंदी फिल्मी डेब्यू के लिए तैयार हैं। यह उनके करियर का अगला पड़ाव है, क्योंकि उन्हें तेलुगु सिनेमा के अलावा भी दर्शकों का प्यार लगातार मिल रहा है। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग अक्तूबर में शुरू हो जाएगी। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'अदिवि शेष ने अच्छे कंटेंट वाली फिल्मों के जरिए दर्शकों के साथ मजबूत जुड़ाव बनाया है। 'मेजर' और 'डकैत' जैसी फिल्मों को मिले अच्छे रिस्पॉन्स से उनके दर्शकों का दायरा काफी बढ़ा है। अलग-अलग इंडस्ट्रीज और भाषाओं में उनके साथ काम करने को लेकर दिलचस्पी भी साफ तौर पर बढ़ रही है।'

महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल जगह है बॉलीवुड

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को अक्सर उनके साथी अभिनेताओं से अलग तरह से जज किया जाता है। कृति ने इंडस्ट्री में काम करने की चुनौतियों के बारे में भी बात की है। बातचीत में कृति ने बताया कि उन्होंने मॉडलिंग, इंजीनियरिंग कॉलेज और फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। वह जिन भी फील्ड्स का हिस्सा रही हैं, उनमें से बॉलीवुड ही वह जगह है जहां उन्हें सबसे ज्यादा चैलेंज का सामना करना पड़ा है। उन्होंने याद किया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तो महिलाओं के लिए आज की तुलना में बहुत कम मौके थे।

लिंग के आधार पर है भेदभाव

कृति के मुताबिक, उस समय कई फिल्में मेल हीरो के आस-पास होती थीं, जिनमें अभिनेत्रियों को अक्सर सिर्फ रोमांटिक इंटरेस्ट के तौर पर लिया जाता था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री धीरे-धीरे बड़ी हुई है, अब महिलाओं के लिए बेहतर लिखे गए रोल बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लिंग के आधार पर भेदभाव अभी भी कई तरह से मौजूद है। कृति ने फिल्म सेट पर मेल और फीमेल एक्टर्स पर लागू होने वाले अलग-अलग स्टैंडर्ड्स के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह अपने कैरेक्टर और सीन के बारे में सवाल पूछने के लिए जानी जाती हैं। मगर जब कोई महिला ऐसा करती है, तो उसे अक्सर मुश्किल या बहुत ज्यादा सवाल पूछने वाली समझा जाता है।

कृति सेनन की हालिया रिलीज

कृति सेनन हाल ही में 'कॉकटेल 2' में नजर आई हैं। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में थे। फिल्म को आलोचकों से मिले-जुले रिव्यू मिले। कृति ने अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है।

अब काम करने का तरीका बदल गया है

अरशद वारसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धमाल 4' और सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच एक्टर ने अपने करियर जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इतने साल में उनके काम करने का तरीका बदला है। साथ ही उन्होंने आज के युवा एक्टर्स के डर के बारे में भी बात की।

शॉट्स के बीच ब्रेक लेने के बजाय, काम करते थे अरशद

बातचीत के दौरान अरशद वारसी ने अपनी पीढ़ी के कलाकारों और नई पीढ़ी के एक्टर्स के बीच देखे गए अंतर के बारे में बात की। इंडस्ट्री में बदलते काम के माहौल पर बात करते हुए, अरशद ने अपनी एक फिल्म की शूटिंग का मजेदार किस्सा भी सुनाया। अरशद का मानना है

कि समय के साथ फिल्म बनाने का तरीका काफी बदल गया है। सबसे बड़ा अंतर ये है कि एक्टर्स शारीरिक रूप से मुश्किल शेड्यूल और लंबे समय तक चलने वाली शूटिंग को कैसे संभालते हैं। बातचीत के दौरान अरशद से पूछा गया कि पुरानी पीढ़ी के एक्टर्स नई पीढ़ी से कैसे अलग हैं?

इसका जवाब देते हुए उन्होंने एक ऐसा अनुभव शेयर किया जिसने उन पर गहरा असर डाला। उन्होंने एक स्टंट सीन की शूटिंग को याद किया। शॉट्स के बीच लंबा ब्रेक लेने के बजाय, वह बस अपने अगले क्यू का इंतजार करते और शूटिंग जारी रखते। इस घटना के बारे में बताते हुए अरशद ने कहा, 'मैंने वह सब किया और मैं आया और बैठ गया। अपने अगले शॉट का इंतजार किया, फिर मैं उठा और मैंने अगला शॉट और उसके बाद वाला शॉट किया।' यही वह काम करने का तरीका था जिसके वे अपने करियर के दौरान आदी हो गए थे।

अरशद के लगातार काम करने के फैन हुए निर्देशक

अरशद को बिना किसी रुकावट के शूटिंग जारी रखते देख, फिल्म के निर्देशक उनके पास गए और एक ऐसी बात कही जो अभिनेता को आज भी याद है। अरशद ने बताया कि निर्देशक ने कहा कि आप जैसे लोगों के साथ काम करना बहुत सुखद है। नई पीढ़ी के कलाकार, दो-चार स्टेप डांस करके मसाज कराने चले जाते हैं, आराम और रिकवरी के लिए उन्हें समय चाहिए, फिर वे रिकवर होकर वापस आकर दूसरा शॉट देते हैं।

नए कलाकारों का बहुत कुछ दांव पर है

हालांकि, अरशद का मानना है कि अब वर्किंग कल्चर में काफी बदलाव आया है। वो इस बदलाव को निगेटिव रूप से नहीं देखते हैं। बल्कि, उनका मानना है कि हर पीढ़ी को अपने-अपने अनूठे दबावों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज के कलाकारों के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा होता है, शायद यही कारण है कि वे काम करते समय अधिक सतर्क रहते हैं। हम अभिनय की एक अलग दुनिया से आते हैं, इसलिए हां, थोड़ा अंतर तो है, लेकिन मुझे लगता है कि कहीं न कहीं सब ठीक हो जाता है। मुझे लगता है कि नए कलाकार ज्यादा डरे हुए हैं क्योंकि बहुत कुछ दांव पर लगा है।

संक्षिप्त समाचार

साहित्य में एआई की भूमिका शून्य इसमें मौलिकता नहीं– रुश्दी

ढाका, एजेंसी। मशहूर लेखक सलमान रुश्दी का मानना है कि साहित्य जैसे रचनात्मक कार्यों में एआई की कोई भूमिका नहीं है क्योंकि इसमें मौलिकता नहीं होती। बुकर पुरस्कार विजेता रुश्दी ने बुधवार को लंदन में लिबेराटम का 14वां सम्मान स्वीकार करने से पहले यह बात कही। रुश्दी ने कहा कि एआई बड़ी मात्रा में जानकारी लेकर उसके संस्करण बना सकता है लेकिन यह ऐसा कुछ नहीं कर सकता जो किसी ने पहले न किया हो।

जर्मनी में हीटवेव से पांच हजार से अधिक लोगों की हुई मौत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण इस साल अब तक लगभग 5,120 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से अधिकांश लोग जून के आखिरी हफ्ते में मारे गए। देश की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट (आरकेआई) के मुताबिक, मृतकों में बुजुर्गों की संख्या सर्वाधिक रही। लगभग 4,270 मृतक 75 वर्ष या उससे अधिक उम्र के थे, जिनमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक रही। पश्चिमी यूरोप में इस साल जून का महीना सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया।

उज्बेकिस्तान में भारतीय छात्रा की बेरहमी से पीटकर हत्या

ताशकंद, एजेंसी। उज्बेकिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रही केरल की 22 वर्षीय छात्रा सावरिया की उसके दोस्त और सहपाठी ने बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी। स्थानीय पुलिस ने मल्लपुरम निवासी आरोपी सदरुल अनाम (23) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों एक ही हॉस्टल में रहते थे। परिजनों का आरोप है कि हत्या से पहले सावरिया को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया और बेरहमी से पीटा गया। उसके शरीर में गंभीर चोटों के निशान हैं।

सिंगापुर– चीनी बैंक खाते फ्रीज भारतीय प्रबंधक पर 39 केस

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक कंपनी के भारतीय मूल के प्रबंधक के खिलाफ 39 आपराधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई आरोपी मलिक समीर (36) की कंपनी समलित मनीचेंजर की ओर से चीन भेजे गए 1.3 करोड़ सिंगापुर डॉलर (लगभग 80 करोड़ रुपये) के रेमिटेंस के फ्रीज होने के बाद हुई है। मामले में कंपनी और उसके निदेशक नोवियांती (45) के खिलाफ भी कुल 34 केस दर्ज किए गए हैं। मामला 2023 का है। पुलिस को चीनी अधिकारियों से 670 ज्यादा शिकायतें मिली थीं।

चार्ली किर्क हत्याकांड : आरोपी ने कहा था– काश यह नहीं किया होता, कोर्ट में चला वीडियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राजनीतिक कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के मामले में कोर्ट में पेश किए गए एक पुलिस वीडियो में आरोपी टायलर रॉबिन्सन के रूममेट लांस ट्विग्स ने दावा किया कि घटना के अगले दिन आरोपी ने उससे कहा था, 'काश मैंने यह नहीं किया होता।' अभियोजन पक्ष का कहना है कि आरोपी ने एक नोट और संदेश में भी किर्क को निशाना बनाने की बात लिखी थी। रॉबिन्सन पर हत्या का आरोप है, लेकिन उसने अभी दोष स्वीकार नहीं किया है। अदालत अब तय करेगी कि उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं या नहीं।

चीन में तूफान और बाढ़ से भीषण तबाही 39 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन में आए एक भीषण उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ से 39 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि की। यह तबाही ऐसे समय में आई है जब चीन का पूर्वी तट और ताइवान एक नए चक्रवाती तूफान (बावी) को लेकर संकट में है। बाढ़ में सर्वाधिक मौतें हेंगझोउ में हुई हैं। नाननिंग शहर में एक जलाशय का बांध आंशिक रूप से टूटने से आई बाढ़ में अकेले हेंगझोउ में 26 लोगों की मौत हुई।

नोबेल को आतुर ट्रंप फिर बोले– एटमी वार में बदलने वाला था भारत–पाकिस्तान युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान युद्ध सुलझाने का फिर दावा किया है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच का टकराव परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। बिना कोई विवरण दिए ट्रंप ने कहा कि मई–2025 में दोनों पड़ोसी देशों के बीच चार दिन के संघर्ष में 11 लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष समेत आठ लड़ाइयों को सुलझाने की वजह से वह नोबेल शांति पुरस्कार के लिए किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में ज्यादा हकदार हैं।

वेनेजुएला में धरती थमी लेकिन नहीं थमा संकट: अब कौन सी नई परेशानी आई सामने? 3811 पहुंची मृतकों की संख्या

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो भीषण भूकंपों के बाद मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। राहत शिविरों में डायरिया, त्वचा रोग और मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने 13 लाख जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए 30 करोड़ डॉलर की अपील की है, जबकि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन राहत और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में जुटे हैं।

क्या अब राहत से ज्यादा स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत महसूस हो रही है : मदद की यह मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब संयुक्त राष्ट्र ने दक्षिण अमेरिकी देश में सहायता की सख्त जरूरत वाले 13 लाख लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए करीब 30 करोड अमेरिकी डॉलर की अपील की है। यह वही देश है, जहां कुछ समय पहले तक गैर-सरकारी संगठनों को सरकारी दमन का सामना करना पड़ रहा था। सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी राज्य ला गुआइरा में अब सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल किचन, अस्थायी क्लिनिक और फील्ड अस्पताल लोगों की मदद में जुटे दिखाई दे रहे हैं।

राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने क्या कहा : वेनेजुएला के दौरे पर पहुंचे संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा,'विस्थापन स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है कि, खासकर दो सप्ताह बाद, लोग इसलिए आ रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी पुरानी बीमारियों का इलाज नहीं मिल पा रहा है।

अब लोग सिर्फ फ्रैक्चर जैसी चोटों के साथ नहीं आ रहे, बल्कि लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए भी पहुंच रहे हैं। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम लगातार उनके साथ मौजूद रहें।'

किन बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं : ला गुआइरा राज्य के कैटिया ला मार इलाके में मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने गुरुवार को बताया कि त्वचा संबंधी बीमारियों और डायरिया के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों की दवाओं की मांग भी लगातार बढ़ रही है। डॉक्टरों का मानना है कि भीडभाड वाले राहत शिविरों, साफ पानी की कमी और खराब स्वच्छता व्यवस्था के कारण इन बीमारियों का खतरा और बढ़ गया है। इनमें से कई समस्याएं भूकंप से पहले भी मौजूद थीं, लेकिन अब हालात और गंभीर हो गए हैं।

इरमा एचारी इलाज के लिए क्यों पहुंचीं : इरमा एचारी चर्च के सामने सड़क के दूसरी ओर फुटपाथ पर खड़ी एक मोबाइल मेडिकल यूनिट में अपनी नियमित आई ड्रॉप और दर्द निवारक दवाओं के खाली डिब्बे लेकर पहुंचीं। उन्हें उम्मीद थी कि वहां मौजूद डॉक्टर उन्हें नई दवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। इसके साथ ही वह 24 जून को आए भूकंप के बाद नाक में बने लगातार दर्द की भी जांच कराना चाहती थीं। 67 वर्षीय एचारी ने अपनी बारी का इंतजार करते हुए कहा, 'बहुत दर्द होता है। दर्द इसलिए होता है क्योंकि दर्द है।

भूकंप के बाद कितनी तबाही हुई : एचारी का घर भले ही क्षतिग्रस्त नहीं हुआ, लेकिन उनके कई पड़ोसी अस्थायी आश्रयों या खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, लगातार आए भूकंपों में 3,811 लोगों की मौत हुई, 190 इमारतें पूरी तरह ढह गईं और 856 अन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार का अनुमान है कि करीब 18,000 लोग बेघर हो गए हैं। इनमें से कई लोग स्कूलों, फुटपाथों, पार्कों, प्लाजा और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रह रहे हैं।

राहत अभियान में सबसे ज्यादा मदद कौन कर रहा है : संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि भूकंप के बाद अब तक सबसे ज्यादा सहायता अमेरिका की ओर से मिली है। हालांकि जमीनी स्तर पर राहत का अधिकांश काम स्थानीय संगठन कर रहे हैं, जो वैश्विक मानवीय संस्थाओं के साथ मिलकर प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचा रहे हैं।

जुलबे रेयेस की कहानी क्या बयां करती है : बेघर हुए लोगों में जुलबे रेयेस भी शामिल हैं। उन्होंने वेनेजुएला के संगठन पालुज द्वारा इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के सहयोग से संचालित क्लिनिक में इलाज कराया। भूकंप के कारण नैनी की नौकरी गंवा चुकी रेयेस सीने में दर्द की शिकायत लेकर क्लिनिक पहुंची थीं। 41 वर्षीय रेयेस ने जांच और दवा मिलने के बाद कहा, 'मुझे लगा कि मेरे दिल में कोई परेशानी है, लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि उस दिन लगातार चीखने और घबराहट की वजह से एक नस में सूजन आ गई थी। संयुक्त राष्ट्र के आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय के अनुसार, भूकंप के कारण घरों और बुनियादी ढांचे को हुए सीधे नुकसान का अनुमान करीब 37 अरब अमेरिकी डॉलर लगाया गया है।

ईरान: मशहद में सुपुर्द-ए-खाक हुए पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई, ट्रंप को ठहरा रहे जिम्मेदार

तेहरान, एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को गुरुवार को मशहद में इमाम रजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया गया. इस मौके पर हजारों समर्थकों उन्हें आखिरी विदाई देने के लिए इकट्ठा हुए. बता दें, अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में मारे गए थे. अंतिम संस्कार की रस्मों के तहत खामेनेई के शव को इमाम रजा की कब्र के चारों ओर ले जाने के बाद दार अल-धिकर प्रार्थना हॉल में दफनाया गया. अंतिम संस्कार की नमाज उनके सबसे बड़े बेटे, सैय्यद मुस्तफा खामेनेई ने पढ़ी. इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, दानेश चौराहे और इमाम रजा दरगाह के बीच भारी भीड़ होने की वजह से खामेनेई के शव को हवाई जहाज से पवित्र दरगाह तक ले जाना पड़ा. सरकारी मीडिया ने कुछ तस्वीरें दिखाई जिनमें मशहद में अंतिम संस्कार के रास्ते पर शोक मनाने वालों की भारी भीड़ दिख रही थी और वे पूर्व सुप्रीम लीडर के शव को आखिरी विदाई देने के लिए ले जा रहे काफिले को घेर रहे थे. वहीं, खामेनेई के अंतिम संस्कार के मौके पर उपस्थित भीड़ ट्रंप विरोधी बैनर लिए हुए दिखाई दी. इससे तेहरान का यह रुख सामने आया कि वह नेता की मौत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को जिम्मेदार मानता है. बता दें, इस अवसर पर ईरान के नए नियुक्त सुप्रीम लीडर, मोजतबा खामेनेई शामिल नहीं हुए. इस साल की शुरुआत में 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइली हमलों में अली खामेनेई की हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में बड़े पैमाने पर संघर्ष शुरू हो गया था. उनकी मौत के बाद, उनके बेटे, मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक रिपब्लिक का नया सुप्रीम लीडर बनाया गया. वहीं, पिछले महीने, इस युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच एक 14-सूत्रीय मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर हुए थे।

अमेरिका से भारत भेजी जा रही 22 किलो से अधिक कोकीन जब्त

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक एयर कार्गो गोदाम से भारत भेजी जा रही 22.35 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने बताया कि इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 लाख डॉलर आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार मादक पदार्थ डोमिनिकन गणराज्य से भारत भेजे जा रहे एक पार्सल में छिपाया गया था। पार्सल पर 'म्यूजिक इक्विपमेंट' लिखा था और कोकीन को स्पीकर व एम्प्लीफायर के अंदर बेहद चालाकी से छिपाया गया था। जांच के दौरान अधिकारियों को चार स्पीकर और दो एम्प्लीफायर के भीतर आठ पाउच और चार ईंटनुमा पैकेट मिले। जांच में यह कोकीन हाइड्रोक्लोराइड निकली। यह कार्रवाई फीफा विश्व कप के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन स्ट्राइकर शील्ड के तहत की गई। सीबीपी ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। मामले की जांच अब होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस कर रही है।

सीरिया में मैक्रों की यात्रा के दौरान हुए धमाकों के आरोपी गिरफ्तार : दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की सरकार ने दावा किया है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की हालिया यात्रा के दौरान दमिश्क में हुए बम धमाकों के पीछे शामिल संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने राजधानी और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। हालांकि गिरफ्तार लोगों की पहचान और संगठन का खुलासा नहीं किया गया है। मैक्रों मंगलवार को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात कर रहे थे, तभी कूड़ेदान और एक खड़ी कार में लगाए गए बम फट गए। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई और 36 लोग घायल हो गए। इससे पहले पिछले सप्ताह दमिश्क के एक कैफे में हुए विस्फोट में 10 लोगों की जान गई थी।

अमेरिका के एक एयरपोर्ट का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रंप के नाम पर रखा गया

फ्लोरिडा , एजेंसी। दक्षिण फ्लोरिडा के हवाई अड्डे पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम गुरुवार को आधिकारिक तौर पर बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' कर दिया गया। पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पुराने साइनबोर्ड हटाए जा रहे हैं और उनकी जगह नए नाम वाले बोर्ड लगाए जा रहे हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने फेसबुक पोस्ट में कहा, 'पूरे एयरपोर्ट का बदलाव एक रात में संभव नहीं है। इसलिए आने वाले कुछ हफ्तों तक टर्मिनल से यात्रा के दौरान यात्रियों को पुराने स्वरूप और नए ब्रांडिंग तत्वों का मिश्रण देखने को मिलेगा।'

ट्रंप का विमान ही सबसे पहले उतरा : द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन के स्वामित्व वाला बोइंग 757 विमान, जिसे 'ट्रंप फोर्स वन' नाम से जाना जाता है। इस एयरपोर्ट पर उतरने वाला पहला विमान बना। यह विमान सुबह करीब 5 बजे एयरपोर्ट पहुंचा। इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप भी सवार थे। ट्रंप परिवार, पाम बीच स्थित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार-ए-लागो आवास पर आने-जाने के दौरान नियमित रूप से वेस्ट पाम बीच एयरपोर्ट का इस्तेमाल करता है। इससे पहले इस वर्ष एयरपोर्ट से ट्रंप के आवास तक जाने वाली एक सड़क का नाम भी बदलकर 'डोनाल्ड जे. ट्रंप बुलेवार्ड' रखा गया था।

बेटे ने लिखा– इस सम्मान के अधिकार भी वही हैं : एरिक ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'फ्लोरिडा और हमारे देश के लिए जितना योगदान इन व्यक्ति ने दिया है, उतना किसी और ने नहीं दिया। इस सम्मान के सबसे अधिक हकदार भी वही हैं। एक बेटे के रूप में और इस एयरपोर्ट से लगभग रोज यात्रा करने वाले व्यक्ति के तौर पर, अपने बोर्डिंग पास पर 'DJT' के शुरुआती अक्षर देखकर मुझे हमेशा गर्व महसूस होगा।' हालांकि एयरपोर्ट का नया नाम गुरुवार से लागू हो गया है, लेकिन इसका तीन अक्षरों वाला एयरपोर्ट कोड PBI से बदलकर DJT 18 अगस्त से किया जाएगा।

ट्रंप ने क्या कहा : राष्ट्रपति ट्रंप ने बाद में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एयरपोर्ट का नाम बदले जाने का स्वागत किया। उन्होंने लिखा, 'पाम बीच, फ्लोरिडा के लिए यह बहुत बड़ा दिन है। शानदार मतदान के बाद पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'द प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखा जाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। यह इलाका बेहद लोकप्रिय है, इसकी लोकेशन शानदार है और इसका नवीनीकरण भी शानदार होगा। पाम बीच के सभी लोगों का उनके समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद।' उन्होंने इसे दुनिया के सबसे महान और शानदार हवाई अड्डों में से एक भी बताया।

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने इसी वर्ष उस विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे एयरपोर्ट का नाम बदलने का रास्ता साफ हुआ। नए साइनबोर्ड, ब्रांडिंग और अन्य बदलावों पर लगभग 55 लाख अमेरिकी डॉलर तक खर्च होने का अनुमान है। गुरुवार सुबह सिनसिनाटी जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे यात्री कीगन कोलेट ने कहा कि नया नाम देखकर उन्हें हैरानी हुई। उन्होंने कहा कि उनके मुताबिक ट्रंप इस सम्मान के हकदार नहीं हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई खास आपत्ति भी नहीं है।

पुल का नाम बदलकर भी ट्रंप के नाम पर किया : इसी बीच, गुरुवार सुबह टेनेसी के डैंड्रिज में आयोजित एक समारोह में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, अमेरिकी सीनेटर मार्शा ब्लैकबर्न, बिल हैगर्टी और प्रतिनिधि सभा के सदस्य टिम बर्चेट ने हिस्सा लिया। इस दौरान पूर्वी टेनेसी स्थित आई-40 ब्रिज का नाम बदलकर 'डोनाल्ड जे. ट्रंप ब्रिज' रखा गया। डैंड्रिज स्थित जेफरसन काउंटी में 2024 के आम चुनाव में ट्रंप को 82 प्रतिशत वोट मिले थे।

ईरान पर नए हमले के बाद ट्रंप और नेतन्याहू के बीच हुई बातचीत, खाड़ी देशों की स्थिति पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान पर हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को इस पूरी घटना की जानकारी दी। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा ड्ड पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच शाम को बातचीत हुई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच निरंतर समन्वय स्थापित किया गया। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी गतिविधियों की जानकारी दी। पीएम नेतन्याहू ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और उनके समर्थकों द्वारा इजरायल राज्य के अस्तित्व के खिलाफ दिए गए बयानों की गंभीरता और इजरायल की सीमाओं पर सुरक्षा क्षेत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया।'

इससे पहले ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) ने गुरुवार को दावा किया कि उसने उत्तरी जॉर्डन में स्थित अमेरिकी अल-अजराक एयरपोर्ट पर 10 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। आईआरजीसी ने इसे 'पश्चिम एशिया में दुश्मन का कमांड और कंट्रोल सेंटर' बताया। यह हमला वाशिंगटन द्वारा तेहरान पर हाल ही में किए गए हमले के जवाब में किया गया था। ईरान की सरकारी मीडिया IRIB द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा कि मिसाइल हमले अमेरिका द्वारा किए गए कथित आक्रमण के जवाब में की गई कार्रवाई का 'दूसरा चरण' है। बयान में कहा गया, 'आज दोपहर 2:20 बजे, आईआरजीसी के लड़ाकू विमानों ने पश्चिम एशिया में दुश्मन के कमांड और कंट्रोल सेंटर और जॉर्डन के अल-अजराक स्थित दुश्मन के हवाई अड्डे को 10 बैलिस्टिक मिसाइलों से नष्ट कर दिया।'

अमेरिकी ठिकानों पर अधिक हमलों की चेतावनी : आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि अमेरिका की और सैन्य कार्रवाई से क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर और हमले होंगे। आईआरआईबी द्वारा जारी बयान में कहा गया है, 'अगर अमेरिकी आतंकवादी सेना अपनी आक्रामकता दोहराती है, तो क्षेत्र में अन्य अमेरिकी ठिकाने भी हमारी भारी गोलाबारी से सुरक्षित नहीं रहेंगे।

बयान में आगे कहा गया है कि ईरान ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बार-बार हमले होने पर वह अपनी सैन्य प्रतिक्रिया का विस्तार करेगा। इसी बीच, जॉर्डन ने पुष्टि की कि ईरान से मिसाइलों के देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद हवाई हमले के सायरन सक्रिय कर दिए गए हैं।

चीन के जिनजियांग में जूतों की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 28 की मौत; जिनिपंग के सख्त आदेश

बीजिंग, एजेंसी। चीन के जिनजियांग शहर में गुरुवार को जूतों की फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना के वीडियो में इमारत और उसके आसपास की आग की लपटें उठती हुई दिख रही हैं। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने आग लगने के बाद बचाव और राहत कार्यों के लिए संयुक्त कार्य दल पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के जिनजियांग शहर भेज दिए हैं। मंत्रालय ने बताया कि आग दोपहर करीब 12 बजे लगी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों को तलाश और बचाव अभियानों में हरसंभव प्रयास करने, घटना का कारण पता लगाने और जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।

जिनपिंग ने दिए सख्त आदेश : जिनपिंग ने घटना की तेजी से जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का आदेश दिया। शहर के फायर डिपार्टमेंट ने एक बयान में कहा कि आग जिनजियांग शहर में हुईटेंग शू कंपनी की एक फैक्ट्री में लगी, जिसे चीन की जूतों की राजधानी भी कहा जाता है। आग लगने का कारण तुरंत पता नहीं चला, और यह भी साफ नहीं है कि हाल के सालों में चीन में लगी सबसे जानलेवा आग में और लोग घायल हुए हैं या नहीं। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि लोग छत पर फंस गए थे।

हिरासत में फैक्ट्री का मालिक और इंचार्ज : शिन्हुआ के अनुसार, फैक्ट्री के मालिक और दूसरे इंचार्ज को हिरासत में ले लिया गया है और कंपनी के अकाउंट फ्रीज कर दिए गए हैं। स्टेट ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी के वीडियो में कई मंजिल वाली एक बिल्डिंग का अगला हिस्सा जला हुआ काला और सफेद धुएं से ढका हुआ दिख रहा है। पहले के फुटेज में दिख रहा है कि कई मंजिलों पर आग लगी हुई थी और बिल्डिंग घने काले धुएं से ढकी हुई थी। जब आग लगी, तब फैक्ट्री में 237 वर्कर और दो विजिटर थे। अधिकारियों ने 213 लोगों को निकाला या बचाया है। सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवीके मुताबिक, मरने वाले 28 लोगों में से दो को हॉस्पिटल ले जाने के बाद मृत घोषित कर दिया गया।

फुटबॉल फैंस का फूटा गुस्सा ! फ्रांस से मोरक्को की हार के बाद लंदन में भड़की हिंसा, सड़कों पर भारी बवाल

लंदन , एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में फ्रांस ने सेमीफाइनल के लिए अपनी सीट पक्की कर ली है। फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर अपनी जगह बनाई है। मोरक्को के खिलाफ फ्रांस की जीत के बाद पेरिस में शांतिपूर्ण तरीके से जश्न मनाया गया, तो वहीं, वहीं लंदन में हिंसक झड़प की घटना सामने आई। लंदन की गलियों में फुटबॉल फैंस की भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई, जिसके बाद हालात बेकाबू हो गए। पेरिस में पहले से ही हिंसा की आशंका के तहत सुरक्षा बलों को तैनात रखा दया था। लेकिन लंदन में हालात तनावपूर्ण हो गए। मोरक्को की हार के बाद सड़कों पर हिंसा होने लगी। लोगों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया।

एक पुलिस अधिकारी घायल : द सन में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, फीफा वर्ल्ड कप में फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री होने के बाद वेस्टर्न लंदन में कुछ उपद्रवियों ने मिलकर एक पुलिस अधिकारी पर भी हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घायल पुलिस अधिकारी को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। देखते-ही-देखते स्थिति बेकाबू हो गई और फैंस सड़कों पर अपना गुस्सा निकालते हुए दिखाई दिए।

भीड़ को कंट्रोल करती दिखी पुलिस : इस हिंसा का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इन वीडियो में सुरक्षाकर्मी भीड़ को काबू करने की कोशिश करते नजर आ रही है। पुलिसकर्मी और उपद्रवी आमने-सामने एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे है। मैच से पहले डर था कि उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को और उसके पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के बीच फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस में हिंसा भड़क सकती है। अच्छी बात यह रही कि पेरिस में माहौल शांतिपूर्ण रहा। हजारों फैन्स फ्रांसीसी टीम की जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आए।

फ्रांस में 20 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात : ध्यान देने वाली बात यह है कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे फ्रांस में 20,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी

तैनात किए गए थे, जिनमें से लगभग 8,000 अकेले पेरिस में तैनात थे। फ्रांस की सुरक्षा एजेंसियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि पेरिस सेंट-जर्मेन की पिछले मई में चैंपियनशिप जीत के बाद हुई अशांति जैसी स्थिति जिसमें हिंसा भी हो सकती हैफिर से पैदा हो सकती है। हालांकि, इस फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस का माहौल हिंसा के बजाय खुशी और जश्न का था।

उपद्रवियों के हमले में 1 पुलिस अधिकारी हुआ घायल : द सन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस की सेमीफाइनल में एंट्री तय होने के कुछ ही देर बाद वेस्टर्न लंदन में एक पुलिस अधिकारी उपद्रवियों के अटैक में घायल हो गया। बाद में उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाना पड़ा।

एडगवेयर रोड पर भीड़ को कंट्रोल करती दिखी पुलिस : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पुलिसकर्मी एडगवेयर रोड पर भारी भीड़ को कंट्रोल करने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य वीडियो में जख्मी पुलिसकर्मी सड़क पर लेटा हुआ नजर आ रहा है और मेडिकल टीम उसका इलाज कर रही है। इस दौरान, अन्य पुलिसकर्मी ढालों के साथ कतार बनाकर उपद्रवियों की तरफ आगे बढ़ते हुए नजर आए।

आशंका के उलट पेरिस में शांतिपूर्ण रहा जश्न : मैच से पहले ऐसी आशंका जताई गई थी कि नॉर्थ अफ्रीका के देश मोरक्को और उसके पूर्व उपनिवेशवादी शासक फ्रांस के बीच फीफा वर्ल्ड कप मैच के बाद पेरिस में हिंसा भड़क सकती है। गनीमत रही कि पेरिस में माहौल शांतिपूर्ण रहा। हजारों फैंस सड़कों पर उतरकर फ्रांस की टीम की जीत का जश्न मनाते दिखे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.